शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, मंगलवार 09 सितंबर 2025 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 02, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 153 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.0	23.4
डालटनगंज	34.0	24.0
धनबाद	33.7	26.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर, तीन जवान घायल

कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के गुड्डार इलाके में सोमवार को हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि एक जूनियर कमीशंड अधिकारी समेत तीन सैन्यकर्मी घायल हो गए. एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद गुड्डार इलाके में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई थी.

अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद इंडिया के सभी हितधारक देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके भारत को एक अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें. राष्ट्रपति ने यहां आयोजित ईईपीसी इंडिया के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को एक बार फिर ज्ञान और व्यापार का अग्रणी केंद्र बनाना सभी नागरिकों का संकल्प होना चाहिए.

भारत, इजरायल ने निवेश संधि पर किए दस्तखत

नयी दिल्ली। भारत-इजरायल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा मिलेगा. वित्त मंत्रालय ने सोमवार यह जानकारी दी. एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार और इज़रायल सरकार ने दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते # बीआईटी पर हस्ताक्षर किए. इस समझौते पर हस्ताक्षर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहे हैं.

जम्मू कश्मीर में आप विधायक हुआ गिरफ्तार

डोडा। जम्मू-कश्मीर में आप के विधायक मेहराज मलिक को जन सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है. उन्हें भद्रवाह जिला जेल में शिफ्ट किया गया है. डोडा से विधायक मलिक पर अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार करने, युवाओं को भड़काने और राहत कार्यों में बाधा डालने के आरोप हैं. साथ ही पुलिस ने मलिक पर 18 एफआईआर और कई जन शिकायतों का हवाला दिया है. अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए हिरासत आवश्यक थी.

कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे मोदी

कोलकाता। भारतीय सशस्त्र बल 15 से 17 सितंबर तक कोलकाता में कमांडर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित करेंगे. इस साल का थीम है सुधारों का वर्ष - भविष्य के लिए परिवर्तन. इसका उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे. इसमें रक्षा मंत्री, एनएसए, सीडीएस और रक्षा सचिव भी शामिल होंगे. अन्य मंत्रालयों के सचिव और तीनों सेनाओं के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे. कमांडर्स कॉन्फ्रेंस भारत के सैन्य और नागरिक नेतृत्व के लिए सबसे महत्वपूर्ण मंच है, जहां रणनीतिक और वैचारिक स्तर पर विचार-विमर्श होता है.

सुनाई खरी-खरी: देश के तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा-वोट चोरी जैसा कुछ नहीं, लेकिन

विपक्ष की तरफ से उठाए जा रहे सवालों को एड्रेस करना भी जरूरी

शुभम संदेश डेस्क

देश के तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा है कि भारत में वोट चोरी जैसा कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों का भी हल होना चाहिए. सोमवार को कोयंबटूर में इंडिया टुडे कॉन्क्लेव साउथ में पहुंचे तीन पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, अशोक लवासा और ओपी रावत ने विपक्ष की ओर से लगाए गए वोट चोरी के आरोप खारिज किए.कहा, देश में चुनाव काफी हद तक स्वतंत्र और निष्पक्ष होते हैं.

राहुल गांधी के आरोप और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की सख्त प्रतिक्रिया, इस सवाल पर कहा कि वह विपक्ष के नेता भी हैं. राहुल कोई मुद्दा उठा रहे हैं, तो उसके पीछे लाखों लोगों की आवाज है. तीनों पूर्व आयुक्तों ने कहा, चुनाव आयोग को जांच कराकर फैक्ट जनता के सामने रखना चाहिए. पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा कि चुनाव आयोग के सुपरविजन में वोटर लिस्ट तैयार होती है और लाखों लोग फील्ड में इसे तैयार करने के लिए काम करते हैं. किसी से गलती हो सकती है. अगर कोई ये कहे कि बिहार एसआईआर में 65 लाख लोगों के नाम आपने काटे. क्यों काटे, हलफनामा दीजिए और अगर कोई गलत हुआ तो आपराधिक मुकदमा चलेगा. फिर ये ठीक नहीं है.

तीनों पूर्व आयुक्तों ने कहा कि आरोप आयोग के ही डेटा को लेकर लगे हैं. किसी पर हमला बोलने, हलफनामा मांगने की बजाय आयोग को चाहिए कि अपने डेटा की जांच कर स्थिति स्पष्ट कर दे. अशोक लवासा ने कहा कि चुनाव निष्पक्ष होते हैं, पिछले रिकॉर्ड ये साबित करेंगे. उन्होंने कहा, वोट चोरी की जहां तक बात है, किसी के पास यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि किसने किसे वोट दिया. मुझे नहीं पता कि इसकी व्याख्या कैसे की जाए. उन्होंने कहा कि मुद्दा चुनाव आयोग की ईमानदारी का है. ओपी रावत ने वोट चोरी के आरोप को राजनीतिक बयान बताया और कहा कि चुनावी मौसम में अक्सर ऐसी बयानबाजियां होती हैं.

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों की जीत के लिए हर मुमकिन कोशिश वाली रणनीति का ही यह भी हिस्सा है. विवाद सुलझाने का सबसे आम रास्ता चुनाव है. रावत ने कहा कि चुनाव के दौरान कुछ नहीं होगा और सब सुचारू रूप से चलेगा, यह उम्मीद करना बहुत ज्यादा होगा. उन्होंने कहा, चीजें होंगी, चुनाव शोर मचाएंगे. ऐसी टिप्पणियों को इसी भावना से लें. रावत ने कहा कि भारत के चुनाव गोल्ड स्टैंडर्ड माने जाते हैं. कई लोकतंत्र इसे सबसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और भरोसेमंद प्रक्रिया के रूप में सराहते हैं. पूर्व मुख्य आयुक्त एसवाई कुरैशी ने निष्पक्ष चुनाव के लिए साफ वोटर लिस्ट की जरूरत पर जोर दिया. यह भी कहा,वोटर लिस्ट पर चिंता जायज है. जब तक ये साफ-सुथरी व सटीक नहीं होगी, चुनाव विश्वसनीय नहीं माने जा सकते. कुरैशी ने यह भी जोड़ा कि एक अरब से ज्यादा वोटर हैं. ज्यादातर चीजें सटीक चलती हैं, लेकिन कुछ मुद्दे प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं. हमें इस बारे में चिंतित होना होगा.

बिहार में एसआईआर का आइडिया सही, लेकिन टाइमिंग गलत

तीनों पूर्व चुनाव आयुक्तों ने बिहार में एसआईआर के आइडिया को सही बताया, लेकिन इसकी टाइमिंग पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट का ऑडिट समझ आता है, लेकिन चुनाव से ठीक पहले ऐसा होना, नहीं समझ आता. ओपी रावत ने कहा कि लोगों से 11 दस्तावेजों में से कोई एक जमा करने के लिए कहा गया. इससे संसाधन विहीन लोगों पर बोझ पड़ने का खतरा है. उन्होंने कहा, जब बाढ़ और भारी मॉनसूनी बारिश तबाही मचा रहे हैं, गरीब आजीविका का जुगाड़ करेंगे या दस्तावेज लाने के लिए एक से दूसरे दफ्तर के चक्कर लगाएंगे? उन्होंने कहा कि एसआईआर 10, 15 या 20 साल बाद होता है. आखिरी बार साल 2003 में एसआईआर हुआ था. उन्होंने एसआईआर पर उठते सवालों पर कहा कि चुनाव करीब होते हैं, तब काल्पनिक मुद्दे बढ़ जाते हैं. रावत ने कहा, आयोग पहले अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में डुप्लिकेट प्रविष्टियों का पता लगाने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करता था. ईआरओ-नेट सिस्टम से फोटो और जनसांख्यिकीय विवरण का मिलान होता था. डुप्लिकेट प्रविष्टि पर वोटरों के खिलाफ एक्शन लेने की बजाय उनको नोटिस भेजकर इसकी जानकारी देने के लिए कहा जाता था कि वे कहां के वोटर रहना चाहते हैं. जिससे अन्य क्षेत्रों की वोटर लिस्ट से उनका हटाया जा सके.

राहत की खबर: बिहार में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

आधार वोटर आईडी के लिए वैध पर नागरिकता के लिए न मानें

एजेंसियां। नयी दिल्ली

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कि एसआईआर में पहचान के उद्देश्य से आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज़ के रूप में माना जाए. मतदाता सूची में किसी मतदाता को शामिल / बहिष्कृत करने के उद्देश्य से किसी व्यक्ति की पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड को भी ध्यान में रखा जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण में मतदाता की पहचान के लिए आधार को दस्तावेज मानने पर विचार करने को कहा. लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है. चुनाव आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा, 7.24 करोड़ में से 99.6 प्रतिशत ने पहले ही दस्तावेज़ जमा कर दिए हैं. पिछले आदेश में 65 लाख लोगों के लिए आधार की अनुमति दी गई थी. अब उनके लिए किसी भी याचिकाकर्ता ने यह नहीं बताया है कि बड़ी संख्या में लोगों को गलत तरीके से बाहर रखा गया है. मामले की अगली सुनवाई अगले सोमवार यानी 15 सितंबर को होगी.

99.6% ने पहले ही दस्तावेज़ जमा कर दिए : इससे पहले याचिकाकर्ताओं ने कहा, पैरा लीगल वालंटियर की नियुक्ति की जानी थी, लेकिन उनकी नियुक्ति नहीं हुई. चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि वे अवैध प्रवासियों के लिए ऐसा चाहते हैं. जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कोई नहीं चाहता कि अवैध प्रवासी मतदाता सूची में शामिल हों. चुनाव आयोग के मुताबिक, बिहार के 99.6% नागरिकों ने पहले ही 11 सूचीबद्ध दस्तावेजों में से एक पेश किया है. चुनाव आयोग के अनुसार, 7.24 करोड़ में से 99.6 प्रतिशत ने पहले ही दस्तावेज़ जमा कर दिए हैं. पिछले आदेश में 65 लाख लोगों के लिए आधार की अनुमति दी गई थी. अब उनके लिए किसी भी याचिकाकर्ता ने यह नहीं बताया है कि बड़ी संख्या में लोगों को गलत तरीके से बाहर रखा गया है.

आधार कार्ड को भी माना जाए 12वां वैध दस्तावेज

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अकेले आधार को भी 11 मान्य दस्तावेजों के बराबर माना जाए.
- कोर्ट ने कहा कि आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए.
- कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग आधार का सत्यापन कर सकता है (कि आधार सही या नहीं).
- जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम साफ कर दे रहे हैं कि आधार सिर्फ निवास के प्रमाण के लिए है न कि नागरिकता तय करने के लिए.
- अवैध प्रवासियों को अनुमति देने के लिए नहीं कह रहे
- जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, कोई भी अवैध प्रवासियों को अनुमति देने के लिए नहीं कह रहा है. हम जानते हैं कि आधार पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं. मान लीजिए कि यह बारहवां दस्तावेज़ है तो इसमें क्या समस्या है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संशोधित मतदाता सूची प्रक्रिया में शामिल या बहिष्कृत लोगों की पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से आधार अधिनियम 2016 के तहत जारी आधार को स्वीकार किया जाएगा और इसे 12वें दस्तावेज के रूप में माना जाएगा.

चुनाव आयोग ने इन दस्तावेजों को दी मान्यता

- 1. केंद्र, राज्य सरकार एवं सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत कर्मियों के पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश
- 2. एक जुलाई 1987 के पूर्व सरकारी, स्थानीय प्राधिकार, बैंक, पोस्टऑफिस, एलआईसी एवं पब्लिक सेक्टर उपक्रमों से जारी आईकार्ड, दस्तावेज
- 3. सक्षम प्राधिकार से जारी जन्म प्रमाणपत्र
- 4. पासपोर्ट
- 5. मान्यता प्राप्त बोर्ड, विश्वविद्यालय से जारी मैट्रिक व अन्य शैक्षिक प्रमाणपत्र
- 6. स्थायी आवासीय प्रमाणपत्र
- 7. वन अधिकार प्रमाणपत्र
- 8. सक्षम प्राधिकार द्वारा जारी ओबीसी/एससी/एसटी जाति प्रमाणपत्र
- 9. राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां उपलब्ध हो)
- 10. राज्य/स्थानीय प्राधिकार द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर
- 11. सरकार का कोई भूमि/मकान आवंटन प्रमाणपत्र

राजद ने लगाए ये आरोप

राजद और अन्य याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि आधार कार्ड दिखाने पर लोगों को मतदाता सूची में शामिल किया जाए. इन याचिकाओं पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आदेश जारी किया. राजद की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दावा किया कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद बूथ लेवल अधिकारी आधार कार्ड को स्वीकार नहीं कर रहे थे. सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग ने अपने अधिकारियों को इस बारे में निर्देश जारी नहीं किए.

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलील

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि बीएलओ नागरिकता तय नहीं करते. इसलिए आधार को पहचान के तौर पर स्वीकार किया जाना चाहिए, ताकि योग्य लोगों को वोट का अधिकार मिल सके. सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश के बावजूद बीएलओ केवल 11 दस्तावेज़ों को ही मान रहे. आदेश की अवमानना कर रहे हैं.

चुनाव आयोग का पक्ष : आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कोर्ट को बताया कि 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.6% लोगों ने आवश्यक दस्तावेज़ जमा कर दिए हैं. केवल 65 लाख लोगों ने आधार दिया है. आधार को डिजिटल रूप से अपलोड किया जा सकता है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है. आयोग ने यह भी कहा कि 0.3% लोग अवैध प्रवासी पाए गए, जिन्हें लिस्ट में शामिल करना संभव नहीं.

जजों की टिप्पणियां : जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कानून साफ है-आधार एक आधिकारिक दस्तावेज़ है. आयोग इसे शामिल करेगा और इसकी सत्यता की जांच करेगा.जस्टिस बागची ने कहा कि पासपोर्ट और जन्म प्रमाणपत्र के अलावा कोई दस्तावेज़ निर्णायक नागरिकता प्रमाण नहीं है. आधार को पहचान के तौर पर शामिल करना जरूरी है. कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति सिर्फ आधार कार्ड के साथ आवेदन करता है, तो आयोग उसकी गुणवत्ता और वास्तविकता की जांच कर सकता है.

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन के खिलाफ कई शहरों में फैला जेन-जेड विद्रोह, कर्फ्यू लागू

संसद में घुसे प्रदर्शनकारी, तोड़फोड़ आगजनी, 20 की मौत, 250 घायल

एजेंसियां। काठमांडू

नेपाल की राजधानी काठमांडू की सड़कों पर सोमवार को जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला. हजारों की संख्या में जेन-जेड लड़के और लड़कियां सड़कों पर उतर आए. प्रदर्शनकारी नेपाल के संसद परिसर में घुस गए. इसे देखते हुए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछार की. ये प्रदर्शनकारी नेपाल में सोशल मीडिया बैन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं. इसके मद्देनजर काठमांडू में कर्फ्यू लगा दिया गया है. सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. नेपाल में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुए झड़प में लगातार मौत के आंकड़े में भी इजाफा हो रहा है. अब तक मौत का आंकड़ा 20 तक पहुंच चुका है. जबकि 250 से अधिक लोग घायल हुए हैं.

नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया पर क्यों लगाया बैन : बता दें कि नेपाल सरकार ने चार सितंबर को फेसबुक, एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया है क्योंकि इन प्लेटफॉर्म्स ने नेपाल सरकार के साथ रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था. सरकार ने 2024 में एक नया कानून लागू किया था, जिसके तहत सभी सोशल मीडिया कंपनियों को नेपाल में ऑपरेशन के लिए स्थानीय कार्यालय स्थापित करना जरूरी है और टैक्सपेयर के रूप में पंजीकरण करना अनिवार्य था. इस नियम का पालन नहीं करने पर सरकार ने यह कदम उठाया है. इसके पीछे सरकार का तर्क है कि सोशल मीडिया पर अनियंत्रित कंटेंट जैसे फर्जी खबरें, उकसाने वाले कंटेंट और अवैध गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए यह जरूरी था. हालांकि, इस फैसले की व्यापक आलोचना हुई है क्योंकि इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला माना जा रहा है. कई लोगों का मानना है कि यह प्रतिबंध राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शनों और सरकार विरोधी भावनाओं को दबाने का प्रयास हो सकता है, जो हाल के महीनों में बढ़े हैं. नेपाल सरकार के द्वारा फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप और यूट्यूब जैसे 26 सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने से नाराज युवाओं ने आठ सितंबर से जेन-जेड रिवोल्यूशन के नाम से प्रदर्शन शुरू किया है. बता दें कि प्रधानमंत्री केपी ओली की सरकार ने चार सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, वॉट्सऐप, रेडिट और एक्स जैसे 26 सोशल मीडिया ऐप्स पर बैन लगा दिया था. सरकार ने कहा है कि सोशल मीडिया पर लगा ये बैन तभी हटेगा, जब ये कंपनियां नेपाल में अपना ऑफिस खोल लें, सरकार के समक्ष पंजीकरण कराएं और गड़बड़ी रोकने के लिए सिस्टम बनाएं. नेपाल में अब तक सिर्फ टिकटॉक, वाइबर, निम्बज, विटक और पोपो लाइव ने ही कंपनी रजिस्ट्रार ऑफिस में रजिस्ट्रेशन कराया है.

ओली सरकार के खिलाफ खुला विद्रोह

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ काठमांडू के विभिन्न शहरों में यह जेन-जेड रिवोल्यूशन शुरू हुआ है. इस दौरान प्रदर्शनकारी संसद भवन में घुए गए. पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए आंसू गैस के गोले दागे. देश की नई युवा पीढ़ी के द्वारा सरकार के द्वारा सोशल मीडिया बैन किए जाने से लेकर भ्रष्टाचार तक के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है. इस प्रदर्शन में हजारों युवा सड़क पर यात्रा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिखाई दिए. प्रदर्शन के दौरान सरकार ने घंटों तक फोन और इंटरनेट सेवाएं बाधित कर दी थी. काठमांडू के मेयर ने युवाओं के इस प्रोटेस्ट को अपना समर्थन पहले ही दे दिया है. वहीं, पीएम ओली का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि युवाओं को ये पता होगा कि कानून का उल्लंघन करने का क्या खामियाजा भुगतना पड़ता है.

प्रोटेस्ट एक नजर में

- अब तक 20 लोगों की मौत हुई है. 250 से अधिक लोग घायल.
- संसद भवन के बाहर गोलीबारी. कई प्रदर्शनकारी गोली लगने से घायल हैं. पोखरा-इटहरी में भी गोली चली. पोखरा में पथराव.
- तोड़फोड़ करने वाले को देखते ही गोली मारने के आदेश.
- प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 2 के पास आग लगा दी.
- काठमांडू में जेन-जेड प्रोटेस्ट के उग्र होने के बाद नेपाली सेना की तैनाती के आदेश दिए गए हैं.

गृह मंत्री का इस्तीफा

नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने हिंसक प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के बाद जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. एक मंत्री ने कहा कि लेखक ने शाम की कैबिनेट बैठक के दौरान पीएम ओली को अपना इस्तीफा सौंप दिया. लेखक ने पद छोड़ने के नैतिक आधारों का हवाला देते हुए कहा कि वह इस तरह की त्रासदी के बाद पद पर बने नहीं रह सकते. इससे पहले उन्होंने अपने साथियों सूचित किया था कि वह अपने पद पर नहीं रहेंगे.

बड़ा फैसला : सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की सीएम रेवंत के खिलाफ भाजपा की याचिका, कहा

आप राजनेता हैं, तो आपको मोटी चमड़ी रखनी ही चाहिए

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भाजपा तेलंगाना की ओर से राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ दायर याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया. इस याचिका में रेवंत रेड्डी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों के मामले को रद्द करने के तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी.

2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा था कि अगर भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो वह आरक्षण समाप्त कर देगी. चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोमवार को यह कहते हुए मामले को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत को राजनीतिक लड़ाई लड़ने के मंच में नहीं बदला जाना चाहिए. मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, 'यदि आप एक राजनेता हैं, तो आपके पास इन सब चीजों को सहने के लिए मोटी चमड़ी होनी चाहिए.

शीर्ष कोर्ट ने कहा

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है. पीठ ने कहा, 'हम बार-बार कह रहे हैं कि इस अदालत का इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई के लिए न करें. खारिज. अगर आप एक राजनेता हैं, तो आपको मोटी चमड़ी रखनी चाहिए.'

याचिका में क्या आरोप : भाजपा की तेलंगाना इकाई (जिसका प्रतिनिधित्व उसके महासचिव कर रहे थे) ने मई 2024 में रेड्डी के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने पार्टी के खिलाफ अपमानजनक और भड़काऊ भाषण दिया था. दावा किया गया कि सीएम रेड्डी ने तेलंगाना कांग्रेस के साथ मिलकर एक फर्जी और संदिग्ध राजनीतिक कहानी गढ़ी कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो वह आरक्षण खत्म कर देगी. शिकायतकर्ता ने दावा किया कि कथित मानहानिकारक भाषण ने एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है.

निचली अदालत में क्या हुआ था : एक निचली अदालत ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि रेड्डी के खिलाफ तत्कालीन भारतीय दंड संहिता और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125 के तहत मानहानि के कथित अपराधों के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है. अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में विभिन्न वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित है. रेड्डी ने निचली अदालत के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी और तर्क दिया कि शिकायत में लगाए गए आरोप उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनाते. उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक भाषणों को मानहानि का विषय नहीं बनाया जा सकता.

हाईकोर्ट ने क्या कहा था : हाईकोर्ट ने टिप्पणी की, भले ही यह यह स्वीकार कर लें कि शिकायतकर्ता भाजपा की राष्ट्रीय इकाई का सदस्य है. फिर भी प्राधिकरण के अभाव में शिकायत विचारणीय नहीं है. यह न तो शिकायतकर्ता और न ही उसके प्रतिनिधि को भाजपा की राष्ट्रीय इकाई की ओर से शिकायत दर्ज करने के लिए अधिकृत किया गया था. हाईकोर्ट ने कहा, राजनीतिक भाषणों को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है. यह आरोप लगाना कि ऐसे भाषण मानहानिकारक हैं, एक और अतिशयोक्ति है. रेड्डी की याचिका स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश और मामले से संबंधित कार्यवाही को रद्द कर दिया.

भारत ने बेल्जियम कोर्ट को बताया मेहुल चौकसी कहां और कैसे रहेगा

नयी दिल्ली। भारत ने मेहुल चौकसी को पीएनबी के 12,000 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में देश लाने के लिए बेल्जियम से प्रत्यर्पण की मांग की है. इसमें भोजन, 24 घंटे मेडिकल सेवा और स्वच्छता जैसी चीजें शामिल हैं. चौकसी अप्रैल में बेल्जियम में पकड़ा गया था. उसके वकीलों का कहना है कि उसे कैंसर है, इसलिए हिरासत में रखना मुश्किल हो सकता है.

गृह मंत्रालय ने बताया कि चौकसी को मुंबई के आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा. जेल की सुविधाओं में मोटा कॉटन का गद्दा, तकिया, चादर और कंबल शामिल होंगे. मेडिकल जरूरत पड़ने पर धातु या लकड़ी का बिस्तर भी दिया जा सकता है. मुंबई का मौसम गर्म-नमी वाला है, इसलिए सेल में हीटिंग की जरूरत नहीं है. भोजन तीन बार दिया जाएगा और विशेष डाइट की जरूरतों को मेडिकल मंजूरी के बाद पूरा किया जाएगा.

नए उपराष्ट्रपति का फैसला आज

सीपी राधाकृष्णन व बी रेड्डी के बीच चुनावी जंग

शुभम संदेश डेस्क

भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को चुनाव हैं. एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के बीच यह मुकाबला 'दक्षिण बनाम दक्षिण' की जंग हो गया है.राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं, जबकि रेड्डी तेलंगाना से. मतदान 10 बजे से 5 बजे तक चलेगा, जिसमें लोस और रास के सभी सदस्य वोट डालेंगे. मतगणना शाम 6 बजे शुरू हो जाएगी. कुल निर्वाचक मंडल में 786 सदस्य हैं, जिसमें रास के 233 निर्वाचित (5 रिक्त), 12 मनोनीत और लोकसभा के 543 निर्वाचित (1 रिक्त) शामिल हैं. जीत के लिए 394 वोटों की जरूरत है.

नंबर गेम में एनडीए की इंडिया पर बढ़त : गणित एनडीए के पक्ष में है. लोकसभा की 542 सदस्यीय सदन में एनडीए को 293 सदस्यों का समर्थन है. राज्यसभा में 245 सदस्यीय सदन में एनडीए को 129 सदस्यों का साथ मिला है. कुल एनडीए के पास 422 वोट हैं. वहीं, इंडिया ब्लॉक के पास 300 वोट हैं. वाईएसआरसीपी के 11 वोट एनडीए को मिलेंगे. बीजेडी और बीआरएस अलग रहेंगे. 18 सांसदों का रुख अनिश्चित है, जो क्रॉस-वोटिंग की संभावना पैदा करता है.

मंत्री दीपक बिरुवा ने बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया नमन

रांची/चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित गुवा गोलीकांड शहादत दिवस पर राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा ने बलिदानियों की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस दौरान उन्होंने बलिदानियों के शिलापट पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मंत्री बिरुवा ने कहा कि गुवा गोलीकांड के शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा. उनके संघर्ष और त्याग ने समाज को न्याय और अधिकार की लड़ाई के लिए प्रेरित किया है. उन्होंने कहा कि सरकार बलिदानियों के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके परिवारों के हितों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के सदस्य मौजूद रहे. सभी ने शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी.

परंपरा : टाना भगत अतिथिगृह, बनहोरा (रांची) में हुआ पड़हा पदाधिकारियों का चयन

पड़हा बेल राजू उरांव, देवान चुने गए जनार्दन

शुभम संदेश। रांची

आदिवासियों की प्राचीन पड़हा व्यवस्था, जो उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और न्यायिक जीवन-शैली का प्रमुख आधार रही है, को आगे बढ़ाने और राज्य स्तर पर सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए टाना भगत अतिथिगृह, बनहोरा (रांची) के सभागार में एक अति महत्वपूर्ण चुनाव बैठक आयोजित की गई.

इस बैठक में नये पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया. इस चुनाव बैठक में राजी देवान बसंत कुमार भगत की गरिमामयी उपस्थिति और डॉ. नारायण भगत की कुशल अध्यक्षता में पूरे संयम और समझदारी से कार्यवाही संपन्न की गई.

पदाधिकारियों का चयन बैठक में सर्वसम्मति से चयन : बेल : राजू उरांव, देवान : जनार्दन टाना भगत, उप देवान : जयराम उरांव, रकम उर्वश : एतवा उरांव, उप रकम उर्वश : सुरेश टाना भगत, कहतो : जगरनाथ भगत, उप कहतो : सुकरू उरांव, कोटवार : इन्द्रदेव उरांव, पंच : पवित्रा टाना भगत, विशेष सलाहकार समिति के अध्यक्ष : विश्वनाथ उरांव.

विशेष उपस्थिति : कार्यक्रम में रानी सिनगी दई महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सतमनी भगत समेत अनेक प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इनमें द्रौपदी भगत, अंजना भगत, पुष्पा उरांव, फौदा उरांव, देवराम उरांव, राजबेल उरांव, महेन्द्र टाना भगत, चूंया कुजूर, कुलदीप खलखो, सुदर्शन भगत, सोनो मिंज, गौरी उरांव, ललित उरांव, रामजीत टाना भगत, पवन टाना भगत, अमित भगत, फिरू भगत, कार्तिक लोहरा, राजू लोहरा और लोहरा उरांव विशेष उल्लेखनीय हैं.

उत्साह और संकल्प : कार्यक्रम में उमड़ी भारी भीड़ ने यह संदेश दिया कि आज भी पड़हा व्यवस्था आदिवासी समाज के लिए परंपरा और पहचान का प्रतीक है. उपस्थित लोगों ने नवचयनित पदाधिकारियों को हर्षोल्लास के साथ पुष्पगुच्छ प्रदान कर शुभकामनाएं दीं और उनसे अपेक्षा जताई कि वे अपने समाज, संस्कृति और न्यायिक परंपराओं को संरक्षण एवं सशक्त बनाने की दिशा में सार्थक योगदान देंगे.

निर्णय

- समस्त नवचयनित पदाधिकारियों का शपथ-ग्रहण सितंबर को पावन भूमि चिंगरी, बिशुनपुर में किया जाएगा.
- रानी सिनगी दई महिला संगठन, झारखंड की राज्य स्तरीय समिति का गठन 25 सितंबर 2025 को किया जाएगा.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में चीफ रेसिडेंट एग्जीक्यूटिव, टाटा स्टील संजय मोहन श्रीवास्तव ने मुलाकात की. मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी.

एक नजर

गुवा गोलीकांड के शहीदों को कुणाल षाडंगी और विधायक दशरथ गगराई ने दी श्रद्धांजलि

रांची । झारखंड आंदोलन के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज गुवा गोलीकांड की बरसी पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता व पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी ने शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. इस मौके पर उनके साथ खरसावां के विधायक दशरथ गगराई भी मौजूद रहे. इस अवसर पर कुणाल षाडंगी ने कहा कि 8 सितंबर 1980 को गुवा में हुई गोलीबारी में कई निर्दोष शहीद हुए थे. उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, बल्कि उसी ने झारखंड आंदोलन की आग को और तेज किया और राज्य निर्माण की दिशा में मजबूत आधार तैयार किया. उन्होंने कहा कि गुवा गोलीकांड झारखंड की अस्मिता और अधिकार की लड़ाई का प्रतीक है. शहीदों के बलिदान ने ही हमें संघर्ष की शक्ति दी. अब हमारा कर्तव्य है कि उनके सपनों का झारखंड बनाएं. एक ऐसा राज्य जहां न्याय, समानता और युवाओं को अवसर मिले. विधायक दशरथ गगराई ने कहा कि यह बलिदान झारखंड की आत्मा में बसा हुआ है. आने वाली पीढ़ियां इन्हें प्रेरणा स्रोत के रूप में देखेंगी. झारखंड मुक्ति मोर्चा हमेशा शहीदों और उनके परिवारों के सम्मान के लिए समर्पित रहेगा. इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिन्होंने शहीदों को याद करते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया.

हॉकी एशिया कप 2025 : चौथी बार चैंपियन बनी टीम इंडिया, सीएम हेमंत ने कहा- शानदार!

रांची। हॉकी एशिया कप 2025 के फाइनल में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया. बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए खिताबी मुकाबले में टीम इंडिया ने पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर एशिया कप पर कब्जा जमाया. इस जीत के साथ भारत ने न केवल चौथी बार एशिया कप का ताज अपने नाम किया, बल्कि 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले हॉकी विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया. टीम इंडिया की इस जीत ने दर्शकों का उत्साह दोगुना कर दिया. फाइनल में जिस तरह भारतीय खिलाड़ियों ने कोरिया पर दबदबा बनाया, उसने इस खिताब को और भी खास बना दिया. जीत के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया को बधाई देते हुए लिखा- शानदार #टीमइंडिया! एशिया कप हॉकी के फाइनल में कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब जीतने वाली टीम इंडिया को बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं और जोहार.

आदिवासी संगठनों ने राज्यपाल से की सूर्या हांसदा हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने की मांग

रांची। झारखंड के विभिन्न आदिवासी संगठनों के पदाधिकारियों ने सोमवार को मुख्य पाहन (पुजारी) जगलाल पाहन के नेतृत्व में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की और उनसे आदिवासी नेता सूर्या नारायण हांसदा की संदिग्ध मुठभेड़ में हुई मौत की जांच सीबीआई से कराने समेत पांच मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा. राज्यपाल के समक्ष रखी गई पांच मांगों में सूर्या हत्याकांड की सीबीआई/न्यायिक जांच कराने, दोषी पुलिस अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई किए जाने, पीड़ित परिवार की सुरक्षा और फर्जी मुकदमों को वापस लेने, बच्चों की शिक्षा और परिवार के लिए जीविकोपार्जन की व्यवस्था करने तथा परिजनों को पर्याप्त आर्थिक मुआवजा दिलाने जैसी बातें शामिल हैं. ज्ञापन सौंपने के बाद मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने कहा कि विगत 10 अगस्त 2025 को गोड्डा पुलिस प्रशासन ने सूर्या हांसदा की हत्या को मुठभेड़ बताकर पेश किया, जबकि यह एक योजनाबद्ध फर्जी मुठभेड़ थी. उन्होंने कहा कि हांसदा लगातार आदिवासियों के हक व अधिकार, भूमि सुरक्षा, शिक्षा और शोषण के खिलाफ आवाज उठाते रहे, जिससे घबराकर उन्हें साजिश के तहत मौत के घाट उतारा गया. ज्ञापन सौंपने वालों में जगलाल पाहन, बबलू मुंडा, आरती कुजूर, संदीप उरांव, रवि मुंडा, रितेश उरांव, बिरसा पहान, रंजीत उरांव, सत्यदेव मुंडा, सोनी हेमरोम, मुकेश भगत समेत कई अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे.

क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय बैठक में शामिल हुए झारखंड के सदस्य

शुभम संदेश। रांची

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राजस्थान स्थित जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सोमवार को महासभा के झारखंड प्रतिनिधिमंडल सदस्य शामिल हुए. इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बीनू सिंह ने कहा कि समाज को संगठनात्मक रूप से मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि आनेवाली पीढ़ियों तक सांस्कृतिक धरोहर सुरक्षित रह सके. वहीं झारखंड के कार्यकारी अध्यक्ष ललन सिंह ने युवाओं से महासभा की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया. उन्होंने बताया कि देशभर से आए प्रतिनिधियों ने संगठन के विस्तार, समाज की एकता और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई.

बैठक में प्रतिनिधियों ने शिक्षा प्रसार, युवाओं के नेतृत्व विकास और नई पीढ़ी को परंपरागत मूल्यों से जोड़ने पर बल दिया. इस दौरान मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर रहे. जबकि इस अवसर पर पोकरण विधायक सह तारातरा मठ के महंत प्रतापपुरी महाराज, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय सिंह परिहार सहित अनेक राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल हुए.

वहीं, क्षत्रिय महासभा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह के नेतृत्व में शामिल प्रतिनिधिमंडल सदस्यों में प्रदेश महामंत्री सूरज देव सिंह, प्रदेश युवा अध्यक्ष डॉ. आदर्श कुमार और सर्वेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे. यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है.

मानगो बनेगा पुलिस अनुमंडल, उच्चस्तरीय समिति ने दी स्वीकृति, मुख्य सचिव ने कहा

कानून व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए सभी जिलों का करें आकलन

शुभम संदेश। रांची

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रस्ताव पर जमशेदपुर के मानगो को नया पुलिस अनुमंडल बनाने के लिए सोमवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति ने स्वीकृति प्रदान की. वहीं मुख्य सचिव ने डीजीपी को निर्देश दिया कि विधि व्यवस्था के कुशल संधारण के लिए राज्य के तमाम जिलों की जरूरतों का आकलन कराएं. उन्होंने कहा कि इससे हमारे पास जिलों के अपराध ग्राफ, उसके ट्रेंड आदि के साथ वर्तमान संसाधन और क्या करने की आवश्यकता है, इसका समुचित डाटा मिलेगा. वहीं अपराधों की रोकथाम के लिए बेहतर ढंग से संसाधनों का बंटवारा भी सुनिश्चित हो सकेगा.

मालूम हो कि पूर्वी सिंहभूम में पहले से जमशेदपुर (मुख्यालय) और पटमदा पुलिस अनुमंडल वजूद में हैं. लेकिन, उत्क्रमित थाना, मानगो एवं आजादनगर तथा ओलीडीह ओपी का क्षेत्रफल, जनसंख्या और उसके घनत्व के साथ विविध प्रकृति के अपराधों में वृद्धि देखने को मिल रही थी. गृह सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि मानगो में आर्थिक अपराध, नारकोटिक्स से जुड़े मामले तथा अन्य प्रकृति के कांडों पर नकेल कसने के लिए उसे पुलिस अनुमंडल बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है. राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि पुलिस अनुमंडल जमशेदपुर (मुख्यालय) और पटमदा से जुड़े उत्क्रमित थाना, मानगो एवं आजादनगर तथा ओलीडीह ओपी को काट कर मानगो पुलिस अनुमंडल अस्तित्व में आएगा. मानगो पुलिस अनुमंडल निर्माण को लेकर वित्त सचिव श्री प्रशांत कुमार और कार्मिक सचिव श्री प्रवीण टोप्पो ने अपने-अपने विभाग से जुड़े मसलों को रखा और उच्चस्तरीय समिति से अनुमोदन प्राप्त किया. मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न उच्चस्तरीय समिति की बैठक में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव चंद्रशेखर, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन और आईजी श्री नरेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित थे.

स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे बोकारो सदर अस्पताल, बोले

यह झारखंड का दूसरा सबसे अच्छा हॉस्पिटल

बोकारो/रांची । स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सोमवार को अचानक बोकारो सदर अस्पताल का निरीक्षण किया. व्यवस्थाओं से संतुष्ट होकर उन्होंने इसे कोडरमा सदर अस्पताल के बाद झारखंड का दूसरा सबसे अच्छा अस्पताल बताया. मंत्री ने कहा कि यहां रोजाना 5-6 ऑपरेशन होते हैं और बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं. डॉ. अंसारी ने घोषणा की कि जल्द ही बोकारो सदर अस्पताल में सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा शुरू की जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों में बढ़ते डिप्रेशन और आत्महत्या के मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन और सिविल सर्जन के साथ मिलकर एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा. उन्होंने मोबाइल की लत और नशे को इस समस्या की प्रमुख वजह बताया.

डॉक्टरों को संसाधन और सुरक्षा का आश्वासन : मंत्री ने डॉक्टरों से अस्पताल की जरूरतों की सूची तैयार करने को कहा और भरोसा दिलाया कि सरकार हर जरूरी संसाधन उपलब्ध कराएगी. साथ ही, उन्होंने आम जनता से अपील की कि डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार न करें, क्योंकि इससे इलाज में बाधा आती है. स्वास्थ्य मंत्री ने विपक्ष को आगाह करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति न की जाए. उन्होंने दोहराया कि सरकार बोकारो सदर अस्पताल को और बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है.

झारखंड विधानसभा अध्यक्ष ने किया "अंबेडकरवादियों के चार धाम" पुस्तक का लोकार्पण

रांची । झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और पूर्व प्रमंडलीय आयुक्त (दक्षिणी छोटानागपुर) दशरथ चंद्र दास की पुस्तक "अंबेडकरवादियों के चार धाम" का लोकार्पण किया. इस अवसर पर उदय शंकर सिंह, विकास कुमार मुंडा, निर्मल महतो एवं प्रभारी सचिव, झारखंड विधानसभा भी उपस्थित रहे. देवघर जिले के जयंती ग्राम निवासी दास ने प्रशासनिक सेवा के दौरान कई कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया. वे डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय की स्थापना में देवघर व रांची में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं.पुस्तक में उन्होंने डॉ. अंबेडकर के जन्मस्थल महू, बड़ौदा की संकल्प भूमि, नागपुर की दीक्षा भूमि और मुंबई की चैत्य भूमि को "चार पवित्र धाम" बताया है. साथ ही, अंबेडकर की शिक्षा, दलित समाज की स्थिति, सामाजिक-आर्थिक लोकतंत्र और गोलमेज सम्मेलन जैसे विषयों पर ऐतिहासिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है. लेखक ने यह पुस्तक अपने माता-पिता स्व. तारकेश्वरी देवी और स्व. तालेवर प्रसाद दास को समर्पित की है.

टाटानगर सहित कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

रांची/जमशेदपुर। आद्रा रेल मंडल में विकास कार्यों के कारण यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सोमवार से पूर्व मध्य रेलवे ने कई ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी बदलाव किए हैं. इसमें टाटानगर आने-जाने वाली ट्रेनों को प्राथमिकता देते हुए कैंसिलेशन, शॉर्ट टर्मिनेशन, री-शेड्यूलिंग और डायवर्सन जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं. टाटानगर से जुड़ी 68056 टाटा–आसनसोल मेमू पैसेंजर 9 सितंबर को रद्द रहेगी. इसी तरह 68055 आसनसोल–टाटा मेमू पैसेंजर को 9 सितंबर को आद्रा तक ही चलाया जाएगा, जिससे आद्रा से टाटा नगर तक की सेवा रद्द रहेगी. इसके अलावा 18184 बक्सर–टाटा एक्सप्रेस को 12 और 14 सितंबर को 90 मिनट विलंब से चलाया जाएगा. वहीं 18601 टाटा–हटिया एक्सप्रेस को 9, 10 और 13 सितंबर को अपने निर्धारित मार्ग की बजाय चांडिल–गोंदा बराज–मुरी होकर डायवर्ट किया जाएगा. इसके अतिरिक्त आद्रा रेल मंडल की अन्य ट्रेनों में भी बदलाव किए गए हैं. 68077/68078 आद्रा–वारिया मेमू पैसेंजर तथा 68046/68045 आसनसोल–आद्रा मेमू पैसेंजर 12 और 14 सितंबर को रद्द रहेंगी. 13503/13504 बर्धमान–हटिया मेमू एक्सप्रेस को 9, 11, 12 और 14 सितंबर को गोमो से शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा.

राजीव प्रताप रूडी ने कहा-अहंकारी हैं निशिकांत दुबे, संसद में शो चलाते हैं

शुभम संदेश। रांची

भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने अपनी पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. रूडी ने अपने आरोपों में न्निशिकांत दुबे को अहंकारी बताया और कहा कि दुबे संसद में अपनी 'सरकार' चलाते हैं और वह उनकी सरकार का हिस्सा नहीं हैं. रूडी ने न्यूज लांड्री के लिए श्रीनिवासन जैन को दिए इंटरव्यू में आगे कहा है कि निशिकांत दुबे खुद को इतना महत्वपूर्ण मानते हैं कि पार्टी और संसद की हर गितिविधि उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है. वह संसद में शो चलाते हैं, अपनी अलग सरकार की तरह काम करते हैं और रूडी स्वयं उस सरकार का हिस्सा नहीं हैं. रूडी ने दावा किया कि पिछले माह हुई कंस्टीच्यूशन क्लब के चुनाव में निशिकांत दुबे उनके खिलाफ सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे थे, ताकि वह चुनाव न जीत पाएं. इसके लिए निशिकांत दुबे ने मीडिया में उनके व अन्य नेताओं के खिलाफ गलत सूचनाएं फैलायीं. राजीव प्रताप रूडी ने अपने इंटरव्यू में यह आरोप भी लगाया कि निशिकांत दुबे की वजह से पार्टी के भीतर अंदरूनी विवाद, नेताओं में निजी प्रतिद्वंदिता और खेमेबाजी को बढ़ावा मिला है. राजीव प्रताप रूडी के आरोपों पर निशिकांत दुबे ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. लेकिन रूडी की बातों ने भाजपा के भीतर के कलह और अनुशासन को सामने ला दिया है. सांसद राजीव प्रताप रूडी और सांसद निशिकांत दुबे के बीच पिछले माह कंस्टीच्यूशन क्लब के चुनाव के वक्त विवाद सतह पर आ गया था. राजीव प्रताप रूडी क्लब का चुनाव लड़ रहे थे और निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ बालियान को उम्मीदवार बना दिया था. माना यह भी जा रहा था कि बालियान को अमित शाह का भी समर्थन हासिल था. क्लब के चुनाव में बालियान हार गए और राजीव प्रताप रूडी सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ के सांसदों के समर्थन से चुनाव जीत गए.

झारखंड में हुआ डीएमएफटी फंड घोटाला, सीएम सीबीआई जांच कराएं

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बड़ा आरोप लगायै है. उन्होंने कहा है कि झारखंड में डीएमएफटी फंड घोटाला हुआ है और इसके सरगना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं. उन्होंने डीएमएफटी फंड को अपना एटीएम समझ लिया है और अधिकारियों को माल निकालने में लगा दिया है. प्रदेश बीजेपी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने दावा किया कि झारखंड में डीएमएफटी फंड घोटाला हुआ है. बाबूलाल ने कहा अगर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद को पाक-साफ बताना चाहते हैं तो इस घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा करें.

बाबूलाल मरांडी का मुख्यमंत्री पर बड़ा आरोप

बोकारो में डीएमएफटी फंड में गड़बड़ी का खुलासा : बाबूलाल ने कहा कि आज तो वे एक बोकारो जिला में हुई लूट का खुलासा कर रहे, लेकिन इस प्रकार की लूट पूरे प्रदेश में हुई है, जिसकी जांच जरूरी है. तभी सारे लूट उजागर होंगे. कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लंबा राजनीतिक सामाजिक जीवन रहा है. उन्होंने खनन क्षेत्र में निवास करने वाले गरीबों,जरूरतमंदों की समस्याओं को बहुत नजदीक से देखा और अनुभव किया है. इसलिए प्रधानमंत्री बनते ही खनिज उत्खनन वाले जिलों के लिए डीएमएफ टी फंड की व्यवस्था की, जिससे संबंधित जिला में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके, लेकिन राज्य में प्रधानमंत्री के ऐसे कल्याणकारी सोच को धरातल पर नहीं उतारते हुए पैसों की लूट मची है.

कई कंपनियों के जरिये फंड लूटा गया : बाबूलाल मरांडी ने बोकारो जिला में वित्तीय वर्ष 2024-25 और 25-26 का उल्लेख करते हुए कहा कि इन वित्तीय वर्षों में बोकारो के लिए 631 करोड़ रुपए का डीएमएफटी फंड मिला. कई कंपनियों के माध्यम से इस फंड की लूट जिला प्रशासन के द्वारा की गई.

सरकार पर आरोप लगाने का बाबूलाल को कोई नैतिक अधिकार नहीं : विनोद पांडेय

शुभम संदेश।रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा नेताओं का काम अब केवल झूठ, दुष्प्रचार और बेबुनियाद आरोपों तक सीमित हो गया है. जब वे खुद सत्ता में थे, तब उन्होंने डीएमएफटी फंड और खनन क्षेत्र से मिलने वाले संसाधनों का किस प्रकार दुरुपयोग किया, यह झारखंड की जनता अच्छी तरह जानती है.उन्होंने कहा कि डीएमएफटी का गठन ही खनन प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय जनता के हितों के लिए किया गया था,

भाजपा के भ्रष्टाचारियों को पहले आइना दिखाएं

लेकिन भाजपा की पूर्ववर्ती रघुवर सरकार के कार्यकाल में इस फंड का सबसे दुरुपयोग हुआ. उस समय पंचायतों और गांवों में पारदर्शिता तो छोड़िए, एक भी योजना धरातल पर नजर नहीं आई. खनन कंपनियों से मिलीभगत कर भाजपा के नेताओं ने फंड की लूट मचाई. विनोद पांडेय ने कहा कि आज जब हेमंत सोरेन की सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ खनन प्रभावित इलाकों में स्कूल, आंगनबाड़ी, सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं पर काम कर रही है, तब भाजपा को यह रास नहीं आ रहा है. भाजपा का काम सिर्फ़ सवाल उठाना है, लेकिन जब केंद्र सरकार से झारखंड को न्याय की मांग की जाती है, तब वही भाजपा खामोश हो जाती है. उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी यह बताएं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार ने झारखंड के डीएमएफटी फंड के उपयोग को लेकर कभी कोई सहयोग क्यों नहीं किया? क्यों खनन कंपनियों के पक्ष में ढेरों छूट दी गईं और राज्य के हिस्से की लाखों करोड़ों की रकम रोकी गई? भाजपा को बताना चाहिए कि जब वे सत्ता में थे, तब खनन प्रभावित परिवारों को कितनी राहत मिली? झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार जनता के लिए प्रतिबद्ध है और भाजपा चाहे जितने आरोप लगाए, सच्चाई यही है कि भाजपा भ्रष्टाचार की जननी है. जिनके नेता खुद घोटालों में जेल जा रहे हैं, उन्हें झारखंड की ईमानदार सरकार पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है. विनोद पांडेय ने स्पष्ट किया कि भाजपा का उद्देश्य जनता की भलाई नहीं बल्कि राजनीतिक साजिश रचना है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 09 सितंबर 2025 । आश्विन कृष्ण पक्ष 02, संवत 2082 । रांची एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3, अंक : 153 । मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

नदी में डूब कर पोस्ट ऑफिस कर्मी की मौत

शुभम संदेश । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के सोमरा गांव की नदी में नहाने के दौरान रविवार को लोटापहाड़ पोस्ट ऑफिस में कार्यरत सहायक डाक पोस्ट मास्टर श्रीहरि की मौत हो गई. तेलंगाना निवासी श्रीहरि अपने कुछ साथियों के साथ नहाने पहुंचे थे, लेकिन गहरे पानी और तेज बहाव में फंसकर उनकी जान चली गई. जानकारी के अनुसार, श्रीहरि रविवार शाम करीब चार बजे अपने दोस्तों के साथ बाईपी पंचायत अंतर्गत इचाकुटी और सोमरा गांव के बीच बने पुल के नीचे नदी में नहा रहे थे. इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चले गए. साथी युवकों ने शोर मचाकर ग्रामीणों को सूचना दी और उन्हें बचाने की कोशिश भी की, लेकिन नदी का तेज बहाव उनके लिए घातक साबित हुआ. स्थानीय लोग और पोस्ट ऑफिस के अन्य कर्मचारी देर रात तक नदी में उनकी तलाश करते रहे. आखिरकार सोमवार सुबह करीब दस बजे शव नदी से बरामद हुआ. घटना की खबर मिलते ही चक्रधरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने मृतक के परिजनों को मामले की सूचना दे दी है.

पलामू: शहीद जवान के परिवार से मिले वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

दो करोड़ की सहायता और नौकरी का किया ऐलान

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

पलामू के मनातू मुठभेड़ में शहीद हुए हैदरनगर क्षेत्र के दो वीर सपूतों-बरेवा गांव के संतन मेहता और परता के सुनील राम के परिजनों से सोमवार को झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने बलिदान हुए दोनों जवानों को नमन करते हुए परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया.

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार और बैंक के बीच हुए समझौते के तहत प्रत्येक शहीद परिवार को एक-एक करोड़ रुपये, और सरकारी सेवाओं के तहत एक-एक करोड़ यानी कुल

दो करोड़ रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी. शहीद संतन मेहता की पत्नी सरिता देवी, जो स्नातक उत्तीर्ण हैं. उनको विभाग में लिपिक पद पर नौकरी दी जाएगी. उन्होंने घोषणा की कि बरेवा मेन रोड से श्मशान घाट तक सड़क का निर्माण कराया जाएगा और गांव में बलिदान संतन मेहता का स्मारक भी बनाया जाएगा. वहीं, परता गांव जाकर उन्होंने शहीद सुनील राम के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें भी सभी सरकारी लाभ शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया.

वित्त मंत्री ने कहा कि बलिदान हुए जवानों ने नक्सलियों से लोहा लेते हुए अपने प्राणों की आहुति देकर न केवल पलामू बल्कि पूरे झारखंड का नाम रोशन किया है. उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी. उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी घोषणाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए. मनातू मुठभेड़ में बलिदान हुए दोनों जवानों की याद में सोमवार को भी पूरे हुसैनाबाद और आसपास के क्षेत्रों में गम और गर्व का माहौल रहा. लोग अब भी अपने वीर सपूतों की शहादत को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि तीन सितम्बर की देर रात टीएसपीएस के जोनल कमांडर और 10 लाख के ईनामी उग्रवादी शशिकांत गंझू को पकड़ने मनातू के केदल गांव गई पुलिस टीम पर उग्रवादियों ने हमला कर दिया था, जिसमें जिला पुलिस बल के दो जवान शहीद हो गए थे, जबकि एक जख्मी हो गया था.

ब्रीफ न्यूज

युवक का शव पेड़ से लटका मिला, जांच में जुटी पुलिस

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा थाना क्षेत्र के हतनाबुरु गांव में सोमवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई. गांव के ही 20 वर्षीय युवक सुखराम हांसदा का शव कटहल के पेड़ से फंदे पर लटकता हुआ पाया गया. इस दृश्य को देखते ही पूरे गांव में सन्नाटा फैल गया. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि मामला खुदकुशी का हो सकता है, हालांकि परिजनों और गांव के अन्य लोगों में इस घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं. अचानक हुई इस घटना ने सभी को हैरान कर दिया है. सूचना मिलते ही छोटानागरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

युवक पर धारदार हथियार से हमला, गंभीर

जमशेदपुर। कदमा थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर दो में रविवार देर रात एक युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया गया. मस्जिद के पास घात लगाए बैठे हमलावरों ने स्थानीय निवासी मसूद इकबाल को निशाना बनाया. गंभीर रूप से घायल मसूद को तत्काल परिजन टीएमएच अस्पताल ले गए, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. घटना के बारे में मसूद की मां नाजनी परवीन ने बताया कि उनका बेटा साकची में कार पेंटिंग का काम करता है. ईद से दो दिन पहले उसका विवाद बस्ती के ही कुछ युवकों से हुआ था. इस मामले में कदमा थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी. परिजनों का आरोप है कि वही युवक लगातार मामला उठाने का दबाव बना रहे थे. रविवार रात जब मसूद काम से लौट रहा था, तभी हमलावरों ने उसके पीठ, कंधे और पेट पर धारदार हथियार से वार कर दिया और मौके से फरार हो गए. आसपास के लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद घायल मसूद को अस्पताल पहुंचाया गया. फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपित युवकों की तलाश में छापेमारी कर रही है.

रांचीवासियों को जल्द मिलेगा तीन नए फ्लाईओवर का तोहफा

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रस्तावित हरमू (सहजानंद चौक)–एसीबी कार्यालय, अरगोड़ा चौक–कटहल मोड़ एवं करम टोली चौक से साइंस सिटी तक बनने वाले फ्लाईओवर निर्माण परियोजना से संबंधित प्रजेंटेशन की समीक्षा की

शुभम संदेश । रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित रांची शहर के तीन महत्वपूर्ण फ्लाईओवर के कार्य योजना एवं उक्त के डिजाइन से संबंधित प्रेजेंटेशन पर पथ निर्माण विभाग के वरीय अधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया. मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित हरमू (सहजानंद चौक) से एसीबी कार्यालय तक बनने वाले फ्लाईओवर परियोजना का विस्तृत प्रेजेंटेशन देखा.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि हरमू फ्लाईओवर का निर्माण ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. हरमू बाईपास रोड पर अक्सर लगने वाले जाम से लोगों को काफी परेशानी होती है. इस फ्लाईओवर के निर्माण से लोगों को

आवागमन में काफी सुविधा होगी और उनका समय भी बचेगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस फ्लाईओवर को रातू रोड फ्लाईओवर से जोड़ें ताकि आमजनमानस को आवागमन में सुविधा हो सके. मुख्यमंत्री के समक्ष पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से यह जानकारी दी कि प्रस्तावित हरमू (सहजानंद चौक) से एसीबी कार्यालय तक बनने वाले फ्लाईओवर परियोजना का टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर लिया गया है. अरगोड़ा चौक-कटहल मोड़ एवं करम टोली चौक-साइंस सिटी फ्लाईओवर परियोजना का डीपीआर बनाते हुए कार्य योजना को मूर्त रूप दें.

मुख्यमंत्री सोरेन ने अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ एवं करम टोली चौक से साइंस सिटी तक बनने वाले फ्लाईओवर निर्माण परियोजना से संबंधित प्रेजेंटेशन की विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की एवं इन फ्लाईओवर की महत्ता को देखते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी अधिकारियों को दिए. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जल्द उक्त फ्लाईओवर निर्माण हेतु एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए डीपीआर तैयार की जाए तथा इस परियोजना को मूर्त रूप देने की दिशा में अग्रतर कार्यवाही करें. मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित फ्लाईओवर अरगोड़ा चौक के ऊपर गोलचक्कर (रोटरी) बनाने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि अरगोड़ा चौक में गोलचक्कर निर्माण से कई महत्वपूर्ण सड़कें आपस में कनेक्ट हो जाएंगी जिससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी. मुख्यमंत्री ने करम टोली चौक से साइंस सिटी तक एलिवेटेड फ्लाईओवर (4 लेन) परियोजना का प्रेजेंटेशन देखा. उक्त फ्लाईओवर निर्माण तथा प्रस्तावित डॉक्टर्स कॉलोनी से हिल व्यू बरियातू रोड तक सड़क निर्माण योजना पर भी अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया. मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रस्तावित उक्त सभी फ्लाईओवर निर्माण कार्य परियोजना एवं इससे जुड़ी डिजाइन में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर इन परियोजनाओं को मूर्त रूप देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है, अतएव सभी कार्य पूरी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ किए जाएं.

मौके पर पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, अभियंता प्रमुख, पथ निर्माण विभाग प्रवीण भेंगरा, मुख्य अभियंता विजय रंजन एवं कंसल्टेंट कंपनी स्पर्श इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के सुधीर कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

नगर निगम के 400 से अधिक कर्मियों ने किया कार्य बहिष्कार, तीन महीने से नहीं मिला है वेतन

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

तीन महीने से वेतन भुगतान नहीं होने के कारण नगर निगम के 400 से अधिक विभिन्न स्तर के कर्मियों ने सोमवार से कार्य बहिष्कार कर दिया है. अपनी मांगों पर जोर डालने के लिए सभी कर्मचारियों ने सुबह 8 बजे कार्यालय के पास प्रदर्शन किया और जल्द भुगतान की मांग की. सारे कर्मी हाजिरी बनायेंगे, लेकिन कार्य नहीं करेंगे. कार्य बहिष्कार को लेकर झारखंड लोकल बॉडिज इम्प्लाइज फेडरेशन की मेदिनीनगर इकाई से जुड़े सारे कर्मी सुबह एकत्रित हुए और छहमुहान स्थित कार्यालय और समाहरणालय स्थित नगर निगम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया.

कर्मियों ने कहा कि गत एक जून से नगर आयुक्त की पदस्थापना नहीं हुई है. ऐसे में वेतन भुगतान का मामला लंबित है. कई स्तरों पर वेतन भुगतान की मांग करने पर कोई पहल नहीं होने के कारण निगमकर्मियों ने खुद को काम से अलग करने का निर्णय लिया. इकाई के अध्यक्ष बिशुन राम चन्द्रवंशी ने कहा कि नगर आयुक्त के नहीं रहने के कारण भुगतान पर असर पड़ा है. सभी स्तर के कर्मियों की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गयी है. एक सितंबर को सहायक नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर 7 सितंबर तक वेतन भुगतान की मांग की थी. तय समय में कोई निर्णय नहीं हुआ. ऐसे में सारे कर्मी कार्य पर उपस्थित रहते हुए वेतन भुगतान नहीं होने तक कोई कार्य नहीं करेंगे. मौके पर सारे कर्मियों ने मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की और भुगतान जल्द करने का आग्रह किया.

मंत्री इरफान अंसारी को फिर जान से मारने की मिली धमकी

बहुत जल्द उड़ा देंगे

शुभम संदेश । रांची

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है. रविवार की देर रात करीब 12 बजे एक अज्ञात मोबाइल नंबर 7005758247 से कॉल कर मंत्री को धमकी दी गई. जिस समय इरफान अंसारी को कॉल करके धमकी दी गई वो उस समय बोकारो के सर्किट हाउस में रुके थे, जहां वे आधिकारिक कार्यक्रमों के सिलसिले में पहुंचे थे. धमकी देने वाले ने अपशब्दों का प्रयोग करते हुए

हत्या की धमकी दी. मंत्री को कहा कि तुम बस इंतजार करो. तुम्हें बहुत जल्द उड़ा देंगे. मंत्री ने पुलिस को इस मामले की जानकारी दी है. इसके बाद पुलिस अलर्ट मोड में है और पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है. मोबाइल का लोकेशन को ट्रेस किया जा रहा है.

पहले भी मिली थी धमकी : उल्लेखनीय है कि इससे पहले 27 अगस्त को झारखंड के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी को जान से मारने की धमकी देने का वीडियो वायरल होने पर गिरिडीह पुलिस ने एक्शन लिया था और आरोपित युवक को छापेमारी कर बिहार के पटना से गिरफ्तार किया था. पुलिस ने लोकेशन के आधार पर आरोपित अंकित मिश्रा को गिरफ्तार किया था.

बंद खदान में युवक ने की खुदकुशी

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पड़वा स्थित सेंट्रल कोलफील्डस लिमिटेड (सीसीएल) की बंद पड़ी राजहरा कोलियरी में एक युवक का शव फंदे से लटका हुआ पुलिस ने बरामद किया है. मृतक की पहचान राजहरा कोठी गांव निवासी संजू चौहान उर्फ राजा (26) के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि युवक ने वर्षों से खड़ी एक बंद शावेल मशीन पर फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली. राजहरा कोलियरी बीते 15 वर्षों से बंद पड़ी है, लेकिन सीसीएल प्रबंधन की ओर से इस खदान की सुरक्षा की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है. न सुरक्षा कर्मी तैनात हैं और न ही कोई गार्ड. लावारिस पड़ी खदान में आए दिन लोगों का आना-जाना लगा रहता है. स्थानीय लोगों का कहना है कि खदान में सैकड़ों फीट गहराई तक पानी भरा हुआ है, जहां अक्सर छोटे-छोटे बच्चे नहाते और तैरते देखे जाते हैं. इससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है. इसके बावजूद प्रबंधन पूरी तरह उदासीन बना हुआ है. ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि खदान में सुरक्षा व्यवस्था सख्त की जाए, ताकि भविष्य में अनहोनी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके. घटना की जानकारी मिलते हैं पड़वा थाना की टीम मौके पर पहुंची. शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेज दिया है. मामले में छानबीन की जा रही है. पड़वा थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया की घटना सोमवार सुबह की है.

शराबी पति ने पत्नी की बेरहमी से की हत्या, आरोपी हिरासत में

शुभम संदेश । धनबाद

झरिया के सुदामडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत पाथरडीह पांडे बस्ती गुलगुलिया पट्टी में बीती रात शराबी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी पति उमेश गुलगुलिया को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है.

लाठी-डंडे से पीटा और गला दबाकर हत्या कर दी: घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार की रात शराब के नशे में धुत उमेश गुलगुलिया ने अपनी पत्नी सोनिया देवी की लाठी-डंडे से पिटाई की. इसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी. घटना की जानकारी सोमवार की सुबह मृतका के परिजनों ने सुदामडीह थाना को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची

और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेज दिया गया. फिलहाल पुलिस ने मृतका के परिजनों के बयान पर आरोपी पति उमेश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है.

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों की होगी पुष्टि : पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी. वहीं घटना के संबंध में आरोपी उमेश ने पुलिस को बताया कि वह रविवार रात लगभग 8 बजे काम से घर लौटा तो पत्नी घर पर नहीं थी. करीब 10 बजे सोनिया देवी घर लौटी तो उसने गुस्से में उसकी पिटाई कर दी. इसके बाद दोनों खाना खाकर सो गए. सोमवार सुबह करीब तीन बजे उसने पत्नी को मृत पाया.

परिजनों का आरोप-नशे में पत्नी के साथ करता था मारपीट : वहीं मृतका के परिजनों का आरोप है कि उमेश शराब के नशे में अक्सर सोनिया के साथ मारपीट करता था. उन्होंने बताया कि रविवार देर रात भी उसने बेरहमी से लाठी-डंडे से पिटाई की और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी.

सड़क हादसे में कक्षा नौवीं के छात्र की मौत, दूसरा घायल

लातेहार। रांची-मेदिनीगनर एनएच-75 पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में कक्षा नौवीं के एक छात्र की मौके पर ही मोत हो गयी. जबकि दूसरा छात्र गंभीर रूप से घायल है. घटना चंदवा थाना क्षेत्र के चिरो मोड़ के पास घटी है.

बाइक से स्कूल जाने के दौरान हुआ हादसा : घटना के संबंध में बताया जाता है कि राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय के छात्र पीयुष सिंह व कुलेश्वर सिंह एक बाइक से स्कूल जा रहे थे. इसी दौरान रांची की ओर से आ रही एक कार से उनकी जोरदार टक्कर हो गयी. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार व बाइक दोनों का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. इस दुर्घटना में पीयुष सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि स्थानीय लोगों की मदद से कुलेश्वर सिंह को चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया.

हादसे के बाद कार चालक फरार : बताया जाता है कि कार में लातेहार के एक बैंक के कर्मी सवार थे, जो दुर्घटना के बाद फरार हो गये. पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है. पीयुष के पिता ने बताया कि उनके किसी रिश्तेदार ने अपनी बाइक उनके घर में छोड़ी थी, जिसे लेकर दोनो स्कूल जा रहे थे. इस हादसे के बाद इलाके में मातम का माहौल है.

नेपाल से आई महिला ने गोड्डा के व्यक्ति पर लगाए गंभीर आरोप

शादी कर ऐंठे लाखों रुपए, न्याय की लगाई गुहार

शुभम संदेश । गोड्डा

गोड्डा जिले के ठाकुरगंगटी प्रखंड से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां के आलोक उर्फ़ अलख कुमार पर एक नेपाल मूल की महिला ने प्रेम, धोखाधड़ी और शारीरिक शोषण का गंभीर आरोप लगाया है. महिला का दावा है कि साल 2017 में दोनों ने दिल्ली के मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की थी. शादी के बाद दोनों दुबई तक साथ रहे और कई बार नेपाल स्थित पीड़िता के घर भी गये.

आरोप है कि आलोक ने पत्नी से न सिर्फ़ भावनात्मक रिश्ता निभाया बल्कि मोबाइल की दुकान खोलने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठे. पीड़िता

का कहना है कि उसने आलोक को करीब 25 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद की. महिला ने बताया कि वह दुर्गा पूजा और छठ जैसे अवसरों पर पति के घर आती-जाती रही और कई महीनों तक ससुराल में भी रही. लेकिन जून 2024 में अचानक मामला पलट गया. आरोप है कि आलोक ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में दूसरी शादी रचा ली और पीड़िता से सारे संबंध तोड़ दिए. महिला का कहना है कि जब उसने संपर्क करने की कोशिश की तो आलोक ने अपना मोबाइल तक बंद कर लिया. हताश और आहत पीड़िता आखिरकार गोड्डा जिला के अधिकारियों के पास पहुंची और पति पर जीवन से खिलवाड़ करने, धोखाधड़ी और शारीरिक शोषण का गंभीर आरोप लगाया.

इस संबंध में थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह ने कहा है कि महिला के लिखित आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है. इधर, रविवार को साहिबगंज जिला के मंडरो प्रखंड के कला-संस्कृति भवन में आयोजित जिला अध्यक्ष चयन बैठक में मौजूद ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के सामने भी महिला ने अपनी आपबीती सुनाई. मंत्री ने पीड़िता की बातें ध्यान से सुनीं और भरोसा दिलाया कि – आपको न्याय जरूर मिलेगा। जिसने आपके साथ गलत किया है, वह सलाखों के पीछे होगा.

डायन प्रथा सहित अन्य कुप्रथाओं के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया

शुभम संदेश । जमशेदपुर

आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से सोमवार को छोटा गदरा पंचायत में लोगों को संबोधित करते हुए डायन प्रथा, बलि प्रथा और ओझा-गुनी जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया. संघ के प्रतिनिधि सुनील आनंद ने कहा कि आज भी समाज में अंधविश्वास गहराई से जकड़ा हुआ है, जिसके कारण लोग अपने जीवन को बर्बाद कर रहे हैं.

उन्होंने बताया कि तंत्र-मंत्र से किसी की हत्या या नुकसान नहीं किया जा सकता. यह केवल मानव कल्याण और आध्यात्मिक उत्थान के लिए है. मंत्र जाप से मानसिक और आत्मिक शक्ति बढ़ती है, जबकि हत्या या अनिष्ट करने की कोई शक्ति इसमें नहीं होती. तंत्र का अर्थ है तरण और

मुक्ति—जिस पथ पर चलकर मनुष्य परमात्मा का अनुभव करता है. तंत्र के दो स्वरूप होते हैं—विद्या तंत्र और अविद्या तंत्र. इसे सबसे पहले भगवान सदाशिव ने बताया.

सुनील आनंद ने कहा कि डायन प्रथा और बलि प्रथा को खत्म करने के लिए समाज को वैज्ञानिक, व्यावहारिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से जागरूक करना जरूरी है. इन विषयों को शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बनाना होगा, तभी समाज सही मायने में सुधर पाएगा. उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर स्थित परम चेतना को भक्ति और साधना के माध्यम से पहचानना चाहिए. परमात्मा मां और शिशु के समान संबंध रखते हैं. वह सभी के कल्याणकारी हैं—चाहे मित्र हों या शत्रु. इसलिए बलि देना या डायन बताकर किसी को प्रताड़ित करना पूरी तरह गलत है. यह अर्धविकसित समाज की मानसिक बीमारी है, जिसे भक्ति और आत्मबल से ही दूर किया जा सकता है.

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ओझा-गुनी या झाड़-फूंक के चक्कर में फंसना व्यर्थ है. किसी को भी तंत्र-मंत्र से नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता.

रांची में सीआईआई-आईजीबीसी के 32वें चैप्टर का शुभारंभ, राजीव चड्ढा चेयरमैन और पीयूष मोर बने को-चेयरमैन

आईजीबीसी रांची चैप्टर का शुभारंभ शहरी विकास के लिए बड़ा कदमः सुनील कुमार

शुभम संदेश। रांची

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) ने रांची में अपने 32वें चैप्टर का शुभारंभ किया. यह झारखंड का पहला चैप्टर है. आईजीबीसी रांची चैप्टर का चेयरमैन आर्किटेक्ट राजीव चड्ढा और को-चेयरमैन पंचरत्ना ग्रुप के निदेशक पीयूष मोर बनाया गया है. होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि आईजीबीसी रांची चैप्टर का शुभारंभ झारखंड के शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. राज्य तेजी से विकास कर रहा है और यह आवश्यक है कि हमारे शहर सतत, संसाधन-कुशल और जलवायु-लचीले हो. झारखंड सरकार एक ऐसी नीति और नियामक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो ग्रीन बिल्डिंग निर्माण को प्रोत्साहित करे, निर्माण सामग्री और तकनीकों में नवाचार को बढ़ावा दे एवं हमारे नागरिकों की भलाई को प्राथमिकता दे. हम कुछ सरकारी भवनों को ग्रीन सर्टिफिकेशन के तहत लाने के साथ-साथ छोटे प्रोजेक्ट्स और किफायती आवास योजनाओं को भी इस दायरे में शामिल करेंगे.

आईजीबीसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सी शेखर रेड्डी ने कहा कि रांची चैप्टर का गठन आईजीबीसी के राष्ट्रव्यापी हरित और नेट-जीरो भवन अभियान में एक और मील का पत्थर है. झारखंड के रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और सतत निर्माण न केवल पर्यावरणीय आवश्यकता है बल्कि एक रणनीतिक अवसर भी है. आईजीबीसी रांची चैप्टर के चेयरमैन राजीव चड्ढा ने कि यह चैप्टर रांची और झारखंड के लिए परिवर्तनकारी यात्रा की नींव है. हमारा उद्देश्य है कि ग्रीन बिल्डिंग को सामान्य प्रथा बनाया जाए और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ, टिकाऊ और समृद्ध भविष्य तैयार किया जाए. को-चेयरमैन पीयूष मोर ने कहा कि ग्रीन बिल्डिंग का मतलब है कम संसाधन खर्च कर अधिक मूल्य सृजित करना. आईजीबीसी रांची चैप्टर एक सपोर्ट सिस्टम और नवाचार केंद्र की भूमिका निभाएगा, जो डेवलपर्स, आर्किटेक्ट्स और सभी साझेदारों को इस हरित बदलाव की यात्रा में मार्गदर्शन देगा.

कार्यक्रम में क्रेडाई के अध्यक्ष कुमुद झा, सीआईआई झारखंड के सदस्य संजय मोहन श्रीवास्तव, सीआईआई आईजीबीसी के एम आनंद ने अपने विचार रखे. वहीं, पैनल चर्चा पैनल चर्चा में लोकल आकांक्षाएं और झारखंड के हरित भविष्य की राह" विषय पर जेरेडा, क्रेडाई झारखंड, आईआईए झारखंड और बीआईटी मेसरा के विशेषज्ञों ने भाग लिया. तकनीकी सत्र में "ग्रीन बिल्डिंग मैटेरियल्स, टेक्नोलॉजी और सॉल्यूशंस" विषय पर सेंट गोबेन, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और एसीएस ग्रीन कंसल्टिंग के विशेषज्ञों ने ऊर्जा-कुशल ग्लेज़िंग, ग्रीन स्टील, लो-कार्बन सीमेंट और आईजीबीसी सर्टिफिकेशन पर प्रेजेंटेशन दिए.

एक नजर

बीसीआई प्लेटिनम की मासिक बैठक में राजेश अग्रवाल अध्यक्ष और रोहन साहा सचिव चुने गए

रांची। बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआई) प्लेटिनम की मासिक बैठक कांके रोड स्थित होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित हुई. बैठक की अध्यक्षता बीसीआई प्लेटिनम के अध्यक्ष डॉ. सजीत कुमार ने की. उन्होंने बीते माह के कारोबार की समीक्षा करते हुए संतोष जताया कि सदस्यों के आपसी सहयोग से व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है. उन्होंने बीसीआई ऐप के माध्यम से रेफरल बढ़ाने और व्यापार का दायरा विस्तारित करने पर जोर दिया. बैठक में एक अक्टूबर से प्रभावी नए पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया. राजेश अग्रवाल को अध्यक्ष, जूली कुमारी को उपाध्यक्ष, रोहन साहा को सचिव और अमर बाजोरिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया. वर्तमान निदेशक और मेंटर किशोर मंत्री ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि रेफरल देने वाले सदस्यों को उचित मूल्य पर गुणवत्ता वाला उत्पाद ग्राहकों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए.

पलक नैयर बनीं रोटरैक्ट क्लब ऑफ जिनिया की नई अध्यक्ष, शौर्यारंभ समारोह में ली शपथ

रांची। रोटरैक्ट क्लब ऑफ़ ज़िनिया ने अपने चौथे इंस्टॉलेशन सेरेमनी 'शौर्यारंभ' का भव्य आयोजन किया, जिसमें रोटरैक्टर पलक नैयर को क्लब की नई अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया. पूर्व अध्यक्ष रोटरैक्टर सलोनी अरोड़ा ने औपचारिक रूप से उन्हें जिम्मेदारी सौंपी.मुख्य अतिथि रोटरी क्लब ऑफ़ रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष पलक नैयर सहित पूरे बोर्ड को शपथ दिलाई. विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटरी क्लब की सचिव डॉ. भावना तनेजा, तमाल भट्टाचार्य और रोटेरियन हरमिंदर सिंह मौजूद रहे. क्लब की नई बोर्ड टीम में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं, सचिवः स्वीतम राज, ओम चौरेसिया, सताक्शी मित्र, रसप्रीत कौर, जय गाबा, मयंक कुमार झा, रिया मिश्रा, शिवम सिन्हा, आफ़िया आलम, मुजाहिद ज़मान, तरनजीत सिंह, आदित्य पांडे, सोनिया कुमारी शामिल किए गए. समारोह में क्लब ने वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, पशु-पक्षियों के संरक्षण एवं कल्याण और फेलोशिप के विस्तार का संकल्प लिया. कार्यक्रम में ज़ोन 3 के ज़ेडआरआर मयंक चौधरी, रोटरैक्ट क्लब ऑफ यूनाइटेड तन्मय, तरण व गुनगुन और ज़िनिया द वॉयस ऑफ़ चाइल्ड एनजीओ के संस्थापक कुणाल और शुभम भी उपस्थित रहे.

अग्रवाल फुटसल लीग टूर्नामेंट में एमवायएम सुपरस्टार्स बना विजेता

रांची। अग्रवाल युवा सभा, रांची की ओर से ए-स्क्वायर क्लब, कांके रोड में अग्रवाल फुटबॉल लीग सीजन-2 टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. इसमें आठ टीमों के 56 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. प्रतियोगिता में 12 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और एक रोमांचक फाइनल मुकाबला खेला गया. फुटबॉल लीग सीजन-2 टूर्नामेंट के फाइनल में एमवायएम सुपरस्टार्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया, जबकि टर्मीनेटर्स टीम उपविजेता रही. अग्रवाल युवा सभा के प्रवक्ता अरुण पोद्दार और मीडिया प्रभारी सुमित महालका ने बताया कि चेतन पोद्दार को सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर का गोल्डन बूट और विकास पोद्दार को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का गोल्डन ग्लव्स पुरस्कार दिया गया. इसके अलावा प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच से खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया. सभा अध्यक्ष रौनक झुनझुनवाला ने कहा कि इस तरह के खेल न केवल खिलाड़ियों को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में भाईचारा, सहयोग और टीम भावना को भी मजबूती देते हैं. उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया. खेलकूद प्रभारी आभाष बथवाल और विवेक लोहिया, साथ ही कार्यक्रम संयोजक अरुण पोद्दार, सौरव सरावगी और श्रेय जालान ने पूरे आयोजन को शानदार ढंग से संपन्न कराया. समापन समारोह में अग्रवाल सभा के मंत्री अनिल अग्रवाल, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ, आदित्य मल्होत्रा, रोहित पोद्दार, सुनील सरावगी, साहित्य पवन, पूजा ढाढा, अमित अग्रवाल और अनीश बुधिया समेत कई विशिष्ट लोग मौजूद रहे.

अंजुमन बचाओ मोर्चा की बैठक संपन्न, साफ छवि वाले प्रत्याशियों के चयन पर दिया जोर

रांची। रांची के मुसाफिर खाना में सोमवार को अंजुमन बचाओ मोर्चा की बैठक आयोजित हुई, जिसमें आगामी अंजुमन इस्लामिया चुनाव को लेकर अहम चर्चा की गई. बैठक में यह सहमति बनी कि बिरादरीयत से ऊपर उठकर ऐसे प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा जाए, जिनकी छवि साफ हो, जो समाज की सेवा के लिए समर्पित रहते हों और लोगों के बीच सक्रिय भूमिका निभाते हों. वक्ताओं ने कहा कि जनता अब भ्रष्ट और विवादित छवि वाले लोगों से दूरी बना रही है, ऐसे में संगठन की जिम्मेदारी है कि वह ईमानदार और निष्पक्ष उम्मीदवारों को समर्थन करे. उन्होंने यह भी कहा कि मरहूम रमज़ान कुरैशी हमेशा मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के सपनों के अनुरूप अंजुमन को मजबूत बनाने की बात करते थे. बैठक में यह प्रस्ताव भी पारित किया गया कि यदि निवर्तमान कमिटी तीन वर्षों का ऑडिट और हिसाब प्रस्तुत नहीं करती है, तो वक़्फ़ बोर्ड उसे डिपार (प्रतिबंधित) करे. दूसरा प्रस्ताव यह रहा कि संस्थापक सदस्यों के सहयोग से जल्द ही मोर्चा की कोर कमिटी का क्षेत्रवार विस्तार किया जाएगा. बैठक की अध्यक्षता हाजी मज़हर ने की, जबकि संचालन संयोजक मोख्तार अंसारी ने किया. बैठक में शोएब अंसारी, शम्स क़मर लड्डन, शमीम अंसारी, आफताब आलम, महफूज आलम, नौशाद खान, सज्जाद इदरीसी, तबरेज़ कुरैशी और इंतेखाब आलम प्रमुख रूप से मौजूद थे.

पूजा पंडालों को बिजली कनेक्शन लेना अनिवार्य

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने जारी किए निर्देश

शुभम संदेश। रांची

राजधानी में पूजा पंडालों की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है. इस बीच रांची डीसी ने पूजा पंडालों को बिजली का कनेक्शन लेना अब अनिवार्य कर दिया गया है. अनधिकृत रूप से बिजली जलाने पर वालों पर अब बड़ी कार्रवाई की जाएगी. ये निर्देश रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने दिए हैं. उन्होंने पंडालों में बिजली के तार की जांच करने व अनधिकृत कनेक्शन लेने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं. बता दें कि रांची में लगभग 200 से अधिक पंडाल बनाए जाते हैं. इनमें काफी कम संख्या में बिजली के वैध कनेक्शन लिए जाते हैं. हालांकि सभी पंडालों के लिए अस्थायी कनेक्शन लेना अब अनिवार्य है. प्रशासन के अनुसार दुर्गा पूजा में काफी संख्या में लोग पंडालों में जाते हैं. और सभी सुरक्षित रहें इसके लिए ही एहतियात बरते जा रहे हैं. कई बार कम गुणवत्ता वाले बिजली के तार, अवैध कनेक्शन और अन्य कारणों से बड़ी घटना होने की आशंका रहती है. इन्हीं कारणों से सभी पूजा पंडालों को वैध रूप से कनेक्शन लेने को कहा गया है. वहीं अधिकारियों को इसकी जांच के लिए भी कहा गया है.

हत्याकांड का खुलासा, मुख्य आरोपी सहित छह गिरफ्तार

रांची। राजधानी रांची के रातू थाना पुलिस ने रविवार देर शाम हुई हत्या मामले का खुलासा करते हुए शूटर सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपितों में मुख्य आरोपित कुणाल कुमार, बबलू गोप, लालमोहन कुमार, शूटर इमरोज अंसारी, विजय महतो और श्री चंद्र प्रजापति शामिल हैं. साथ ही घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया है. डीआईजी सह एसएसपी रांची चदंन कुमार सिन्हा ने बताया कि इस मामले में हत्याकांड को अंजाम दिलाने में शामिल मुख्य साजिशकर्ता सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है. उन्होंने बताया कि 12 घंटे के अंदर हत्याकांड का खुलासा करने के बाद रांची पुलिस गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ कर रही है. पूछताछ के बाद हत्या के पीछे की वजह भी सामने आ जाएगी. उल्लेखनीय है कि 7 सितंबर की देर शाम रवि कुमार नामक व्यक्ति की रातू थाना अंतर्गत झखरा टांड गांव में अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. वहीं, एक दूसरा व्यक्ति राजबल्लभ उर्फ बलमा घायल हो गया था.

विजयादशमी रावण दहन समिति शालीमार बाजार एचईसी का पुनर्गठन किया गया

दशहरे के मौके पर रावण, कुंभकर्ण एवं मेघनाद का पुतला दहन किया जाएगा

शुभम संदेश। रांची

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शालीमार बाजार एचईसी धुर्वा में धूमधाम से दशहरा का त्योहार मनाया जाएगा. दशहरा के मौके पर रावण, कुंभकर्ण एवं मेघनाद का पुतला दहन किया जाएगा. रांची का सबसे पुराना रावण दहन कार्यक्रम एक बार फिर इतिहास लिखने जा रहा है. रावण दहन सह दशहरा शालीमार बाजार में होने वाला विजयादशमी उत्सव न सिर्फ ऐतिहासिक होगा, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं का साक्षी बनेगा. राजीव गांधी वरिष्ठ नागरिक उद्यान बिरसा चौक में हुई बैठक में विजयादशमी रावण दहन समिति एचईसी का पुनर्गठन किया गया.

बैठक में सर्वसम्मति से मुख्य संरक्षक-आलोक कुमार दुबे, मुख्य सहयोगी - अभिषेक साहू, संरक्षक-सुनील यादव(सिंटू),परमेश्वर सिंह , संजय सिंह, उमेश यादव,श्रीमती नीतू देवी, अध्यक्ष- संजीत यादव, कार्यकारी अध्यक्ष- श्रवण कुमार, महासचिव- सौरव पांडेय, कोषाध्यक्ष- रवि शंकर (विक्की), उपाध्यक्ष- जितेंद्र सिंह, काजल भट्टाचार्य, कमलेश प्रसाद, राजेश यादव, सचिव- राहुल कुमार, राहुल तिवारी,अमित कुमार, सन्नी कुमार(मंटू), राजन ,सागर यादव,भीम यादव,मुन्ना तिर्की, संयुक्त सचिव - राजू चौरसिया,शालिनी शर्मा,ज्योति सिंह चौहान और कार्यकारिणी सदस्य-लालू राज यादव, लक्की यादव, अभिनव कुमार,रूबी गुप्ता, कविता देवी, सुभद्रा महली, सीमा गुप्ता, रेखा सांगा चुने गए.

समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने कहा रावण दहन असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है. इससे रोग, संकट,दोष और ग्रहों की विपरीत स्थिति से मुक्ति मिलती है. उन्होंने जिला प्रशासन से शालीमार बाजार के पास आयोजित होनेवाले रावण दहन समारोह के लिए व्यापक सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है. उन्होंने कहा एचईसी परिसर में रावण दहन का कार्यक्रम कई वर्षों से जो शोर से किया जाता रहा है.

समिति के अध्यक्ष संजीत यादव ने कहा रावण दहन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, लोहरदगा के विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांड सहाय सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों से मुलाकात कर आमंत्रित किया जाएगा.

फुटपाथ दुकानदारों ने नगर निगम का किया घेराव

- प्रशासक ने बुला कर की बात

शुभम संदेश। रांची

ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के बैनर तले फुटपाथ दुकानदार संघ के फुटपाथ दुकानदारों ने सोमवार को नगर निगम का घेराव किया. इसके बाद नगर निगम के प्रशासक ने उन्हें वार्ता के लिए बुलाया. मौके पर भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, फुटपाथ दुकानदार संघ के नेता संदीप कुमार वर्मा, विकास वर्मा के नेतृत्व में वार्ता हुई.

वार्ता के दौरान नेताओं ने संसद में पारित कानून के आधार पर और झारखंड में 2017 में स्ट्रीट वेंडर एक्ट के आधार पर दुकानदारों को सुविधा मुहैया कराने की मांग की. साथ ही पुराने वेंडिंग जोन के बदले नई वेंडिंग जोन,नई वेंडिंग कमेटी नई कमेटी की चुनाव की मांग की गई, जिसे नगर निगम प्रशासक ने माना. नेताओं ने कहा कि संवैधानिक मामलों में कानूनी प्रक्रिया के तहत लोगों को जगह-जगह पर शौचालय, पेयजल की व्यवस्था और स्टोरेज के निर्माण की मांग की गई. इसपर प्रशासक ने सहमति जताई. वहीं वार्ता के बाद कर्मियों को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि हमारी लड़ाई लंबी है, हमें मौखिक आश्वासन में नहीं चाहिए. रांची में 50 हजार से अधिक लोग फुटपाथ पर जीते हैं. शहर के 80 प्रतिशत लोगों को सस्ते दर पर समान मुहैया करते हैं, लेकिन बड़े-बड़े कारपोरेट घराने जो खुदरा व्यापार में अपने पूंजी लगाने के लिए आए हैं, उनके इशारे पर सरकार काम कर रही है. नगर निगम मोटी रकम वसूलने लगी है. फुटपाथ दुकानदारों को समाप्त करने की एक राजनीतिक साजिश को हमारी यूनियन फुटपाथ दुकानदार संघ नाकाम करेगी, आंदोलन को तेज करेगी, सारे संवैधानिक अधिकार को लेकर रहेगी. उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूर्ण रूप में संवैधानिक तरीके से नहीं पूरी की जाएगी तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा. कर्मियों की मुख्य मांगे गैरकानूनी बेदखली और पुलिसिया दुर्व्यवहार पर रोक लगाने, दुकानदारों को सर्वेक्षण कर प्रमाण पत्र देने, सभी वेंडिंग जोन में बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने, नई टीवीसी का गठन कर संवैधानिक अधिकार देना सहित अन्य हैं. मौके पर संतोष रजक, किरण कुमारी, नीरज सिंह,विजय वर्मा, कृष्ण वर्मा सहित हजारों लोग शामिल थे.

सांस्कृतिक संध्या में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

भारत विविधता और समृद्ध संस्कृति से ही पहचाना जाता है : राज्यपाल

शुभम संदेश। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को राज्य संग्रहालय सभागार, खेलगांव, होटवार में "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या का उद्घाटन करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की पावन भूमि पर इस प्रकार के दूरदर्शी आयोजन न केवल झारखंड, बल्कि समस्त पूर्वी भारत के लिए गौरव का विषय है. उन्होंने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल एवं ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष डॉ. सीवी आनंद बोस व गोवा से आए कलाकारों का स्वागत किया.

राज्यपाल ने कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि इसकी विविधता और समृद्ध संस्कृति से पहचाना जाता है. उन्होंने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के कथन को उद्धृत करते हुए कहा, "भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है." कार्यक्रम में झारखंड की जनजातीय विरासत जैसे नगाड़ा, मांदर और छऊ नृत्य के साथ-साथ गोवा की समुद्री धुनों और लोकगीतों का मनोहारी प्रदर्शन हुआ. उन्होंने कहा कि यह आयोजन दो भिन्न राज्यों की सांस्कृतिक परंपराओं को जोड़ने का सुंदर प्रयास है. राज्यपाल ने प्रधानमंत्री द्वारा 2015 में शुरू किए गए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान की सराहना की और सभी से विविधता में एकता की भावना को जीवित रखने का आह्वान किया. आयोजन को परंपराओं को जीवंत रखने वाला बताया और आयोजकों को बधाई दी.

टीम तुलसी पटेल के 24 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

रांची। चैंबर चुनाव को लेकर टीम तुलसी पटेल के सदस्यों ने सोमवार को नामांकन किया. टीम तुलसी के 24 प्रत्याशियों ने चुनाव पदाधिकारी पवन शर्मा और विकास कुमार को नामांकन पत्र सौंपा. नामांकन पत्र जमा करने वालों में अमित शर्मा, अरुण भरतीया, दीन दयाल वर्णवाल, ज्योति कुमारी, कमलेश कुमार संचेती, कुलवंत सिंह, मनोज कुमार मिश्रा, मोनिका गोयनका, नवीन गाड़ोदिया, प्रकाश अग्रवाल समोता, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, तनप्रिंस सिंह कोहली, राहुल साबू, संतोष अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, सुमित कक्कड़, तुलसी पटेल, विकास झाझरिया, विकास मोदी, विकास विजयवर्गीय, विमल फोगला, विनीता झुनझुनवाला, उत्सव परासर और रौनक जैन के नाम शामिल हैं. इस अवसर पर वर्तमान अध्यक्ष परेश गट्टानी, पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल, प्रवीण जैन छाबड़ा, किशोर मंत्री, आनंद जालान, शैलेंद्र कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे.

जेसीआई रांची ने 'एक्सपो उत्सव 2025' का पोस्टर लॉन्च किया, 16 से 22 सितंबर तक चलेगा मेला

हर दिन होंगे खास आयोजन, छात्रों को मिलेंगे फ्री पास के साथ एक आइसक्रीम मुफ्त

शुभम संदेश। रांची

जेसीआई रांची के कार्यालय में सोमवार को एक खास कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें 'एक्सपो उत्सव 2025' का पोस्टर भव्य रूप से लॉन्च किया गया. मौके पर संस्था के सभी प्रमुख सदस्य मौजूद थे. कार्यक्रम के दौरान पूरे सप्ताह चलने वाले आयोजनों की विस्तृत रूपरेखा भी साझा की गई. इस वर्ष एक्सपो उत्सव के मुख्य प्रायोजक मेसर्स बाबूलाल प्रेमकुमार हैं, जबकि गजानंद ज्वेलर्स इसे पावर दे रहे हैं. साथ ही कई सह-प्रायोजकों का भी सहयोग मिला है, जिनमें प्रभुजी, कैप्टी, मोशन कोटा, शुभम घोष फोटोग्राफी, रेडियो धूम, झारखंड एक्सप्रेस कोरियर, बागला सिक्योरिटी एंड ऑटोमेशन, कैफीनेटर्स, रमादा बाय विंधम और अन्नपूर्णा ट्रेडिंग कंपनी प्रमुख हैं. रंग-बिरंगे कार्यक्रमों से भरपूर एक्सपो उत्सव 2025 न केवल मनोरंजन और व्यापार का संगम होगा, बल्कि यह झारखंड का सबसे बड़ा ट्रेड फेयर बनने की ओर अग्रसर है. शहरवासियों में इस मेले को लेकर जबरदस्त उत्साह है.

एक्सपो उत्सव 2025 : शेड्यूल पर एक नजर

16 सितंबर: रंगारंग फैशन शो से होगी शुरुआत
17 सितंबर: ट्रेज़र हंट और डॉग शो
18 सितंबर: हेल्दी बेबी एंड मॉम शो व योगा प्रतियोगिता
19 सितंबर: वॉयस ऑफ एक्सपो सिंगिंग कॉम्पिटिशन
20 सितंबर: रोमांचक तंबोला और रात 12 बजे तक चलने वाला मिड नाइट बाजार
21 सितंबर: पेंटिंग, फैंसी ड्रेस, और एक्सपो धीनाक धिन धा डांस प्रतियोगिता
22 सितंबर: शाम 6 बजे होगा भव्य समापन समारोह
छात्रों के लिए खास तैयारी: 60,000 फ्री पास

जेसीआई रांची के अध्यक्ष प्रतीक जैन ने जानकारी दी कि इस बार छात्रों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है. करीब 60 हजार छात्रों को फ्री एंट्री पास दिए जाएंगे. इस पास के साथ उन्हें एक आइसक्रीम मुफ्त, एक राइड फ्री और एक आउटलेट पर विशेष डिस्काउंट भी मिलेगा.

पोस्टर लॉन्च कार्यक्रम का संचालन नितिन पोद्दार ने किया. कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतीक जैन, सचिव सन्नी केडिया, मुख्य संचालक सिद्धार्थ जायसवाल, सह संचालक अभिषेक जैन, दीपक पटेल, सौरभ नरेडी, प्रवक्ता आदित्य जालान, साकेत अग्रवाल, निखिल मोदी, तरुण अग्रवाल, प्रशांत पाटोदिया, आशा मोदी, दीपा बंका, रजनी धानधनिया, शीतल लखोटिया, रुचि झुनझुनवाला, श्वेता माहेश्वरी, राधिका मोदी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे.

पीवीटीजी मिशन के तहत बिरहोर भाषा संरक्षण की पहल

लेखक देव कुमार ने उपायुक्त को प्रस्ताव सौंपा

रांची । झारखंड के लेखक देव कुमार ने रांची उपायुक्त को एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें आंगनबाड़ी केन्द्रों की दीवारों पर बिरहोर–हिन्दी–अंग्रेज़ी चित्रात्मक लेखन कराने का अनुरोध किया गया है. यह पहल विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की भाषा बिरहोर के संरक्षण और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है. देव कुमार, जो कि भारतवाणी परियोजना (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त) से जुड़े हुए हैं, का मानना है कि यह योजना झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए एक मॉडल परियोजना साबित हो सकती है. उनका कहना है कि बिरहोर भाषा का संरक्षण केवल शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़ी संस्कृति, पहचान और विरासत को भी बचाया

जा सकेगा. उन्होंने आगे कहा, आंगनबाड़ी शिक्षा के माध्यम से बिरहोर भाषा और संस्कृति को बच्चों तक पहुंचाना सबसे प्रभावी तरीका है. यह न केवल शिक्षा में समावेशन बढ़ाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी धरोहर को सुरक्षित रखेगा. यह पहल नई शिक्षा नीति 2020, पोषण अभियान, समग्र शिक्षा अभियान और प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन (2023) की भावना के अनुरूप है. यदि यह प्रस्ताव स्वीकृत होता है, तो झारखंड की विलुप्तप्राय भाषाओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी. इसके साथ ही यह भाषा संरक्षण की दिशा में एक ठोस और प्रेरणादायक कदम साबित होगा. देव कुमार की यह योजना बच्चों के माध्यम से बिरहोर भाषा को जीवित रखने और संस्कृति के संवर्धन में एक नई राह खोलती है. प्रस्ताव में कहा गया है कि चित्रात्मक लेखन बच्चों के लिए आकर्षक और समझने में आसान होगा, जिससे भाषा सीखने और अपनाने की प्रक्रिया सहज और प्रभावी होगी. इस पहल के लागू होने से न केवल शिक्षा और भाषा संरक्षण में सुधार होगा, बल्कि पीवीटीजी समुदाय की सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति भी मजबूत होगी. यह कदम झारखंड और भारत में विलुप्तप्राय भाषाओं के पुनर्जीवन और संवर्धन के लिए एक मिसाल के रूप में सामने आएगा.

जेएसएलपीएस आजीविका समूह की वार्षिक आमसभा

सतबरवा (पलामू) । जेएसएलपीएस सतबरवा आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आमसभा सोमवार को ट्रेनिंग कॉलेज परिसर में आयोजित की गई. मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक आलोक कुमार चौरसिया ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. विधायक ने कहा कि महिलाओं को उनका हक और अधिकार दिलाना मेरी प्राथमिकता है. आज गांव की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और समाज में अपनी पहचान बना रही हैं. लेकिन सरकार के उदासीन रवैये के कारण इन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा, जो चिंता का विषय है. सभा में जिला पार्षद सुधा कुमारी, मुखिया रिंकी देवी और बीपीएम लॉरेंस लकड़ा ने भी विचार रखे. इस दौरान सैकड़ों महिला सदस्य एवं विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा, अजय उरांव आदि उपस्थित थे.

- विधायक ने किया उद्घाटन, महिलाओं की आत्मनिर्भरता की सराहना की

बरवाडीह के ठूठाकुसुम गांव में बारिश से पुलिया बहकर खंडहर में तब्दील हुई

खेत-स्कूल-हॉस्पिटल तक पहुंचना मुश्किल, जिंदगी बेहाल

शुभम संदेश । बरवाडीह (लातेहार)

प्रखंड अंतर्गत ठूठाकुसुम गांव में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है. मईया बाबू हॉस्पिटल के पास स्थित मोरम रास्ते पर बनी एकमात्र पुलिया बारिश के तेज बहाव में पूरी तरह बहकर खंडहर में तब्दील हो गई है. पुलिया टूटने से गांव का मुख्य आवागमन मार्ग पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

ग्रामीणों ने बताया कि यह पुलिया गांव को खेत, स्कूल और अन्य बुनियादी सेवाओं से जोड़ने का एकमात्र जरिया थी. अब इसके टूटने से बच्चों की पढ़ाई, किसानों की खेती और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. लोग खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, और स्कूल जाते समय कई बच्चे गड्ढे में गिरकर घायल हो चुके हैं. रात के समय तो हालात और भी खतरनाक हो जाते हैं. अंधेरे में कई ग्रामीण गहरे गड्ढे में गिर चुके हैं, जिससे उनकी जान खतरे में पड़ गई. यह मार्ग स्थानीय मईया बाबू हॉस्पिटल जाने के लिए भी महत्वपूर्ण था, जहां से लोगों को इलाज के लिए आना-जाना पड़ता है.

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द इस पुलिया का पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके. उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो इसका असर खेती, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर पड़ेगा. गांव के बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए यह रास्ता जीवनरेखा के समान है और इसके अभाव में उनका जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन शीघ्र पहल नहीं करता तो वे आंदोलन को बाध्य होंगे. यह मामला ग्रामीण अवसंरचना की बदहाली और मानसून से पहले जरूरी मरम्मत की अनदेखी को उजागर करता है, जिससे दूरदराज़ के गांवों में आम जनता की जिंदगी जोखिम में पड़ रही है.

10वीं थांग-टा चैंपियनशिप में पलामू के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा, दूसरा स्थान हासिल किया

पांडू (पलामू)। धनबाद के हीरापुर स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित दो दिवसीय 10वीं राज्य स्तरीय थांग-टा चैंपियनशिप में पलामू जिले के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दूसरा स्थान हासिल किया. प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों के बीच मुकाबले हुए. सर्वाधिक पदकों के साथ धनबाद पहले स्थान पर रहा, जबकि बोकारो और रांची की टीमें संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं.पलामू की ओर से शमी कुमारी (40 किग्रा), अनु कुमारी (44 किग्रा) और प्रियंका कुमारी (52 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते. वहीं रजत पदक विजेताओं में आरती कुमारी (44 किग्रा) और रेहान कादरी (56 किग्रा) शामिल रहे. कांस्य पदक विजेता खुशबू (48 किग्रा), पलक कुमारी (56 किग्रा) और सारीब खान (60 किग्रा) रहे. प्रतियोगिता का संचालन राष्ट्रीय निर्णायक कृष्णा कुमार साह, ममता पांडे, सोनामोती कुमारी और संजू कुमार ने किया. साथ ही राज्य निर्णायक मृत्युंजय कुमार, रामस्वरूप हेंब्रम, संदीप पासवान आदि की भूमिका सराहनीय रही. समापन समारोह में जिला ओलंपिक संघ के अधिकारियों एवं स्कूल प्रबंधन ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और पदक देकर सम्मानित किया. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की वार्डन पूजा कुमारी एवं प्रभारी प्रिया सिंह ने टीम को बधाई दी और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी.

अभियान को आंदोलन का रूप देना समय की मांग

मेदिनीनगर । मेदिनीनगर में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की, जबकि संचालन संजय कुमार ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई. अपने संबोधन में उदय राम ने कहा कि साक्षरता अभियान को जब तक आंदोलनात्मक रूप नहीं दिया जाएगा, तब तक समाज को पूरी तरह से शिक्षित करना संभव नहीं है. शिक्षा के अभाव में न तो राज्य की समृद्धि संभव है और न ही सामाजिक विकास की कल्पना की जा सकती है. उन्होंने पलामू प्रमंडल की असंतोषजनक साक्षरता दर पर चिंता जताई, जबकि सरकार शिक्षा पर भारी खर्च कर रही है.

पोखरी कला पंचायत : मनरेगा मजदूरी भुगतान में फर्जीवाड़ा, बिचौलिए व कर्मियों की साठगांठ उजागर

बरवाडीह (लातेहार) ।प्रखंड क्षेत्र के पोखरी कला पंचायत में मनरेगा मजदूरी भुगतान में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है. अबुआ आवास की लाभुक सरस्वती देवी (पति कृष्णा प्रसाद) ने सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज को आवेदन देकर मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है. लाभुक का आरोप है कि बिना उनकी जानकारी के कुछ कर्मियों और बिचौलियों की मिलीभगत से जॉब कार्डधारी असमीना खातून, शमां परवीन और अकरम अंसारी के नाम से 3,384/- की मजदूरी का भुगतान करा लिया गया. आवेदन में सवाल उठाया गया है कि इन मजदूरों की जॉब कार्ड आईडी (7535, कैटेगरी एसटी, दिनांक 7/3/2025) किस आधार पर और किसके द्वारा निर्गत की गई. सरस्वती देवी के पुत्र अरुण प्रसाद ने बताया कि एक बिचौलिए ने उन्हें फोन कर आवेदन वापस लेने का दबाव बनाया और पैसे लौटाने की बात कही. लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदन कार्रवाई के लिए दिया गया है. भाजपा नेता दीपक तिवारी ने भी इस प्रकरण को गंभीर बताते हुए बीडीओ से तत्काल कार्रवाई की मांग की है. ग्रामीणों में इस फर्जीवाड़े को लेकर गहरी नाराजगी है.

- पोखरी कला पंचायत में लाभुक के नाम पर उठाया गया भुगतान, सरस्वती देवी ने की शिकायत

74 योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक, उपायुक्त ने कहा

राजस्व वसूली में जो बाधाएं हैं उन्हें शीघ्र दूर कर लक्ष्य पूरा करें

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

उपायुक्त समीरा एस ने राजस्व वसूली को लेकर जिले के सभी संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की. बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के लक्ष्य के मुकाबले अब तक हुई वसूली का आंकड़ा लिया गया. खनन विभाग ने 41357 लाख रुपये के वार्षिक लक्ष्य में से अब तक 5952.025 लाख रुपये की वसूली की. परिवहन विभाग को 7608.30 लाख रुपये का लक्ष्य दिया गया था, जिसमें से 3240.15 लाख रुपये वसूली हुई. उत्पाद विभाग ने भी 14000 लाख रुपये के लक्ष्य में से 4544.67 लाख रुपये वसूली की, जो कुल 32 प्रतिशत है. उपायुक्त ने कहा कि राजस्व वसूली में बाधाएं जो भी हैं, उन्हें शीघ्र दूर कर लक्ष्य को पूरा किया जाए. बैठक में भू-लगान, निबंधन, दाखिल-खारिज, म्यूटेशन, भूमि सीमांकन और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावितों को सहायता राशि स्वीकृति समेत अन्य मुद्दों की भी समीक्षा की गई. सभी सीओ को म्यूटेशन के मामलों को समयबद्ध निष्पादित करने का निर्देश दिया गया. बैठक में तीनों एसडीओ, भूमि सुधार उप समाहर्ता, अंचल अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे. इसी दिन समाहरणालय सभागार में उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में हरिहरगंज नगर पंचायत के लिए 74 विकास योजनाओं का चयन एवं पारित किया गया. इनमें ड्रेनेज सिस्टम, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी अधिष्ठापन, आश्रय गृह सहित अन्य जरूरी कार्य शामिल हैं. इन योजनाओं के लिए आवंटन मिलने के बाद प्रशासनिक स्वीकृति के पश्चात क्रियान्वयन शुरू किया जाएगा. बैठक में डीडीसी जावेद हुसैन, छत्तरपुर एसडीओ आशीष गंगवार, जिला जनसंपर्क अधिकारी डॉ. असीम, नगर प्रशासक फैजुर रहमान, सांसद प्रतिनिधि और अन्य अधिकारी मौजूद थे.

संस्कारयुक्त शिक्षा से ही संभव है बच्चों का संपूर्ण विकास : अविनाश देव

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

मेदिनीनगर स्थित संत मरियम आवासीय विद्यालय द्वारा टाउन हॉल में रविवार को ₹अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी₹ का आयोजन किया गया. इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद को सशक्त बनाना था.

विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि शिक्षा मात्र अंकों की दौड़ नहीं है, बल्कि यह नैतिकता, संस्कार और मानवीय मूल्यों का स्रोत है. उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को केवल शैक्षणिक रूप से नहीं, बल्कि भावनात्मक व सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाने में सहयोग करें. उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य ऐसे छात्रों का निर्माण करना है जो न केवल सफल हों, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बनें. विद्यालय प्राचार्य ने अभिभावकों से बच्चों की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने का अनुरोध किया. उन्होंने कहा कि शिक्षक और अभिभावक जब मिलकर काम करते हैं, तो बच्चों का विकास अधिक प्रभावी होता है. संगोष्ठी में बच्चों की रुचियों, व्यवहार और प्रदर्शन पर चर्चा हुई और अभिभावकों को अपनी राय साझा करने के लिए प्रेरित किया गया. कार्यक्रम में भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया, जिनमें व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल, सार्वजनिक भाषण, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को शामिल करने की बात कही गई.

विश्वकर्मा समाज की बरवाडीह प्रखंड कमेटी गठित, सचिन शर्मा बने अध्यक्ष

- बेहतरीन पूजा करनेवाली समिति को किया जाएगा सम्मानित

शुभस संदेश । बरवाडीह (लातेहार)

रविवार को बरवाडीह बाजार स्थित मिडिल स्कूल प्रांगण में विश्वकर्मा समाज की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बरवाडीह प्रखंड कमिटी का गठन सर्वसम्मति से किया गया. बैठक में सचिन शर्मा को अध्यक्ष, अमरेश विश्वकर्मा को सचिव और बिनोद शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया. रणधीर शर्मा और रमेश शर्मा को संरक्षक, जबकि कृष्णा, योगेन्द्र और रंभू विश्वकर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया. बाबुलाल विश्वकर्मा सह सचिव और अनिल विश्वकर्मा उप कोषाध्यक्ष नियुक्त हुए.

बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष सबसे अनुशासित और स्वच्छ विश्वकर्मा पूजा आयोजन करने वाली समिति को सम्मानित किया जाएगा. लातेहार जिला महासचिव मनोज विश्वकर्मा ने कहा कि जिले में सबसे अधिक प्रतिमाएं बरवाडीह में स्थापित की जाती हैं.

बैठक की अध्यक्षता जिला महासचिव जयगोविन्द विश्वकर्मा एवं संचालन जिला उपाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा ने किया. मौके पर प्रदेश सचिव अर्जुन विश्वकर्मा, दिलीप, कामेश्वर, विजय, गोपाल समेत दर्जनों सदस्य मौजूद रहे.

एनटीपीसी माइनिंग लि जनभावनाओं का सम्मान करे : जिला उपाध्यक्ष

बालूमाथ (लातेहार) एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड द्वारा ग्रामीणों की कृषि भूमि अधिग्रहण को लेकर गेरेंजा गांव में ग्रामसभा आयोजित की गई, जिसमें लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनिता देवी ने स्पष्ट कहा कि कंपनी जनभावनाओं के खिलाफ कार्य न करे. उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की जमीन ही उनकी आजीविका का आधार है, और जबरन अधिग्रहण की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी.ग्रामीण शंकर उरांव ने कहा कि कंपनी अंग्रेजी हुकूमत जैसी नीति अपना रही है, जिसका वे विरोध करते हैं. उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी जमीन खनन कार्य के लिए नहीं देंगे. सभा में ग्रामप्रधान परमेश्वर गंझू, बिहारी यादव, बनारस उरांव, ललिता देवी, मीना देवी, शंकर उरांव, बिरजू उरांव, रमेश यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे और एकजुट होकर विरोध जताया.

वितरण | 30 दिव्यांग बच्चों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण

समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में विशेष पहल

शुभम संदेश । सतबरवा (पलामू)

झारखंड समग्र शिक्षा परियोजना के अंतर्गत सोमवार को सतबरवा प्रखंड के बुनियादी विद्यालय परिसर में एक विशेष सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में 3 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग के 30 दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता अनुसार सहायक उपकरण वितरित किए गए.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समेकित शिक्षा प्रभारी राजीव चौबे ने कहा कि "हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी दिव्यांग बच्चे की शिक्षा उसकी दिव्यांगता के कारण बाधित न हो." उन्होंने यह भी बताया कि पिछले शैक्षणिक वर्ष में जांच के बाद चयनित बच्चों को यह उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं. इस कार्यक्रम में एलएमको कंपनी के विशेषज्ञ अमित कुमार ने तकनीकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि बच्चों को उनकी मेडिकल रिपोर्ट और जरूरतों के अनुसार विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं. इनमें कान की मशीन, व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, सीपी चेयर, कैलिपर, रोलेटर, बैसाखी, स्मार्ट केन, टीएलएम किट, ब्रेल किट और एलओ क्लच शामिल हैं. अमित कुमार ने आगे बताया कि इस सत्र में भी कई बच्चों की मेडिकल जांच की गई है. जो बच्चे किसी कारणवश इस वितरण सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, उनके लिए शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल रिपोर्ट भेजें, ताकि जनवरी 2026 में उन्हें आवश्यक उपकरण प्रदान किए जा सकें. इस योजना के तहत तुरंत 25 और बच्चों को आगामी वितरण में किट प्रदान करने की योजना है. कार्यक्रम में अरविंद पाल और नरेंद्र कुमार सहित शिक्षक, अभिभावक, स्थानीय समाजसेवी व स्कूली बच्चे भी उपस्थित थे.

यह पहल न केवल दिव्यांग बच्चों के सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस कदम है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सरकार और समाज मिलकर शिक्षा को सभी के लिए समावेशी और सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि समान अवसरों के बिना समावेशी विकास अधूरा है, और इस दिशा में ऐसे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं.

एक नजर

किसानों ने ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर कफन व गिरगिट नाटक का मंचन कर किया प्रदर्शन

चंदवा (लातेहार) । चंदवा के किसानों ने टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण सहित अन्य मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया. किसानों ने कफन और गिरगिट नाटक का मंचन कर इस समस्या को उजागर किया. वे हाथों में कफन और गिरगिट के फोटो लेकर आए थे. इस नाटक के माध्यम से किसानों ने टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर जाम की समस्या और नेताओं की चुप्पी पर कटाक्ष किया. किसान नेता और पंचायत समिति सदस्य अयुब खान के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ. अयुब खान ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग अक्सर बंद रहती है, जिससे एंबुलेंस समेत अन्य वाहन जाम में फंस जाते हैं और मरीजों की जान को खतरा होता है. इस प्रदर्शन में माकपा जिला सचिव रसीद मियां, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र सिंह सहित कई किसान, ग्राम प्रधान, और सैकड़ों महिला-पुरुष शामिल हुए. उन्होंने फ्लाईओवर ब्रिज और बंद पड़े फुटब्रिज के निर्माण का जल्द से जल्द कार्य शुरू कराने की मांग की. इस नाटक और प्रदर्शन के जरिए किसानों ने अपनी पीड़ा और प्रशासन के प्रति नाराजगी प्रकट की.

लातेहार में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

लातेहार । कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर का सोमवार को स्थानीय परिषद भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया. राजेश ठाकुर रांची से भंडरिया एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जा रहे थे. जिला मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी के नेतृत्व में उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया. पंकज तिवारी ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर पूरे जिले में संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम चल रहा है और पंचायत स्तरीय समितियों का गठन किया जा रहा है. इसका उद्देश्य कांग्रेस को मजबूत बनाना और क्षेत्र में जनसमर्थन बढ़ाना है. राजेश ठाकुर ने कांग्रेस के नीतिगत सिद्धांतों को गांव-गांव तक पहुंचाने की अपील की. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को देशभर में अपार समर्थन मिल रहा है और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए का सफाया होगा. उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का आह्वान किया. मौके पर युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष आफताब आलम, जिला अध्यक्ष अमित यादव सहित कई लोग उपस्थित थे.

लातेहार के एलटी विनय कुमार सिंह बने ब्लड बैंक एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष

लातेहार । ब्लड बैंक, लातेहार के तकनीकी सहायक (एलटी) विनय कुमार सिंह को ब्लड बैंक एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन का राष्ट्रीय चेयरमैन निर्वाचित किया गया है. यह निर्वाचन मध्यप्रदेश के उज्जैन में सात सितंबर को संपन्न हुआ. चुनाव प्रभारी नीरज खरे की अध्यक्षता में यह चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ हुआ और सभी पदों पर सर्वसम्मति से निर्विरोध चुना गया. राष्ट्रीय चेयरमैन बनने पर सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. अखिलेश्वर प्रसाद सहित कई अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी. एसोसिएशन की एडवाइजरी कमिटी में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के प्रतिनिधि शामिल हैं. इसके अलावा, अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भी चयन किया गया है. एसोसिएशन ने जोनल को-ऑर्डिनेटर और राज्य संयोजकों का भी चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराया.

संविदा नियुक्ति परीक्षा की उत्तर कुंजी जारी, 10 सितंबर तक आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि

लातेहार । जिला स्वास्थ्य समिति, लातेहार द्वारा संविदा एवं अनुबंध आधारित नियुक्ति के लिए आयोजित परीक्षा की उत्तर कुंजी 7 सितंबर को जिला की आधिकारिक वेबसाइट latehar.nic.in पर प्रकाशित कर दी गई है. यह परीक्षा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, लातेहार में आयोजित की गई थी. प्रशासन ने बताया कि यदि किसी परीक्षार्थी को उत्तर कुंजी में प्रकाशित उत्तरों पर आपत्ति हो, तो वे 10 सितंबर की शाम 5 बजे तक प्रमाण सहित अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं. आपत्ति भेजने के लिए परीक्षार्थी ई-मेल आईडी latehar.est@gmail.com का उपयोग कर सकते हैं या जिला समाहरणालय लातेहार की स्थापना शाखा में स्वयं उपस्थित होकर आपत्ति दर्ज कर सकते हैं. आपत्तियों की समीक्षा के बाद अंतिम उत्तर कुंजी जारी की जाएगी और उसी के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा.

महुआडांड़ में तीसरे दिन वज्रपात से महिला घायल

महुआडांड़ (लातेहार) । प्रखंड क्षेत्र में वज्रपात की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं. सोमवार को तीसरे दिन भी वज्रपात की घटना सामने आई, जिसमें चंपा पंचायत के कुरूंद गांव निवासी मन्नती कुजूर (45) पत्नी अनिल कुजूर घायल हो गईं. परिजनों के अनुसार, घटना दोपहर करीब दो बजे की है जब मन्नती कुजूर अपने घर के किचन में बैठी थीं. तभी अचानक तेज बारिश और मेघ गर्जन के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आकर वह बेहोश हो गईं. परिजन उन्हें तुरंत ऑटो से महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्रभारी चिकित्सक डॉ. अमित खलखो द्वारा प्राथमिक उपचार किया जा रहा है. घटना की जानकारी मिलते ही चंपा पंचायत की मुखिया सुषमा कुजूर अस्पताल पहुंचीं और पीड़ित महिला व परिजनों से मुलाकात कर हालचाल जाना.

चंदवा में एनएच-75 पर बाइक-कार की टक्कर में छात्र की हुई मौत, एक गंभीर रूप से घायल

चंदवा (लातेहार) । रांची-डालटनगंज राष्ट्रीय उच्च मार्ग-75 पर चंदवा थाना क्षेत्र के चीरो मोड़ के पास सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में 18 वर्षीय छात्र पीयूष कुमार सिंह की मौत हो गई, जबकि उसका साथी फुलेश्वर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया. दोनों छात्र चंदवा के प्लस टू हाई स्कूल में कक्षा दसवीं के विद्यार्थी थे. जानकारी के अनुसार, दोनों छात्र मोटरसाइकिल से स्कूल जा रहे थे, तभी रांची से डालटेनगंज की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक कार के अंदर घुस गई. सूचना मिलते ही चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों छात्रों को सामुदायिक अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने पीयूष को मृत घोषित कर दिया. गंभीर रूप से घायल फुलेश्वर को बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया है.

पुरुष में चटकपुर, महिला वर्ग में गोठगांव ने मारी बाजी

महुआडांड़ (लातेहार) । गोठगांव पारिस मैदान में रविवार को आयोजित पल्ली अंतर महिला एवं पुरुष युथ फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ. मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस एसटी सेल अध्यक्ष अजित पाल कुजूर और विशिष्ट अतिथि प्रमुख कंचन कुजूर ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर फुटबॉल किक मारकर मैच की शुरुआत की. पुरुष वर्ग का फाइनल चटकपुर और गोठगांव टीम के बीच खेला गया, जिसमें चटकपुर टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की. वहीं, महिला वर्ग में गोठगांव की टीम ने हामी टीम को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया. विजेता टीमों को प्रथम पुरस्कार में बड़ा सूअर और द्वितीय पुरस्कार में खास्सी दिया गया. टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग की 15 व महिला वर्ग की 8 टीमों ने भाग लिया. अजित पाल कुजूर ने युवाओं से पढ़ाई के साथ खेल को भी अपनाने की अपील की. मौके पर बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे.

ब्रीफ न्यूज

ढोढाकोला में करंट लगने से युवक की दर्दनाक मौत

डोमचांच (कोडरमा)। थाना क्षेत्र के ढोढाकोला गांव में सोमवार को एक युवक सिंटू विश्वकर्मा (22 वर्ष) की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई. सिंटू अपने पिता नारायण विश्वकर्मा के पुत्र हैं. बताया गया कि वह बिजली पोल पर मरम्मत का काम कर रहा था, तभी अचानक करंट लगने से वह पोल से नीचे गिर पड़ा और चापानल पर जा टकराया. गंभीर हालत में ग्रामीणों ने उसे कोडरमा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस हादसे से क्षेत्र में शोक व्याप्त है और सुरक्षा उपायों पर सवाल उठने लगे हैं.

धूमधाम से मनाया गया बनासो-चानो का 17वां वन महोत्सव

विष्णुगढ़। पर्यावरण वन रक्षा समिति, बनासो-चानो द्वारा ग्राम तेलनियादाह, नावाटांड और गोबरवसुवा के बीच पिरिंजीया टांड में 17वां वन महोत्सव रविवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पूजा और वन रक्षा बंधन से हुई. मुख्य अतिथि सुरेंद्र प्रसाद सिंह और विशिष्ट अतिथि चंद्रनाथ भाई पटेल समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे. बच्चों ने संथाली, नागपुरी और खोरठा नृत्य से समां बांधा. सनराइज पब्लिक स्कूल प्रथम स्थान पर रहा. बबन सिंह और जग्गू दादा जैसे कलाकारों ने पर्यावरण गीतों से रंग जमाया.

उपायुक्त ने सभी बीडीओ के साथ समीक्षा बैठक की

हजारीबाग । उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने सोमवार को जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक की. बैठक में उप विकास आयुक्त इशियाक अहमद व डीआरडीए निदेशक मां देव प्रिया भी उपस्थित रहे.बैठक में मनरेगा, आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, आम बागवानी व दीदी बाड़ी योजना के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 100% मानव दिवस सृजन किया जाए और सभी कार्य मॉनिटरिंग ऐप पर नियमित रूप से अपडेट हों.उन्होंने योजनाओं में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी. सरकारी भूमि पर वृक्षारोपण व पंचायत भवनों के सुचारु संचालन पर भी निर्देश दिए गए.

ट्रांसजेंडर समूह ने उपायुक्त से की शिष्टाचार मुलाकात

रामगढ़। रामगढ़ जिले के ट्रांसजेंडर समूह के सदस्यों ने सोमवार को जिला समाहरणालय में उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने अपनी समस्याओं और जरूरी मुद्दों पर चर्चा की. उपायुक्त ने गंभीरता से उनकी बात सुनी और समाधान का आश्वासन दिया. ट्रांसजेंडर समूह ने उपायुक्त द्वारा मुख्य धारा से जोड़ने और विभिन्न सुविधाएं मुहैया कराने के लिए चलाए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए धन्यवाद भी दिया.

बरकाकाना बाजार को तोड़ने के आदेश पर रोक

रामगढ़। रेलवे प्रशासन द्वारा बरकाकाना बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने के अंतिम आदेश पर सांसद मनीष जायसवाल के हस्तक्षेप से छठ पूजा तक रोक लगा दी गई है. सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल के नेतृत्व में धनबाद डीआरएम अखिलेश मिश्रा के साथ बैठक में दुकानदारों ने पुनर्वास की मांग रखी. दुकानदारों ने बताया कि वे पिछले 50 वर्षों से रेलवे भूमि पर रोजगार चला रहे हैं और दुकानें टूटने से आजीविका प्रभावित होगी. डीआरएम ने आश्वासन दिया कि छठ तक कोई तोड़फोड़ नहीं होगी.

अदाणी फाउंडेशन के कोचिंग सेंटर के पांच छात्र अग्निवीर परीक्षा में सफल, सम्मानित किए गए

सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता, शिक्षा से ही समाज का विकास: डीएसपी

शुभम संदेश। बड़कागांव (हजारीबाग)

गोंदुलपारा खनन परियोजना क्षेत्र में जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए अदाणी फाउंडेशन की ओर से संचालित निःशुल्क कोचिंग सेंटर एक बार फिर सफलता की नई कहानी लिख रहा है. हाल ही में आयोजित अग्निवीर भर्ती परीक्षा (शारीरिक, मेडिकल और लिखित) में यहां के कुल पांच छात्रों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है. इन सभी सफल अभ्यर्थियों के सम्मान में सोमवार को प्रोत्साहन समारोह का आयोजन किया गया, जहां सभी छात्रों को इस सफलता पर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर छात्रों के माता-पिता और अन्य परिजन भी मौजूद रहे.

कार्यक्रम के अतिथि बड़कागांव के डीएसपी पवन कुमार ने अदाणी फॉउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि देश सेवा के लिए सफल हुए ये सभी छात्र बड़कागांव के साथ-साथ पूरे देश का नाम रौशन करेंगे. उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज की दशा और दिशा बदल सकती है. अपने संघर्ष की कहानी को साझा करते हुए डीएसपी ने कहा कि सफलता का कोई शार्ट कट नहीं होता. उन्होंने सफल छात्रों को जहां बधाई दी, वहीं असफल हुए छात्रों को दुबारा से मेहनत शुरू करने को कहा. पढ़ाई के लिए इंटरनेट और सोशल मीडिया का अधिक से अधिक उपयोग करने की सलाह देते हुए डीएसपी ने कहा कि अच्छे विद्यार्थियों का समूह बनाकर अगर आप पढ़ाई करें तो सफलता जरूर मिलेगी. कार्यक्रम में मौजूद बड़कागांव के सर्किल इन्स्पेक्टर ललित कुमार ने अदाणी फॉउंडेशन के इस प्रयास की तारीफ की और कहा कि इस सफलता से और भी बच्चे प्रोत्साहित होंगे.

35 से अधिक बच्चे कोचिंग में कर रहे तैयारी: कार्यक्रम में सफल छात्रों, भानु सिंह राजपूत, सन्नी कुमार यादव, राजदीप कुमार, सुशांत कुमार शर्मा और ऋषभ कुमार को डीएसपी और इंस्पेक्टर ने सम्मानित किया. इस अवसर पर अदाणी कोचिंग सेंटर के प्रशिक्षक ऋतिक जायसवाल, रविंद्र कुमार यादव और राजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि अभी सीआईएसएफ, रेलवे, एक्साइज और एसएससी की परीक्षाएं भी होने वाली हैं, जिसमें इस कोचिंग सेंटर में पढ़ाई कर रहे बच्चे जरूर सफल होंगे. फिलहाल अदाणी फाउंडेशन की ओर से संचालित इस निशुल्क कोचिंग सेंटर में 35 से अधिक बच्चे विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं. कार्यक्रम में गोंदुलपारा खनन परियोजना के प्रमुख पुंडरीक मिश्रा, सुरक्षा प्रमुख अमित कोले, सीएसआर प्रमुख मोहित गुप्ता, तारकेश्वर कुमार और विजय कुमार समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे.

निःशुल्क प्रशिक्षण सहित तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराता है फाउंडेशन: अदाणी फाउंडेशन की ओर से संचालित यह कोचिंग सेंटर विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण, पौष्टिक नाश्ता, स्टेशनरी सामग्री, रनिंग ड्रेस सहित तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराता है. यही कारण है कि पूर्व में भी कई विद्यार्थी यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर अग्निवीर भर्ती में सफल हुए हैं.

स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक विकास के क्षेत्र में भी फाउंडेशन का योगदान : अदाणी फाउंडेशन केवल शिक्षा और प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि बड़कागांव क्षेत्र में स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक विकास के क्षेत्र में भी लगातार कार्यरत है. टीबी मरीजों के लिए निशुल्क पोषण किट वितरण कार्यक्रम, महिलाओं के लिए स्वरोजगार प्रशिक्षण, स्वास्थ्य शिविर, छात्रवृत्ति योजनाएं और खेलकूद गतिविधियों को प्रोत्साहन जैसे अनेक कार्यों के माध्यम से यहां की तस्वीर बदलने की एक ईमानदार कोशिश जारी है. अग्निवीर की यह सफलता न केवल छात्रों के व्यक्तिगत सपनों को साकार कर रही है बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है.

उपायुक्त ऋतुराज ने मंडल कारा का किया निरीक्षण, बंदियों की सुविधाओं का लिया जायजा

साफ-सफाई और मरम्मत कार्यों को लेकर दिए कई जरूरी निर्देश

शुभम शंदेश । कोडरमा

उपायुक्त श्री ऋतुराज ने सोमवार को मंडल कारा, कोडरमा का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों को दी जा रही बुनियादी सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की. उन्होंने जेल परिसर में स्थित अस्पताल, रसोईघर, शौचालय सहित अन्य आवश्यक क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया.

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए और बंदियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाए. अस्पताल निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की चिकित्सकीय उपकरणों या स्वास्थ्यकर्मियों की आवश्यकता है, तो उसकी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत की जाए.

रसोईघर के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वहां की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन जरूरी मरम्मत कार्यों को अविलंब पूरा करने का निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक सहित पुलिस पदाधिकारी व अन्य कर्मी उपस्थित थे. उपायुक्त ने कहा कि जेल प्रशासन को बंदियों के अधिकारों और मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए.

ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम का जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश

शुभम संदेश । कोडरमा

आगामी चुनावों को देखते हुए जिले में निर्वाचन संबंधी तैयारियां तेज हो गई हैं. इसी कड़ी में सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ऋतुराज ने कोडरमा स्थित ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम (शेयर हाउस) का आंतरिक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा, ईवीएम की संरक्षा और निगरानी व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की.

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक-चौबंद होनी चाहिए. इसके तहत 24x7 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश को सख्ती से वर्जित रखने को कहा गया.

निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजुर और विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे. प्रतिनिधियों को स्ट्रॉन्ग रूम की समस्त व्यवस्थाओं का अवलोकन कराया गया और यह भरोसा दिलाया गया कि निर्वाचन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहेगी.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं.

उपायुक्त की पहल

मंडल कारा, कोडरमा में बंदियों के लिए मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का शुभारंभ

कोडरमा । उपायुक्त श्री ऋतुराज की पहल से मण्डल कारा, कोडरमा में बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने और मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से 08 से 17 सितंबर 2025 तक 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. आरसेटी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक यह प्रशिक्षण पुस्तकालय भवन में आयोजित किया गया. उद्घाटन समारोह में उपायुक्त ऋतुराज, जिला प्रबंधक विमल झा और जेल अधीक्षक ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. उपायुक्त ने बंदियों से कहा कि वे इस प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाएं और नयी तकनीकें सीखकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं. उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन के बाद भविष्य में अन्य कौशल विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे. जेल अधीक्षक राजमोहन रंजन ने स्वरोजगार के महत्व को बताया, जबकि जिला प्रबंधक विमल झा और आरसेटी निदेशक शिशिर चौरिया ने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर जोर दिया. प्रशिक्षण में मशरूम की किस्में, प्राकृतिक वृद्धि, व्यावसायिक खेती, फार्म डिज़ाइनिंग, नमी नियंत्रण, कटाई एवं सफाई तकनीकें सिखाई जाएंगी.

एक नजर

बीएसएफ हजारीबाग और सीसीएल रांची ने आधुनिक फिजियोथेरेपी उपकरण उपलब्ध कराने का समझौता किया

हजारीबाग। प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल हजारीबाग और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड रांची ने स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य कल्याण के लिए 6 सितंबर 2025 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. इस समझौते के तहत सीसीएल अपने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत बीएसएफ अस्पताल को आधुनिक फिजियोथेरेपी उपकरण और चिकित्सा सामग्री उपलब्ध कराएगा. यह पहल बीएसएफ अस्पताल परिसर के आसपास रहने वाले ग्रामीण एवं नागरिकों के लिए उन्नत फिजियोथेरेपी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करेगी. वर्तमान में अस्पताल में हड्डी रोग और शारीरिक जटिलताओं से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक है, लेकिन उपकरणों की कमी के कारण उन्हें अन्य अस्पतालों में भेजा जाता है.सीसीएल की इस मदद से बीएसएफ अस्पताल में एक अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी केंद्र स्थापित होगा, जो स्थानीय लोगों, सैनिकों और प्रशिक्षुओं को बेहतर उपचार प्रदान करेगा.

पेरिओडोन्टोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए पुरस्कृत किए गए डेंटस साइंसेज के छात्र

हजारीबाग । हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के पेरिओडोन्टोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों ने पटना में आयोजित ₹पेरिओशा – पेरिओडोन्टोलॉजी में ज्ञान का उदयर नामक राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. शेखर प्रशांत और रीडर डॉ. धृतिमान बैद्य के मार्गदर्शन में छात्रों ने शोध प्रस्तुत किए. डॉ. मनीषा, डॉ. कुमार अभिषेक और डॉ. लीना हरि को उनके शोध और प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया. निर्णायकों और प्रतिभागियों ने उनके कार्य को सराहते हुए इसकी गहराई और प्रस्तुति की प्रशंसा की. कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने छात्रों की सफलता पर गर्व जताते हुए कहा, उनकी मेहनत और लगन रंग लाई है. प्रधानाचार्य डॉ. के. श्रीकृष्ण और उप-प्रधानाचार्य डॉ. अंकुर भार्गव ने भी छात्रों को बधाई दी. यह उपलब्धि संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

गौशाला का निरीक्षण, गोसेवा व भूमि संरक्षण पर हुआ मंथन

हजारीबाग । 1905 में स्थापित ऐतिहासिक हजारीबाग गौशाला का सोमवार को कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी के संयुक्त सचिव महाबीर प्रसाद बजाज ने दो दिवसीय दौरे के तहत निरीक्षण किया. झंडा चौक स्थित कार्यालय में कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने कहा कि गौशाला गोसेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रही है. उन्होंने पितृपक्ष में गोदान और गोग्रास के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि देशी गाय पालने से जीवन में शांति और समृद्धि आती है. बैठक में आगामी गोपाष्टमी (30 अक्टूबर) को जिले के 10 उत्कृष्ट गोपालकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया. दौरे के दूसरे दिन श्री बजाज ने स्टेट मैनेजर पाथ पाल और सदस्य अरविंद राणा के साथ जोरदाग, चोरहेता, मरहेता और फतहा की भूमि का भौतिक निरीक्षण किया. गौशाला की 82 एकड़ भूमि और उससे संबंधित परिसंपत्तियों की स्थिति की समीक्षा की गई. बैठक में श्रद्धानंद सिंह, धीरेन सेठी, बजरंग अग्रवाल, सौरभ जैन, पवन राउत समेत कई सदस्य उपस्थित थे.

हजारीबाग की वादियों में गूंजे फिल्मी संवाद, बांग्ला फिल्म 'फिरे आये' की शूटिंग शुरू

हजारीबाग। हजारीबाग की सुरम्य वादियों में इन दिनों बंगाली फिल्म "फिरे आये" की शूटिंग जोरों पर है. यह एक भावनात्मक ड्रामा फिल्म है, जिसके कलाकार व निर्देशक बंगाल और त्रिपुरा से यहां पहुंचे हैं. टीम ने हजारीबाग की खूबसूरती, शांत वातावरण और सहज लोकेशन की जमकर सराहना की. निर्माताओं ने झारखंड सरकार और प्रशासन के सहयोग के लिए धन्यवाद जताया और बताया कि बिना किसी अतिरिक्त टैक्स या अड़चन के शूटिंग संभव हुई. कलाकारों ने यहां के लोगों को मिलनसार और बेहद सहयोगी बताया. फिल्म की टीम ने अन्य फिल्म निर्माताओं से अपील की कि कम बजट में अगर बेहतरीन लोकेशन चाहिए, तो झारखंड जरूर आएं. यह शूटिंग एक बार फिर साबित करती है कि झारखंड तेजी से फिल्म इंडस्ट्री के नए गंतव्य के रूप में उभर रहा है.

भाजपा ने किया सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के कार्यालय में भाजपा जिला हजारीबाग ने सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया. मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह थे. कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने की. सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू होकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन तक चलेगा.

सदर अस्पताल कोडरमा में व्यवस्थाओं को सुधारने हेतु उपायुक्त का निरीक्षण

कोडरमा। उपायुक्त श्री ऋतुराज ने सदर अस्पताल के भू-तल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए. उन्होंने सभी कमरों का विस्तृत प्लान तैयार कराने, अल्ट्रासाउंड सेंटर सितम्बर तक शुरू करने और फार्मेसी-लैब के बीच कैफेटेरिया निर्माण का आदेश दिया. अस्पताल परिसर में कंट्रोल रूम नंबर प्रदर्शित करने, इमरजेंसी में पोर्टिको व शेड बनाने, ड्रेनेज और बाउंड्री निर्माण के निर्देश भी दिए. कुपोषण उपचार केंद्र के नवनिर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने तथा शौचालयों की सफाई सुनिश्चित करने का भी आदेश हुआ. आयुष्मान भारत योजना के लाभुकों को बेहतर सुविधा देने और ब्लड बैंक के बाहर डिजिटल रक्त उपलब्धता प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया. पैथोलॉजी एवं फार्मेसी 24 घंटे संचालित करने का भी निर्देश दिया गया. सिविल सर्जन सहित कई अधिकारी मौजूद थे.

ईसीआरकेयू बरकाकाना द्वारा रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

रामगढ़। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के पूर्व महामंत्री कॉम. जे.पी. चौबे की पुण्यतिथि पर ईसीआरकेयू बरकाकाना द्वारा

- झारखंड स्वास्थ्य मिशन रांची के संयुक्त तत्वावधान में जनकल्याणकारी आयोजन

सोमवार को रेलवे अस्पताल में रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम झारखंड स्वास्थ्य मिशन, रांची के सहयोग से संपन्न हुआ. शिविर का उद्घाटन मंडल यातायात प्रबंधक राजहंस सिंह ने किया. इस अवसर पर 45 लोगों ने रक्तदान किया, जिन्हें प्रशस्ति पत्र और हेलमेट भेंट किए गए. 200 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा की गई. शिविर में हड्डी, नेत्र, स्त्री रोग, ईसीजी, बीपी, शुगर आदि की जांच की गई. कार्यक्रम को सफल बनाने में ईसीआरकेयू टीम, स्वास्थ्य मिशन, पारस एचईसी हॉस्पिटल, मधुसूदन ट्रस्ट, रिवोल्यूशनरी यूथ फेडरेशन एवं जीवन वाटिका का विशेष सहयोग रहा.

प्रेम में मिली अस्वीकृति ने छीन ली दो जिंदगियां

बड़कागांव में प्रेमी युगल ने साथ जीने-साथ मरने की कसम पूरी करते हुए खाया ज़हर, इलाज के दौरान दोनों की मौत

शुभम संदेश । बड़कागांव (हजारीबाग)

प्रेम में साथ जीने की तमन्ना पूरी न हो पाने पर एक प्रेमी युगल ने साथ मरने की कसम खाकर अपनी जान दे दी. यह हृदय विदारक घटना बड़कागांव थाना क्षेत्र के चंदौल-पुंदौल गांव की है, जहां मंटू पांडे (26 वर्ष) और सुलेखा कुमारी (22 वर्ष) ने कथित रूप से जहर खाकर आत्महत्या कर ली.

घटना की पुष्टि उस समय हुई जब रविवार को सुलेखा कुमारी का शव अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जाया जा रहा था. तभी बड़कागांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया. जानकारी के मुताबिक, मंटू पांडे, पुंदौल गांव निवासी नरेंद्र पांडे का बेटा था, वहीं सुलेखा चंदौल निवासी अशोक रजवार की पुत्री थी. दोनों के बीच प्रेम संबंध थे, लेकिन परिवार और समाज की मंजूरी न मिलने के कारण वे तनाव में थे. शनिवार रात दोनों ने अलग-अलग स्थानों पर ज़हर खा लिया.

सुलेखा को पहले बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, फिर हजारीबाग और अंततः रांची रेफर किया गया, लेकिन उसकी मौत रास्ते में ही हो गई. वहीं मंटू पांडे को हजारीबाग ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई.

परिजन इस मामले में कुछ भी बताने से बचते रहे. हालांकि गांव में चर्चा है कि दोनों ने वीडियो कॉल के माध्यम से आखिरी बार बातचीत की और फिर ज़हर खा लिया. ग्रामीणों के अनुसार, मंटू पांडे नशे का आदी था और उसने परिजनों को बताया था कि उसने सल्फास की गोली खा ली है. वहीं, सुलेखा ने पेट में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद इलाज के दौरान ज़हर खाने की बात सामने आई. यह पहली बार नहीं है जब पुंदौल गांव में प्रेम संबंधों के चलते ऐसा मामला सामने आया हो.

स्कूटी-बाइक की आमने-सामने टक्कर में तीन गंभीर रूप से घायल

शुभम संदेश । कोडरमा

बीरेंद्र पंडित (दोनों पुत्र रामा पंडित, बेको गांव) शामिल हैं.

कोडरमा-कोवार मुख्य मार्ग पर थाना क्षेत्र के गरचांच पेट्रोल पंप टीटहिया मोड के समीप सोमवार दोपहर लगभग 1 बजे स्कूटी और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों में बाइक सवार 45 वर्षीय उदय पासवान (राजधनवार, गिरिडीह) तथा स्कूटी सवार 17 वर्षीय सूरज पंडित और 32 वर्षीय छोटे भाई सूरज और पत्नी सरिता देवी के साथ जयनगर से घर जा रहे थे. पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहन इतनी तेज टक्कर हुए कि बाइक और स्कूटी दोनों क्षतिग्रस्त हो गए.

घटना के बाद आसपास अफरातफरी मच गई. सूचना पाकर एसआई शमसुद्दीन खान और पुलिस टीम मौके पर पहुंचे. घायलों को तुरंत एम्बुलेंस से सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है.

सम्मान ग्रिजली विद्यालय ने रचा इतिहास, बना सीबीएसई खो-खो का राष्ट्रीय चैंपियन

नेशनल चैंपियनशिप के लिए भी किया क्वालिफाई, जिले का बढ़ाया मान

शुभम संदेश । कोडरमा

खेल के मैदान में परिश्रम, समर्पण और जज़्बे की मिसाल कायम करते हुए ग्रिज़ली विद्यालय, तिलैया डैम की अंडर-14 बालक टीम ने सीबीएसई खो-खो नेशनल चैम्पियनशिप 2025-26 का खिताब जीतकर स्वर्णिम इतिहास रच दिया है. इसके साथ ही विद्यालय की टीम ने एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) नेशनल चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए क्वालिफ़ाई भी कर लिया है.

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 1 से 5 सितंबर 2025 तक पिनेकल पब्लिक स्कूल, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित हुई थी. इसमें भारत के 20 राज्यों की शीर्ष स्कूल टीमों के अलावा ओमान, कतर और यूएई की अंतरराष्ट्रीय टीमों ने भी भाग लिया. फाइनल में ग्रिज़ली विद्यालय ने एल.बी.एस. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रोहतक (हरियाणा) को हराकर खिताब अपने नाम किया.

टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासन, तेजी और अद्भुत समन्वय का प्रदर्शन किया. प्रशिक्षक सुनील कुमार साव के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने खेल कौशल का उच्चतम स्तर दिखाया, जबकि टीम मैनेजर बॉबी आनंद ने प्रशासनिक सहयोग में अहम भूमिका निभाई.

विजेता टीम के खिलाड़ीः अजीत कुमार, आयुष कुमार, अंश राज सिंह, समर प्रताप सिंह, अनमोल कुमार, राजदीप सोलंकी, हिमांशु कुमार, सतीश कुमार, कौशल मंडल, लक्ष राज, विकास कुमार और पियूष कुमार. इस ऐतिहासिक जीत पर विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई. निदेशक द्वय मनीष कपिसमे व अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता, सीओओ तनिष्क सेठ, प्राचार्या अंजना कुमारी सहित समस्त प्रशासनिक और शिक्षकगणों ने टीम को बधाई दी.

सभी ने विश्वास जताया कि टीम आगामी एसजीएफआई नेशनल में भी जिले और राज्य का नाम और ऊंचा करेगी.

संगठन सृजन 2025 के तहत जिला कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक हजारीबाग में संपन्न

शुभम संदेश । हजारीबाग

जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में रविवार को देर रात तक जिला कांग्रेस कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने की. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा के अगरतल्ला विधानसभा से विधायक और एआईसीसी द्वारा नियुक्त हजारीबाग जिले के पर्यवेक्षक सुदीप राय बर्मन उपस्थित थे. उन्होंने संगठन सृजन 2025 के तहत झारखंड के सभी जिलों, प्रखंडों, पंचायतों तथा बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया.

सुदीप राय बर्मन ने कहा कि इस बार संगठन में अल्पसंख्यक, ओबीसी, महिला, एसटी, एससी और युवाओं को शामिल किया जाएगा ताकि पार्टी में नया उत्साह और जोश आए. उन्होंने कहा कि वे छोटे-बड़े सभी कार्यकर्ताओं से राय लेकर एक रिपोर्ट बनाकर उच्च नेतृत्व तक पहुंचाएंगे ताकि किसी भी आम कार्यकर्ता को संगठन से वंचित न रखा जाए. उनका मानना है कि संगठन सृजन 2025 कांग्रेस के लिए मील का पत्थर साबित होगा.

पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने भी बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होते हैं. यदि संगठन मजबूत होगा तो चुनाव में जीत निश्चित है. जेपीसीसी के पर्यवेक्षक सुधीर कुमार चंद्रवंशी ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को कांग्रेस की आवश्यकता है, जहां राहुल गांधी संविधान की रक्षा में लगे हुए हैं, वहीं भाजपा के नेता संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं. दूसरे पर्यवेक्षक आलोक दुबे ने बताया कि संगठन सृजन 2025 के तहत झारखंड के सभी जिलों में युद्ध स्तर पर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और इस मिशन को सफल बनाना सभी कांग्रेसियों का कर्तव्य है.

खाद की कमी व महंगाई के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : सुफल

तमाड़। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में राहे प्रखंड कार्यालय के सामने यूरिया खाद की कमी, महंगाई, भ्रष्टाचार समेत कई जनमुद्दों को लेकर प्रदर्शन हुआ. माकपा राज्य सचिव व झारखंड किसान सभा के अध्यक्ष सुफल महतो ने कहा कि आजादी के बाद सबसे अधिक यूरिया खाद की कमी और लूट के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार है. उन्होंने किसानों को उचित सिंचाई, मुआवजा, क्रेडिट कार्ड, 200 दिन मजदूरी, वनपट्टा, और जमीन अधिग्रहण में रोक जैसी मांगें उठाईं. उन्होंने मोदी सरकार पर निजीकरण, महंगाई और बेरोजगारी का दोषी बताया. सुफल महतो ने कहा कि माकपा 1 से 15 सितंबर तक पूरे झारखंड में धरना-प्रदर्शन कर सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करेगी.

प्रधानाध्यापक पर गंभीर आरोप, कक्षा नहीं, मयखाना बना विद्यालय !

उर्दू उवि चरहू में शराब पार्टी का खुलासा

शुभम संदेश । किस्को/लोहरदगा

शिक्षा के मंदिर को शर्मसार करने वाला मामला किस्को प्रखंड के अरेया पंचायत स्थित राजकीय कृत उत्क्रमित उर्दू उच्च विद्यालय चरहू से सामने आया है. शिक्षक दिवस के नाम पर रविवार देर रात विद्यालय परिसर में शराब-मुर्गा पार्टी आयोजित की गई, जिसका संचालन खुद विद्यालय के प्रधानाध्यापक भिखराम भगत के सह पर हुआ.

ग्रामीणों ने छापेमारी कर आधा दर्जन से अधिक विद्यार्थियों को कक्षा में शराब और मुर्गा पार्टी करते पकड़ा. आरोप है कि छात्रों को विद्यालय की चाभी मुख्याध्यापक ने ही उपलब्ध कराई थी. छात्रों ने पूछताछ में यह बात स्वीकार भी की.

घटना की सूचना पर सोमवार को स्थानीय मुखिया यशोदा उरांव, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष अहमद खान, एसएमसी पदाधिकारी और ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिक्षक दिवस के बहाने छात्रों से जबरन चंदा वसूली की जाती है और गरीब छात्रों को चंदा नहीं देने पर परीक्षा से वंचित करने की धमकी दी जाती है. विद्यालय में 800 नामांकित छात्र हैं, जहां 2 सरकारी शिक्षक व 12 पारा शिक्षक कार्यरत हैं. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्कूल में कार्यक्रम बिना सूचना के कराए जाते हैं और विकास कार्य भी मनमाने तरीके से संपन्न होते हैं. इस घटना को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और उन्होंने प्रधानाध्यापक के निलंबन व तबादले की मांग की है. इस पर उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने कहा कि पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी.शिक्षा के मंदिर में इस तरह की घटना न केवल शिक्षा व्यवस्था को कलंकित करती है बल्कि छात्रों के भविष्य पर भी गंभीर प्रश्न खड़ा करती है.

बुंडू एसडीएम ने राहे अंचल व पीएचसी का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार का दिया निर्देश

राहे। बुंडू एसडीएम किस्टो कुमार बेसरा ने सोमवार को राहे अंचल कार्यालय व प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया. अंचल निरीक्षण के दौरान सीओ व कर्मियों के साथ बैठक कर कई प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की. पीएचसी में महिला डॉक्टर व मरीजों से मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली. एसडीएम ने अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई और कहा कि सभी कमियों को जल्द दूर किया जाएगा. निरीक्षण के दौरान आमजन से फीडबैक भी लिया गया.

राहे में माकपा और किसान सभा का प्रदर्शन यूरिया लूट और जनमुद्दों को लेकर सरकार को घेरा

राहे। माकपा और झारखंड राज्य किसान सभा ने सोमवार को राहे प्रखंड कार्यालय के समक्ष यूरिया खाद की किल्लत, फसल क्षति, भ्रष्टाचार और जनमुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया. मुख्य वक्ता सुफल महतो ने केंद्र सरकार पर यूरिया संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया और प्रखंड में व्याप्त समस्याओं को गिनाया. उन्होंने कहा कि 1 से 15 सितंबर तक जनमुद्दों पर स्टेट वाइड आंदोलन चलेगा. इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम 23 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया. मौके पर कई किसान नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे.

इटकी यक्ष्मा आरोग्यशाला में बाहरी बहाली का विरोध, दो दिन में समाधान नहीं हुआ, तो तालाबंदी

इटकी। यक्ष्मा आरोग्यशाला में आउटसोर्सिंग के जरिए बाहरी लोगों की नियुक्ति के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों ने सोमवार को भाजपा नेता राजकुमार तिर्की के नेतृत्व में अधीक्षक डॉ. पी.के. भगत से मिलकर विरोध जताया. ग्रामीणों ने दो दिन में नियुक्ति रद्द नहीं होने पर आरोग्यशाला में तालाबंदी कर आंदोलन की चेतावनी दी. उन्होंने मांग की कि पेशा कानून और स्थानीय नीति के तहत स्थानीयों को प्राथमिकता मिले. ग्रामीणों ने 30 अगस्त को भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर मांग पत्र सौंपा था. जनसंपर्क अभियान मंगलवार से शुरू होगा. मौके पर कई स्थानीय नेता व ग्रामीण उपस्थित थे.

इटकी में पर्यावरण को बड़ा झटका, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सैकड़ों पेड़ असामाजिक तत्वों ने काटे

इटकी। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण संरक्षण व हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से लगाए गए सैकड़ों पेड़ों को असामाजिक तत्वों ने काटकर फेंक दिया. यह पेड़ यूनिवर्सिटी निर्माण स्थल के आसपास और महुआ टोली की दिशा में लगाए गए थे. फाउंडेशन के इटकी कोऑर्डिनेटर साकेत सिंह ने सोमवार को इटकी थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा प्लॉट के चारों ओर वृक्षारोपण किया जा रहा है, जिसे लगातार नष्ट किया जा रहा है.

बच्चे के साथ मारपीट, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

गुमला। तेलगांव कोनाटोली निवासी सुखमनी उरांव ने अपने 12 वर्षीय पुत्र मोहित उरांव के साथ मारपीट का गंभीर आरोप लगाते हुए मंगरा प्रधान, मनु प्रधान और कार्तिक उरांव के खिलाफ गुमला थाना में शिकायत की. शिकायत में बताया गया कि रविवार को सुबह करीब 9 बजे उसके पति को सांप ने डसा था, इलाज के लिए वह सदर अस्पताल गईं. इसी दौरान लगभग 12 बजे मोहित बकरी खिलाने के लिए निकला था, तभी आरोपियों ने उस पर चोरी का झूठा आरोप लगाकर सामुदायिक भवन में बंद कर लाठी-डंडे से मारपीट की.

गुमला में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान हुआ तेज

लोगों का विश्वास जीतना होगा तभी मिलेगी कमान : डॉ. रघु शर्मा

शुभम संदेश । गुमला

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत गुमला जिले में कांग्रेस संगठन को सशक्त करने की दिशा में सोमवार को डुमरी, चैनपुर और जारी प्रखंडों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए गए. ये सम्मेलन क्रमशः डुमरी पंचायत भवन, चैनपुर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय, और जारी सांस्कृतिक भवन में संपन्न हुए.

सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक एवं राजस्थान के पूर्व मंत्री डॉ. रघु शर्मा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, झारखंड आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान और गुमला जिला कांग्रेस अध्यक्ष चैतू उरांव समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे.

संगठनात्मक चुनाव में पारदर्शिता का वादा : डॉ. रघु शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि जिला अध्यक्ष पद किसी नेता की सिफारिश से नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के भरोसे से मिलेगा. उन्होंने कहा, ₹अब कांग्रेस में हालात बदल रहे हैं. राहुल गांधी के नेतृत्व में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में कार्य हो रहा है. गाँव के कार्यकर्ताओं का विश्वास जीतना ही असली योग्यता होगी.डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि संगठन में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया को अपनाया गया है, जिससे कार्यकर्ताओं को निर्णय लेने की भूमिका में लाया जा सके.

भाजपा सरकार पर जमकर साधा निशाना : प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं ने जनता की कमर तोड़ दी है. नौजवान सड़कों पर हैं, किसान आंदोलनरत हैं और भाजपा सरकार सिर्फ जुमलों में व्यस्त है.

उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान का असली उद्देश्य है कि पार्टी की कमान जमीनी कार्यकर्ताओं को मिले, जिससे नेतृत्व मजबूत हो और पार्टी के भीतर लोकतंत्र कायम रहे.

पंचायत स्तर तक मजबूत होगा संगठन : झारखंड आवास बोर्ड अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने कहा कि राहुल गांधी का सपना है कि कांग्रेस का संगठन परिवार की तरह पंचायत स्तर पर काम करे. उन्होंने कहा कि "जब तक गांव का कार्यकर्ता सक्रिय नहीं होगा, तब तक संगठन की जड़ें मजबूत नहीं हो सकतीं." उन्होंने कांग्रेस को हर वर्ग के अधिकारों की रक्षक पार्टी बताया.

कार्यकर्ताओं ने दिखाई एकजुटता : गुमला जिला कांग्रेस अध्यक्ष चैतू उरांव ने सम्मेलन में भाग लेने आए कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि संगठन को हर हाल में मजबूत किया जाएगा. उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी के मिशन को सफल बनाने की अपील की. इन सम्मेलनों में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित हुए और उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी व संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया.

युवाओं की प्रतिभा को रोजगार से जोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए: उपायुक्त

शुभम संदेश । गुमला

उद्योग और श्रम एवं नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मुहैया कराने और सरकार के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए. बैठक में उपायुक्त ने कहा कि युवा शक्ति ही देश की प्रगति का मूल आधार है, इसलिए उनकी प्रतिभा को रोजगार से जोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए. उद्योग विभाग के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, पीएमएफएमई और पीएमईजीपी जैसी रोजगार उत्पन्न करने वाली योजनाओं की जानकारी दी. उपायुक्त ने योग्य अभ्यर्थियों के आवेदन समय पर बैंक को भेजने और उनका त्वरित स्वीकृति सुनिश्चित करने पर जोर दिया. इस संदर्भ में एलडीएम एवं डीईसी के जीएम को जिले के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों से समन्वय स्थापित कर आवेदन प्रक्रिया में तेजी लाने और रोजगार सृजन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.

श्रम विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को नियमित रोजगार कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि युवाओं को सीधे रोजगार के अवसर मिल सकें. उन्होंने यह भी कहा कि जिले के सभी निबंधित श्रमिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे चिकित्सा सहायता, मातृत्व योजना एवं अन्य लाभों का पूरा लाभ मिले, इसके लिए प्रचार-प्रसार अभियान चलाना अनिवार्य है. किसी भी श्रमिक को इन सुविधाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए. बैठक में श्रम निबंधन पोर्टल पर श्रमिकों को निबंधन कराने के लिए भी प्रेरित करने का निर्देश दिया गया. इससे संगठित और असंगठित दोनों श्रमिक वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा.

जिला नियोजन अधिकारी ने जानकारी दी कि आगामी 16 सितंबर को गुमला में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे. बैठक में नियोजन पदाधिकारी, उद्यमी समन्वयक, श्रम नियोजन पदाधिकारी, एलडीएम, डीपीएम समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे. इस बैठक ने युवाओं को रोजगार से जोड़ने और जिले में समग्र विकास के लिए एक मजबूत दिशा प्रदान की है.

दिव्यांग लाभुकों के बीच ट्राइसाइकिल का वितरण

गुमला । उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने सोमवार को समाहरणालय परिसर में जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से चयनित और अनुमोदित नौ दिव्यांग लाभुकों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि दिव्यांग नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं और सहयोग उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है. उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आगे भी जरूरतमंद दिव्यांग नागरिकों को हर संभव सहायता समय पर प्रदान की जाएगी. मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल का वितरण जनता दरबार में दिव्यांग नागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदनों के आधार पर किया गया है. इससे दिव्यांगों की आवाजाही में सुविधा होगी और वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक आसानी से पूरा कर पाएंगे. इस मौके पर उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने सभी लाभुकों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को भी समझा. उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से निरंतर प्रयास किए जाने की बात कही ताकि दिव्यांग जनों के जीवन स्तर में सुधार हो सके. यह पहल समाज कल्याण विभाग और जिला प्रशासन की दिव्यांग कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो उनके सशक्तिकरण और सामाजिक समावेशन के लिए महत्वपूर्ण कदम है.

गोरखधंधा

बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार, माफियाओं में मचा हड़कंप

बिना लाइसेंस ट्रैक्टर से हो रहा था बालू का कारोबार

शुभम संदेश । गुमला

जिले में अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है. सोमवार को गुमला पुलिस ने एनजीटी (राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण) के आदेशों का पालन करते हुए तीन अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया और तीनों चालकों को हिरासत में ले लिया. कार्रवाई के बाद बालू माफियाओं और ट्रैक्टर मालिकों के बीच हड़कंप मच गया है.

जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई कि किसी भी ट्रैक्टर चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था. इसके बावजूद ट्रैक्टर मालिक, बिना लाइसेंसधारी चालकों से अवैध तरीके से बालू की ढुलाई करवा रहे थे. यह स्थिति न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है.

गौरतलब है कि गुमला जिले में हर साल की तरह इस बार भी 10 जून से 15 अक्टूबर तक मानसून अवधि में एनजीटी का आदेश प्रभावी है. इसका उद्देश्य मानसून में नदियों से बालू खनन पर रोक लगाना है ताकि जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखा जा सके. इसके बावजूद जोलो कोयल नदी घाट, मरदा नदी घाट और वृंदा के सलया टोली घाट से लगातार अवैध बालू उत्खनन और परिवहन की खबरें आ रही हैं.

खनन पदाधिकारी विभूति कुमार ने स्पष्ट किया कि एनजीटी आदेश मुख्यतः वन आश्रयणी क्षेत्रों में लागू है, जिसकी निगरानी वन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है. लेकिन पुलिस विभाग ने भी इस दिशा में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है.

इस कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे एसआई संजीवन उरांव ने बालू लदे ट्रैक्टरों को जब्त कर थाना लाया और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की. इधर, एसपी द्वारा मासिक समीक्षा बैठक में भी बालू और पत्थर के अवैध खनन पर सख्ती से कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था.

यह कार्रवाई प्रशासन की सक्रियता और अवैध कारोबार पर लगाम लगाने की दिशा में एक कड़ा संदेश है. अब देखना यह होगा कि वन विभाग और खनन विभाग इस अभियान को किस हद तक संगठित और सतत रूप से आगे बढ़ाते हैं.

एक नजर

पुलिस ने ढोल-नगाड़ों के साथ इश्तहार चिपकाकर फरार अभियुक्त को समर्पण के लिए किया दबाव

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के पेशरार गाँव में पुलिस ने फरार अभियुक्त सुजीत उरांव को पकड़ने के लिए अनोखा तरीका अपनाया. कांड संख्या 05/2022 के आरोपी सुजीत उरांव के खिलाफ कोर्ट से स्थाई वारंट जारी है. पुलिस उप-निरीक्षक विजय उरांव के नेतृत्व में थाना टीम ने सुजीत के घर पर ढोल-नगाड़ों के साथ इश्तहार चिपकाया और लाउडस्पीकर से घोषणा की. इस दौरान पूरे गाँव में सनसनी फैल गई और लोग जमा हो गए. पुलिस ने स्पष्ट किया कि अगर सुजीत जल्द आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो उनकी संपत्ति कुर्क कर दी जाएगी. इस अनूठे तरीके का मकसद फरार अपराधियों पर दबाव बनाकर उन्हें कानून के सामने लाना है. पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि सुजीत के खिलाफ जल्द ही कुर्की की कार्रवाई शुरू की जाएगी. इस कार्रवाई से इलाके में कानून व्यवस्था के प्रति गंभीरता का संदेश गया और फरार अपराधियों के लिए सख्त संकेत मिला.

सोसाइटी के लोगों ने की शराब दुकान हटाने की मांग, डीसी को दिया आवेदन

रांची। शहर के मोराबादी स्थित किंग सेफायर वेलफेयर सोसाइटी के लोगों ने सोसाइटी से सटे शराब दुकान हटाने को लेकर डीसी को पत्र लिखा है. दिये आवेदन के अनुसार ब्राहमाणी इंटरप्राइजेज के नाम से शराब दुकान की बंदोबस्ती की गई है. यह दुकान सोसाइटी से सटा हुआ है. वहीं मंदिर का प्रांगण भी सटा है. जिसमें मंदिर और दुकान का दीवार एक ही है. सुबह स्कूल जानेवाली बसों का स्टापेज दुकान के सामने ही पड़ता है. लोगों को बस पकड़ने या बच्चों को छोड़ने के लिए वहीं आना पड़ता है. सुबह और शाम प्रति दिन काफी संख्या में आसपास के लोग टहलने आते हैं. वहीं शराब दुकान के बगल में पवित्र दुर्गा मंदिर और आदिवासियों का सरना स्थल भी है. इससे धार्मिक आस्था को चोट पहुंचती है. इसे लेकर आदिवासियों का विरोध भी लंबे समय से जारी है. लोगों की मांग है कि शराब की दुकान की बंदोबस्ती रद्द की जाय या इसे स्थानांतरित किया जाय.

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन का दो दिवसीय अधिवेशन संपन्न

रांची। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. महासंगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष साहू मुरारी गुप्ता एवं मध्य प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष आरती साहू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सामाजिक न्याय, आरक्षण नीति में सुधार, शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी समेत नौ महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए. राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरारी गुप्ता ने प्रेस वार्ता में बताया कि झारखंड सहित पूरे देश के तेली साहू समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए महासंगठन सड़क से लेकर संसद तक आवाज बुलंद कर रहा है. जल्द ही उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में देश स्तरीय तेली समाज का महाकुंभ सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. लोकहित अधिकार पार्टी, जो वंचित और उपेक्षित वर्गों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय है, झारखंड और उत्तर प्रदेश में चुनावी मजबूती दिखा रही है.

करौंदी गांव में कुएं में डूबने से युवक की मौत

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के करौंदी गांव में सोमवार को नहाने के दौरान पैर फिसलने से 32 वर्षीय प्रेम साहू की मौत हो गई. वह अपने बच्चों के साथ घर के समीप स्थित कुएं में नहाने गया था. जानकारी के अनुसार पानी भरते समय उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गया. काफी देर तक ऊपर नहीं आने पर बच्चों ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे. स्थानीय लोगों ने झागड़ की मदद से युवक को कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. घटना की सूचना मिलते ही एसआई हेमा देवी घटनास्थल पर पहुंचीं और कानूनी प्रक्रिया शुरू की. हालांकि, परिजन पोस्टमार्टम कराने को तैयार नहीं हुए. आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. गांव में घटना को लेकर शोक का माहौल है.

हर शनिवार से जिले में मनेगा अंचल थाना दिवस

लोहरदगा । जिले के सभी अंचलों में अब हर शनिवार को अंचल थाना दिवस मनाया जाएगा. इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर भूमि विवाद और संबंधित विधि-व्यवस्था की समस्याओं का त्वरित और सुलभ समाधान करना है. कार्यक्रम का आयोजन संबंधित अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी के समन्वय से किया जाएगा. इस दौरान डालसा की ओर से विधिक सहायता और सुझाव भी प्रदान किए जाएंगे. कार्यक्रम के वरीय प्रभार में लोहरदगा के अपर समाहर्त्ता होंगे. ₹अंचल थाना दिवस₹ में प्राप्त समस्याओं के निदान और वैधानिक सुझावों पर कार्यवाही की जाएगी.

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

गुमला । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने सोमवार को गुमला के चंदाली स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा, रखरखाव और वेयरहाउस की समग्र व्यवस्था का गंभीरता से जायजा लिया. निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन यंत्रों, विद्युत आपूर्ति, बैलेट यूनिट हॉल, सीलिंग, डबल लॉक सिस्टम और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच की. साथ ही उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए.

गुमला में छात्र के कमरे से चोरी, नौ हजार रुपये और घरेलू सामान हुआ पार, जांच में जुटी पुलिस

गुमला । गुमला शहरी क्षेत्र के अंबेडकर नगर में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई कर रहे छात्र उत्तम राम के कमरे से घरेलू उपयोग के सामान और नौ हजार रुपये नगद चोरी हो गए. उत्तम राम, जो सिसई थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और एसएस प्लस टू हाई स्कूल में इंटर की पढ़ाई करते हैं, ने सोमवार को गुमला थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई. उन्होंने बताया कि उन्होंने रविवार, 6 जुलाई को अपना कमरा बंद कर घर गया था. लौटने पर सोमवार को कमरे का सामान बिखरा हुआ पाया और सिलेंडर गैस समेत कई अन्य सामान गायब थे. साथ ही नौ हजार रुपये नगद भी चोरी हो गए थे. छात्र ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द चोरों को पकड़ने का प्रयास कर रही है.

कनक ज्वेलर्स गोलीकांड का आठवां आरोपी रॉबिन टोप्पो गिरफ्तार, भेजा गया जेल

गुमला । शहर के मेन रोड स्थित कनक ज्वेलर्स में लूट के प्रयास और संचालक प्रकाश कुमार को गोली मारने के मामले में पुलिस ने अंतिम एवं आठवें आरोपी रॉबिन टोप्पो को गिरफ्तार कर लिया है. उसे सोमवार को जेल भेज दिया गया. रॉबिन की गिरफ्तारी पलामू के चैनपुर बाजार से की गई, जहां वह छिपा हुआ था. एसआई राजेंद्र मंडल के नेतृत्व में की गई तकनीकी जांच और चैनपुर थाना पुलिस की मदद से यह गिरफ्तारी संभव हो सकी. रॉबिन टोप्पो चैनपुर थाना क्षेत्र के अटकाही गांव का निवासी है और टेंपो चालक है. उसी के टेंपो से सभी अपराधी गुमला आए थे और इसी में बैठकर कनक ज्वेलर्स को लूटने की योजना बनाई गई थी. ज्ञात हो कि 30 जुलाई 2024 को सुबह 10 बजे हथियारबंद अपराधियों ने ज्वेलर्स की दुकान में घुसकर लूट का प्रयास किया था. विरोध करने पर संचालक प्रकाश कुमार को गोली मार दी गई थी, जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट आई थी. इस कांड में पहले ही गोलडेन कुमार उर्फ गोलडेन पासवान, कमेश यादव, सुरेंद्र बिसनोई, मोनू सोनी उर्फ बुकिंग बोकिया, आनंद सोनी, ललन भुइंया उर्फ अर्जुन सिंह और विशाल चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है.

पूर्व रेलवे

सं.: ओ–एसी–टी–92–25–26 (खुली), दिनांक 05.09.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: **केस सं. ओ–एसी–टी–92–25–26, कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के तहत स्टैंडर्ड ट्रॉली रिफ्यूज के प्रावधान एवं फिक्स करने, सैंड हम्प की मरम्मत तथा रिलीज पी.वे सामग्री आदि की स्टैकिंग के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु.1,48,52,388.08, **बयाना राशि:** रु. 2,24,300/–, **कार्य की समापन अवधि:** 06 माह। **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 06.10.2025 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। ASN-181/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मंथन

गर्ल्स हॉस्टल की आड़ में सेक्स का धंधा खतरनाक

राजधानी रांची में पुलिस द्वारा लालपुर थाना क्षेत्र स्थित ओम गर्ल्स हॉस्टल में रेड कर बड़े देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ करना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है. पुलिस की कार्रवाई में 11 युवतियों समेत 13 लोगों को पकड़ा गया है. यह घटना न केवल घोर अपराध का मामला है, बल्कि यह युवाओं की सुरक्षा और सामाजिक मूल्यों पर भी सीधा हमला है. पुलिस डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सही कहा कि देह व्यापार गिरोह लगातार अपना ठिकाना बदलकर सक्रिय हैं. हाल के दिनों में होटलों से चल रहे रैकेट पर कार्रवाई के बाद अब हॉस्टलों को ठिकाना बनाना बताता है कि अपराधी कितने संगठित और चालाक हैं. इससे यह भी स्पष्ट होता है कि ऐसे रैकेट में स्थानीय स्तर पर सहयोगियों की भूमिका होती है, जो अपराध को पनाह देते हैं. यह मामला पुलिस और प्रशासन के लिए गहन जांच का विषय है कि क्या हॉस्टल संचालक की इसमें मिलीभगत थी या नहीं. यदि वह शामिल पाया जाता है तो कड़ी कार्रवाई अनिवार्य है, ताकि भविष्य में ऐसे अपराधों के लिए हॉस्टलों का इस्तेमाल न हो सके.समाज के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है. बेरोजगारी, गरीबी और धोखे से बहकावे में आकर कई युवतियां ऐसे धंधों में धकेली जाती हैं. इसलिए केवल कानूनी कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं, बल्कि पुनर्वास और जागरूकता की दिशा में भी ठोस कदम जरूरी हैं. रांची पुलिस की यह कार्रवाई सराहनीय है, पर स्थायी समाधान के लिए समाज, प्रशासन और न्यायपालिका को मिलकर ऐसी प्रवृत्तियों पर रोक लगानी होगी. यह केवल कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक स्वास्थ्य का भी प्रश्न है.

नजरिया

भारत और रूस की दोस्ती की भाषा अब हिंदी बनेगी

भारत-रूस की दोस्ती दशकों पुरानी है, जिसने समय-समय पर हर चुनौती को मजबूती से झेला है. आज जब वैश्विक राजनीति नई करवटें ले रही, रूस द्वारा अपनी यूनिवर्सिटीज में हिंदी को बढ़ावा देना इस रिश्ते का नया आयाम है. उच्च शिक्षा के उप मंत्री कॉन्स्टेंटिन मोगिलेव्स्की का यह बयान कि भारत को समझने के लिए हिंदी सीखना जरूरी है, इसकी गहरी सोच को उजागर करती है.भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और यहां के लोग अंग्रेजी से अधिक हिंदी में संवाद करना पसंद करते हैं. ऐसे में रूस के युवाओं का हिंदी सीखना दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक पुल का काम करेगा. मॉस्को से लेकर सेंट पीटर्सबर्ग व कजान तक हिंदी के बढ़ते क्लास रूम इस बात के प्रमाण हैं कि यह पहल औपचारिकता नहीं, बल्कि वास्तविक रुचि और दीर्घकालिक दृष्टि है.जब अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर दबाव बनाया और टैरिफ बढ़ाए, तब भी भारत ने पुराने मित्र रूस का साथ निभाया. विदेश मंत्री जयशंकर का यह कथन कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत-रूस संबंध सबसे स्थिर रहे हैं, बिल्कुल सटीक है.रूस का हिंदी को बढ़ावा देना महज एक भाषा का सम्मान नहीं, बल्कि यह संदेश है कि रिश्ते केवल रणनीति या व्यापार पर नहीं, बल्कि दिलों और संस्कृतियों के जुड़ाव पर भी टिके होते हैं. आने वाले वर्षों में यह पहल दोनों देशों की दोस्ती को और गहरा करेगी, और यह दोस्ती दुनिया के लिए मिसाल बनी रहेगी.

पितरों के प्रति श्रद्धा और संस्कृति की अनंत परंपरा

राजेंद्र बहादुर सिंह

पितृपक्ष यानी श्राद्ध पक्ष भारतीय सांस्कृतिक बोध का बड़ा अनुष्ठान.

भारतीय संस्कृति का यह अनमोल पर्व पितृपक्ष हमें यही सिखाता है कि हमारी परंपराएं रूढ़ि नहीं, बल्कि जीवन को गहराई और अर्थ प्रदान करने वाली धरोहर है. अब तो इसके तमाम वैज्ञानिक कारण भी हमारे सामने आ चुके हैं.

भारत की सांस्कृतिक धारा इतनी विस्तृत व गहन है कि उसमें जीवन और मृत्यु दोनों के रहस्यों की व्याख्या मिलती है. इसकी यही विशेषता है कि यहां केवल वर्तमान-भविष्य नहीं, बल्कि अतीत और स्मृति को भी उतना ही स्थान प्राप्त है. भारतीय परंपरा का हर पर्व और अनुष्ठान किसी गहरे सांस्कृतिक बोध से जुड़ा है. इन्हीं में से एक है पितृपक्ष, जिसे श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है. भाद्रपद पूर्णिमा से शुरू होकर आश्विन अमावस्या तक चलने वाला यह कालखंड भारतीय समाज में विशेष महत्त्व रखता है. यह केवल धार्मिक आचरण नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने, पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सांस्कृतिक मूल्यों को याद करने का समय है. पितृपक्ष का शाब्दिक अर्थ है-पितरों को समर्पित पक्ष. हिंदू परंपरा में यह विश्वास है कि इस दौरान हमारे पूर्वज धरती पर आते हैं और वंशजों को आशीर्वाद देते हैं.

यह मान्यता केवल धार्मिक आस्था भर नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है. जिस प्रकार वृक्ष अपनी जड़ों से रस लेकर हरा-भरा रहता है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपने पूर्वजों की स्मृति व आशीष से शक्ति और संतुलन पाता है. श्राद्ध शब्द की व्युत्पत्ति ही श्रद्धा से हुई है. इसका उद्देश्य केवल कर्मकांड, बल्कि सच्चे मन से पूर्वजों को स्मरण करना और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करना है. इस दौरान जल, अन्न और तिल अर्पित कर पूर्वजों की आत्मा की तृप्ति की जाती है. गरुड़ पुराण, महाभारत और अन्य ग्रंथों में श्राद्ध और तर्पण का विस्तृत उल्लेख है. लोकविश्वास है कि इस अवधि में किए गए तर्पण और दान से पितरों की आत्मा संतुष्ट होती है और वे अपने वंशजों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं.

हिंदू दर्शन जीवन और मृत्यु को निरंतर प्रवाह मानता है. शरीर नश्वर है, किंतु आत्मा शाश्वत है. पितृपक्ष इसी सत्य की गहन स्मृति दिलाता है. गीता में भी पितृयज्ञ को मनुष्य के पांच महायज्ञों में से एक कहा गया है. इसका तात्पर्य है कि पूर्वजों का स्मरण केवल निजी आस्था का विषय नहीं, बल्कि यह सामाजिक कर्तव्य भी है.यदि धार्मिक परंपराओं से परे देखा जाए, तो पितृपक्ष को सांस्कृतिक अनुशासन कहा जा सकता है. यह वह समय है जब पूरा परिवार एकत्र होकर पूर्वजों की स्मृति में अनुष्ठान करता है. यह सामूहिकता पारिवारिक एकता को मजबूत करती है और पीढ़ियों के बीच गहरे रिश्ते बनाए रखती है. आज के समय में जब परिवारों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, संयुक्त परिवार टूट रहे हैं और बुजुर्गों के अनुभव को पर्याप्त महत्त्व नहीं मिल पा रहा है, तब पितृपक्ष की परंपरा और भी आवश्यक प्रतीत होती है. हमारी अस्मिता और पहचान तभी सुरक्षित रह सकती है जब हम अपने अतीत से जुड़े रहें.

भारतीय परंपराएं केवल आध्यात्मिक आचरण तक सीमित नहीं हैं. उनमें सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश भी गहराई से निहित होता है. श्राद्ध काल में ब्राह्मण, गौ, कुत्ते, कौए और अन्य जीवों को अन्न अर्पित करने की प्रथा इसी भावना का प्रमाण है. यह केवल धार्मिक विधान नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के हर घटक को परिवार का हिस्सा मानने की परंपरा है. कौए को पितरों का प्रतीक मानकर अन्न डालना जैव विविधता और साझा जीवन के प्रति सम्मान का संकेत है. यह हमें सिखाता है कि समाज केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं, बल्कि समस्त प्राणी-जगत उसकी परिधि में आता है.आधुनिक समाज में परंपराओं के प्रति उपेक्षा की प्रवृत्ति भी बढ़ी है.

विज्ञान और तर्क की आड़ में कई लोग इन्हें अंधविश्वास मानकर नकार देते हैं. किंतु यह दृष्टिकोण अधूरा है. पितृपक्ष केवल अंधविश्वास नहीं, बल्कि आत्म-जागरूकता और स्मृति का पर्व है. इसके माध्यम से हम अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेते हैं और यह समझते हैं कि परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन भी है. जब हम अपने पितरों का स्मरण करते हैं, तो दरअसल हम उस यात्रा को याद करते हैं, जिसके सहारे हमारी संस्कृति आज यहां तक पहुंची है.वर्तमान समय में समाज में संवाद की कमी, अकेलेपन की समस्या और बुजुर्गों की उपेक्षा जैसी चुनौतियाँ सामने आ रही हैं. ऐसे में पितृपक्ष का महत्व और भी बढ़ जाता है. यह पर्व हमें सामूहिकता, पारिवारिकता और सांस्कृतिक आत्मीयता का महत्व बताता है. यह अवसर हमें सिखाता है कि परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं, बल्कि वह जीवंत परंपरा है जिसमें अतीत, वर्तमान और भविष्य एक सूत्र में बंधे होते हैं.

पितृपक्ष का संदेश यही है कि हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें. पूर्वजों की स्मृति को सम्मान दें और उनके अनुभवों से सीखें. यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में केवल भौतिक उपलब्धियाँ ही पर्याप्त नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों की विरासत भी उतनी ही जरूरी है. जब हम अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं, तो हम दरअसल उस नैतिक शक्ति को संजोते हैं, जो हमें जीवन की कठिनाइयों से उबरने की प्रेरणा देती है.भारत की यह अनोखी परंपरा केवल धार्मिक विश्वास तक सीमित नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक और मानवीय मूल्य की ओर संकेत करती है. यह हमें यह भी बताती है कि मनुष्य तभी संतुलित रह सकता है जब वह अपनी जड़ों से जुड़ा रहे और उन्हें आत्मसात करे.

आधुनिकता और उपभोक्तावाद की तेजी से बदलती दुनिया में पितृपक्ष हमें स्थिरता, आत्मचेतना और कृतज्ञता का बोध कराता है.अंततः कहा जा सकता है कि पितृपक्ष केवल पितरों का स्मरण भर नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है. यह पीढ़ियों की निरंतरता, पारिवारिक एकता और समाज की सामूहिक चेतना का प्रतीक है. जब हम अपने पूर्वजों को स्मरण करते हैं, तो यह केवल अतीत को याद करना नहीं होता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना भी होता है. भारतीय संस्कृति का यह अनमोल पर्व हमें यही सिखाता है कि परंपराएं रूढ़ि नहीं, बल्कि जीवन को गहराई और अर्थ प्रदान करने वाली धरोहर हैं.

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं.)

आज का इतिहास

1893 : शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद का कट्टरता, सहिष्णुता व सभी धर्मों की अच्छाइयों पर ऐतिहासिक भाषण.
1895 : गांधीवादी नेता विनोबा भावे का जन्म.
1906 : महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह आन्दोलन आरंभ किया.
1919 : अमेरिका ने होंडुरास पर आक्रमण किया.
1922 : मेलबर्न में सचित्र दैनिक समाचार पत्र द सन न्यूज पेक्टोरियल की शुरूआत.
1948 : भारत के प्रमुख नेता और मुस्लिम लीग के अध्यक्ष मुहम्मद अली जिन्ना का निधन.
1961 : विश्व वन्यजीव कोष की स्थापना.
2001: आतंकियों का न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला जिसमें 2977 लोगों की मौत हुई.
2003 : चीन के विरोध के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश तिब्बत के धार्मिक नेता दलाई लामा से मिले.
2005 : गाजा पट्टी में 38 साल से जारी सैन्य शासन समाप्त करने की घोषणा.

मूर्ख राजा का चालाक मंत्री

चिंतन

एक समय की बात है दियत्स नाम की नगरी एक नदी किनारे बसी थी. वहां का राजा मूर्ख और सनकी था. एक दिन राजा अपने मंत्री के साथ नदी के किनारे टहल रहा था. तभी मंत्री से पूछा, मंत्री बताओ यह नदी किस दिशा की ओर बहकर जाती है? महाराज, यह पूर्व दिशा की ओर बहती है और समुद्र में मिल जाती है. मंत्री ने कहा. राजा बोला, यह नदी हमारी है, और इसका पानी भी हमारा है, क्या बाकी देश इसके पानी का उपयोग करते हैं.जी, महाराज, जब नदी उधर बहती है तो करते ही होंगे. मंत्री ने कहा. राजा बोला,जाओ नदी पर दीवार बनवा दो, और सारा पानी रोक दो, हम नहीं चाहते है कि बाकी देश को पानी दिया जाए.लेकिन, महाराज इससे हमे ही नुकसान होगा. मंत्री बोला. नुकसान तो हमारा हो रहा, हमारा पानी बाकी देश मुफ्त में ले रहे हैं. मेरी आज्ञा का पालन करो. राजा गुस्से में बोला. मंत्री कारीगरों को बुला लाया और नदी पर दीवार बनाने बनने लगी. कुछ ही दिनों में दीवार तैयार हो गयी. राजा खुश हुआ. पर कुछ समय बाद नदी का पानी शहर में घुसने लगा. लोग मंत्री के पास आए.मंत्री ने आश्वासन दिया की वह सब कुछ ठीक कर देगा. मंत्री ने योजना बनाई. महल में एक घंटा बजाने वाला रहता था. मंत्री ने उस आदमी को आदेश दिया कि वह रात को जितना समय हो उसका दोगुना घंटा बजाए. आदमी ने ऐसा ही किया. जब रात के तीन बजे तो उसने 6 बार घंटा बजाया. घंटा बजते ही लोग उठ गए. राजा भी बाहर आ गया. वहा मंत्री मौजूद था, राजा ने मंत्री से पूछा, मंत्री अभी तक सुबह नहीं हुई है क्या? और सूरज अभी तक निकला क्यों नहीं है? मंत्री ने कहा, महाराज सुबह तो हो गई है, परन्तु सूरज नहीं निकला, क्योंकि सूरज पूरब की ओर से निकलता है, शायद पूरब के देशों ने सूरज को रोक दिया क्योंकि हमने उनका पानी रोक दिया, इसीलिए अब यहां कभी सूरज नहीं निकलेगा. राजा बोला,क्या अब कभी भी हमारे देश में सूरज नहीं निकलेगा? इसका उपाय बताओ मंत्री? महाराज, यदि आप नदी का पानी छोड़ दें, तो शायद वे भी सूरज छोड़ देंगे. मंत्री ने कहा. राजा ने तुरंत नदी की दीवार गिरवा दी. जैसे ही दीवार टूटी सूर्योदय का समय हो चुका था. सूरज को उगता देख राजा खुश हुआ.मंत्री को ईनाम दिया. और कहा,तुम्हारी वजह से आज हम फिर सूरज को देख पाए हैं.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #InternationalLiteracyDay
2. #मिशन_रोजगार_यूपी
3. #MondayMotivation
4. #RishiPrasad
5. #Kulgam
6. Sankarshan Thakur
7. Adhyatmik Patrika
8. Gyaan Ka Prakash
9. ZOUIS
10. भूपेन हजारिका

बहुरंग

'बॉर्डर 2' की स्टारकास्ट में शामिल हुईं सोनम बाजवा

आने वाले महीनों में बॉलीवुड में कई बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने जा रही हैं. इनमें सबसे ज्यादा चर्चा जिस फिल्म की हो रही है, वह है 'बॉर्डर 2'. यह फिल्म न सिर्फ दर्शकों के लिए एक सिनेमैटिक अनुभव होगी, बल्कि उन सभी सिनेप्रेमियों के लिए खास मायने रखती है, जिन्हें देशभक्ति से जुड़ी फिल्में बेहद पसंद हैं. सालों पहले आई जेपी दत्ता की 'बॉर्डर' ने भारतीय सिनेमा में देशभक्ति फिल्मों का एक नया अध्याय रचा था. अब उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए 'बॉर्डर 2' बनाई जा रही है. फिल्म के स्टारकास्ट को लेकर लंबे समय से चर्चाएं हो रही थीं. पहले से ही यह तय था कि इसमें सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.

अब फिल्म को लेकर एक और बड़ी अपडेट सामने आई है. फिल्म में मशहूर पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा की धमाकेदार एंट्री हो चुकी है. सोनम को फिल्म में साइन कर लिया गया है और वह इसमें दिलजीत दोसांझ की प्रेमिका का किरदार निभाती दिखाई देंगी. यानी दर्शकों को इस फिल्म में दिलजीत और सोनम की ऑन-स्क्रीन रोमांटिक केमिस्ट्री भी देखने को मिलेगी. दिलजीत की हीरोइन की तलाश पिछले कई महीनों से चल रही थी और अब जाकर वह तलाश पूरी हो गई है. सोनम बाजवा का नाम पंजाबी और हिंदी फिल्मों की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में शुमार है. उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट पंजाबी फिल्मों में काम किया है और उनके लाखों-करोड़ों प्रशंसक हैं. उनकी मौजूदगी से 'बॉर्डर 2' में एक नया आकर्षण जुड़ गया है. वहीं, फिल्म में वरुण धवन की जोड़ी अभिनेत्री मेधा राणा के साथ बनाई गई है. दोनों के बीच की फ्रेश केमिस्ट्री भी दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगी. 'बॉर्डर 2' का निर्देशन कर रहे हैं जाने-माने फिल्ममेकर अनुराग सिंह, जो पहले भी कई बेहतरीन फिल्में बना चुके हैं. देशभक्ति और एक्शन ड्रामा को एक साथ परोसने की उनकी शैली दर्शकों को हमेशा प्रभावित करती रही है. उम्मीद है कि 'बॉर्डर 2' भी उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी. निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट भी तय कर दी है. यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के खास मौके पर यानी 22 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. रिलीज की यह तारीख भी बेहद खास है क्योंकि देशभक्ति से जुड़ी फिल्म को इससे बेहतर दिन और क्या मिल सकता है.

'कृष' की तैयारियों पर राकेश रोशन बोले-

शूटिंग 2026 में शुरू होगी और 2027 में रिलीज की जाएगी

- स्क्रिप्ट लिखने में ज्यादा वक्त नहीं लगा, लेकिन बजट को लेकर चुनौतिया थीं

ऋतिक रोशन की सुपरहिट सुपरहीरो फ्रेंचाइजी 'कृष' को लेकर दर्शकों का जो उत्साह है, वह हर बार के साथ और भी बढ़ता चला गया है. जब से 'कृष 4' की आधिकारिक घोषणा हुई है, फैंस का जोश सातवें आसमान पर है. लंबे समय से इंतजार की जा रही इस फिल्म के बारे में हर नई जानकारी तुरंत सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर लेती है. खास बात यह है कि इस बार फिल्म के निर्देशन की कमान खुद ऋतिक रोशन संभालने जा रहे हैं. यानी, सुपरहीरो के रूप में दर्शकों का दिल जीतने वाले ऋतिक अब निर्देशक के तौर पर भी अपनी नई पारी की शुरुआत करेंगे.

अब इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर एक बड़ी और पक्की खबर सामने आई है. ऋतिक के पिता और दिग्गज फिल्मकार राकेश रोशन ने खुद 'कृष 4' की रिलीज और शूटिंग से जुड़ा अपडेट शेयर किया है. राकेश रोशन ने बताया कि फिल्म की शूटिंग साल 2026 में शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है. उन्होंने यह भी कहा कि स्क्रिप्ट लिखने में ज्यादा वक्त नहीं लगा, लेकिन बजट को लेकर चुनौतिया थीं. अब जब प्रोडक्शन टीम को पूरे बजट का साफ अंदाजा हो गया है, तो फिल्म को लेकर तैयारी तेज कर दी गई हैं.

राकेश रोशन ने कहा, स्क्रिप्ट हमारे पास काफी समय से थी, बस बजट का दबाव था. अब सब कुछ तय हो चुका है और हमारी योजना अगले साल के मध्य तक शूटिंग शुरू करने की है. हम चाहते हैं कि 'कृष 4' साल 2027 तक बड़े पर्दे पर दर्शकों के सामने आए. अगर फ्रेंचाइजी के इतिहास की बात करें, तो इसकी शुरुआत साल 2003 में फिल्म 'कोई मिल गया' से हुई थी, जिसने बॉलीवुड को पहली बार एक देसी सुपरहीरो की झलक दी. यहीं से कृष की शुरुआत हुई और इसके बाद साल 2006 में आई 'कृष' यानी यह अलगी फिल्म थी और फिर 2013 में 'कृष 3' रिलीज हुई. तीनों ही फिल्मों को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला और हर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया.

बॉक्स ऑफिस पर 'बागी 4' की कमाई ने पकड़ी रफ्तार

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बागी 4' 05 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म को जहां समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, वहीं दर्शकों ने भी टाइगर के दमदार एक्शन और कहानी की सराहना की है. रिलीज के पहले दिन से ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन कर रही है. अब इसके तीसरे दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जिनमें बढ़ोतरी दर्ज की गई है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'बागी 4' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को लगभग 10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. फिल्म ने पहले दिन 12 करोड़ रुपये की दमदार शुरुआत की थी, जबकि दूसरे दिन इसका कारोबार घटकर 9.25 करोड़ रुपये पर आ गया था. इस तरह, तीन दिनों में फिल्म की कुल कमाई 31.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है. उल्लेखनीय है कि 'बागी 4' का निर्माण करीब 70 करोड़ रुपये के बजट में किया गया है. 'बागी 4' का निर्देशन ए. हर्ष ने किया है, जो 'बजरंगी' और 'वेधा' जैसी हिट कन्नड़ फिल्मों के लिए मशहूर हैं. फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है. इस बार टाइगर श्रॉफ के अपोज़िट पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज़ संधू नजर आ रही हैं, जिन्होंने इसी फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया है. वहीं, संजय दत्त फिल्म में एक खतरनाक विलेन का किरदार निभा रहे हैं और अभिनेत्री सोनम बाजवा भी अहम भूमिका में दिखाई दे रही हैं.

'किंग' के सेट से लीक हुआ सुहाना खान का लुक

शाहरुख खान की आने वाली फिल्म 'किंग' इस समय बॉलीवुड की सबसे ज्यादा चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में गिनी जा रही है. दर्शक न सिर्फ इसलिए उत्साहित हैं क्योंकि यह शाहरुख की अगली बिग-बजट फिल्म है, बल्कि इसलिए भी क्योंकि इसमें पहली बार वह अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं. पिता-बेटी की यह जोड़ी पर्दे पर किस तरह की केमिस्ट्री पेश करेगी, इसे देखने के लिए फैंस बेहद उत्सुक हैं. फिल्म की शूटिंग पहले से ही शुरू हो चुकी है और सेट से लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं. कुछ दिन पहले शाहरुख का लुक लीक हुआ था, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था. अब उसी कड़ी में फिल्म 'किंग' के सेट से सुहाना खान का लुक भी लीक हो गया है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर में सुहाना कैमरे के सामने खड़ी होकर शूटिंग करती हुई नजर आ रही हैं. इस तस्वीर ने फैंस के बीच उत्साह और भी बढ़ा दिया है. यह साफ है कि सुहाना अपनी पहली बड़े पर्दे की फिल्म में एक दमदार और ग्लैमरस अंदाज़ में दिखाई देंगी. फिल्म की स्टारकास्ट भी किसी ब्लॉकबस्टर से कम नहीं है. दीपिका पादुकोण फिल्म में अहम भूमिका निभा रही हैं. वह शाहरुख खान की पूर्व प्रेमिका का किरदार निभाती नजर आएंगी, जो कहानी में एक दिलचस्प मोड़ लेकर आएगा. वहीं अभिषेक बच्चन फिल्म के मुख्य विलेन के तौर पर नज़र आएंगे. उनका नया और ग्रे शेड वाला किरदार दर्शकों को चौंकाने वाला हो सकता है. इसके अलावा फिल्म में इंडस्ट्री के कई दिग्गज और लोकप्रिय चेहरे भी दिखाई देंगे. अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, जयदीप अहलावत, अभय वर्मा, रानी मुखर्जी और अरशद वारसी जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. इतनी बड़ी स्टारकास्ट से यह साफ है कि 'किंग' एक मल्टी-स्टारर फिल्म होगी, जिसमें हर किरदार कहानी में अपनी खास छाप छोड़ेगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा. अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी. परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी. आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी. भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. सभी का सहयोग मिलेगा. शुभांक-1-3-5

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है. संयमित भाषा का इस्तेमाल करें. कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे. आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा. उतावलेपन से बचें. प्रेमभाव बढ़ेगा. शुभांक-3-6-9

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. मनोरथ सिद्धि का योग है. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा. पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. शुभांक-5-6-7

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. प्रेमभाव बढ़ेगा. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. शुभांक-3-5-7

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. स्वविवेक से कार्य करें. दुर्लभ स्वप्न साकार होंग. शुभांक-3-5-7

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला : आय-व्यय समान रहेगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी. शुभांक-2-4-6

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. शुभांक-3-6-9

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें. चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी. शुभांक-4-6-8

मकर : मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. मेहमानों का आगमन होगा. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. वाहन चालन में सावधानी बरतें. आय के अच्छे योग बनेंगे. सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-8

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-8

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. इच्छित कार्य सफल होंगे. सुख-आनंद कारक समय है. शुभांक-2-4-6

कम लागत में मूंग की खेती

खेत की तैयारी

रबी की कटाई के बाद दो-तीन बार हल चलाकर मिट्टी को भुरभुरा व नींदा रहित करें। पाटा लगाकर खेत को समतल करें।

उन्नत बीज का चुनाव, मात्रा व उपचार

शुद्ध, प्रमाणित, रोग मुक्त बीज का चलन करें। भंडारित बीज को साफ करके, अंकुरण परीक्षण करने के बाद बोने हेतु उपयोग में लायें। बोनी हेतु के. 851, पीडीएम 139, पूसा बैसाखी, पूसा विशाल, जवाहर मूंग 131 में से किसी भी एक किस्म का 12-15 किग्रा. बीज प्रति हेक्टर के मान से उपयोग करें। ग्रीष्मकालीन मूंग की बोनी का उपयुक्त समय मार्च से अप्रैल का प्रथम सप्ताह है। कतार से कतार से बीज की दूरी 10 सेमी रखें साथ ही बीज को 3-4 सेमी की गहराई पर लगाएं। बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति किग्रा बीज दर से उपचार करें ताकि बीज जनित रोगों से छुटकारा मिल सके।

खाद व उर्वरक

मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करें। यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व म्यूरेट ऑफ पोटाश की 43:375:33 किग्रा प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करें। 40 किग्रा डीएपी के साथ 10 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति एकड़ का उपयोग भी किया जा सकता है। बुवाई से पहले फफूंदनाशक से उपचारित बीज को राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से निवेशित करें चाहिए। इस हेतु 5 ग्राम कल्चर प्रति किग्रा बीज के मान से उपयोग किया जा सकता है।

सिंचाई

गर्मियों में फसल होने के कारण फसल को 5-6 सिंचाईयों की आवश्यकता पड़ती है। क्रांतिक अवस्था जैसे शाखा बनते समय, फलियां बनते समय तथा दाना भरते समय सिंचाई करना आवश्यक होगी।

पौध संरक्षण

मूंग की फसल में कई बार पत्तियों पर भूरे रंग के धब्बे बनते हैं जो फैलकर पूरे पौधे को झुलसा देती है। साथ ही भभूतिया रोग का प्रकोप होता है। इस रोग में पत्तियों पर सफेद चूर्ण जमा हुआ दिखता है। दोनों ही रोगों के नियंत्रण के लिए कार्बेन्डाजिम की एक ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

मूंग की फसल पर फली बीटल, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, फली छेदक कीटों का प्रकोप होता है। इनके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 400 मिली 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के मान से छिड़काव करें।

उपज

मूंग की फलियां गुच्छों में लगती है तथा अधिकांश प्रजातियों में फलियां एक साथ नहीं पकती अतः 2-3 बार तोड़ाई पर पूरी फसल की फलियां तोड़ ली जाती हैं। मूंग के दानों को बैल चलाकर या डंडे से पीटकर अलग किया जाता है। भूसे से मूंग के दानों को हवा द्वारा अलग करके अच्छी तरह साफ कर सुखाने के बाद ही भंडारण करते हैं।

उन्नत शस्य क्रियाएं व पौध संरक्षण अपनाने पर 7-8 क्विंटल मूंग प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। तथा एक एकड़ क्षेत्र में 4000-5000 रुपये लागत आने पर 15000 रुपये की आय होती है।

श्राद्धविधि : अंधविश्वास नहीं, बल्कि शास्त्र !

श्री चेतन राजहंस, राष्ट्रीय प्रवक्ता, सनातन संस्था

प्रस्तावना : हिन्दू धर्म में पूर्वजों को सद्गति प्रदान करने हेतु श्राद्धविधि बताई गई है; किंतु कुछ लोग बिना किसी अध्ययन के श्राद्ध के विषय में भ्रांतियां फैलाते हैं। उदाहरणार्थ –

'श्राद्धविधि अंधविश्वास है और यह ब्राह्मणों का पेट भरने के लिए बताया गया है।'

'श्राद्धविधि एक दिखावा है।'

'श्राद्ध करने की अपेक्षा अस्पताल या विद्यालय को दान दें।'

'श्राद्ध करने से अच्छा है जीवित रहते ही माता-पिता की सेवा करें।'

धर्मशिक्षा के अभाव और सनातन परंपराओं का पालन न होने के कारण अनेक लोग इन भ्रांतियों के शिकार होते हैं। ऐसा न हो और पितरों की सद्गति तथा मानव के कल्याण के लिए प्रत्येक व्यक्ति शास्त्रोक्त श्राद्धविधि श्रद्धा से करे – इसी हेतु यह लेख प्रस्तुत है।

श्राद्धविधि से दिवंगत पितरों को ऊर्जा मिलना- हिन्दू धर्म कहता है – 'देह का नाश होता है, किंतु आत्मा का नाश नहीं होता।' हर व्यक्ति को मृत्यु के बाद उसके कर्मानुसार पुनर्जन्म मिलता है। संक्षेप में, 'कर्मफल सिद्धांत' और 'पुनर्जन्म सिद्धांत' हिन्दू धर्म में प्रतिपादित हैं। इन्हें कोई माने अथवा न माने, ये सिद्धांत सब पर लागू होते हैं। जिन पूर्वजों को मृत्यु के बाद सद्गति नहीं मिली होती, उन्हें श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान आदि विधियों के माध्यम से आवश्यक ऊर्जा प्राप्त होती है। मत्स्यपुराण में पिंडोदक क्रिया से पितरों के तृप्त होने का वर्णन है। श्राद्ध के मंत्रोच्चारों में पितरों को गति देने की सूक्ष्म शक्ति होती है। पितरों को हविर्भाग देने से वे संतुष्ट होते हैं और कष्टों से मुक्ति पाते हैं। ब्रह्मवैवर्तपुराण कहता है – 'देवकार्य से अधिक महत्त्वपूर्ण पितृकार्य है।' इसीलिए हर मंगल कार्य से पूर्व नांदी श्राद्ध का विधान है। जैसे भारत से अमेरिका पैसे भेजते समय रुपया डॉलर में परिवर्तित होता है, वैसे ही श्राद्धविधि से ऊर्जा पितरों तक पहुंचती है।

श्राद्ध और दान – अलग संकल्पनाएं- कुछ लोग कहते हैं, श्राद्ध की जगह गरीबों को दान दीजिए, विद्यालय या अस्पताल को दान दीजिए। परंतु यह रोग एक और उपचार दूसरा जैसा है। श्राद्ध और दान दोनों अलग विषय हैं। श्राद्ध किए बिना केवल दान करने से पितर प्रसन्न नहीं होते; क्योंकि उस दान का फल पितरों तक नहीं पहुंचता। श्राद्ध से पितरों को आहार मिलता है। भूख केवल भोजन से मिटती है, दान से नहीं।

षड्यंत्रकारी भावनात्मक आवाहन- 'श्राद्ध करने की अपेक्षा जीवित रहते माता-पिता की सेवा करो' – इस प्रकार के भावनात्मक संदेश जानबूझ कर फैलाए जाते हैं। परंतु हिन्दू धर्म ने कभी यह नहीं कहा कि माता-पिता को छोड़ दो। उलटे हिन्दू संस्कृति में कहा गया – 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव, आचार्यदेवो भव, अतिथिदेवो भव।'

जीवित रहते सेवा करना और मृत्यु के बाद श्राद्ध करना – दोनों ही पुत्रों का कर्तव्य है।

इतिहास से प्रमाण- रामायण में श्रीराम ने पिता दशरथ की मृत्यु पर श्राद्ध किया था। राजा भगीरथ ने कठोर तपश्चर्या करके गंगा को पृथ्वी पर लाया और पूर्वजों को मुक्त किया। यही कारण है कि प्रयास को 'भगीरथ प्रयास' कहा जाता है। इससे स्पष्ट है कि श्राद्धविधि प्राचीन है और ब्राह्मणों के पेट भरने से उसका कोई संबंध नहीं है।

वंशशुद्धि हेतु कुलधर्म पालन- पितर वंशरक्षक हैं। श्राद्धादि कुलधर्म का पालन करने से वंशशुद्धि सुनिश्चित होती है। कुलधर्म न पालन करने पर मातृदोष और पितृदोष बढ़ते हैं, जिससे परिवार का नाश होता है।

पितृदोष के लक्षण- आजकल अधिकांश लोग पितृदोष से ग्रस्त हैं, क्योंकि श्राद्ध और साधना नहीं करते। इसके लक्षण हैं :- घर में लगातार झगड़े, नौकरी न मिलना, आर्थिक अस्थिरता, गंभीर रोग, विवाह न होना, गर्भधारणा न होना या गर्भपात, विकलांग या मन्दबुद्धि संतान, परिवार में व्यसन इत्यादि। इनसे बचने हेतु श्राद्धविधि और 'श्री गुरुदेव दत्त' का नामस्मरण आवश्यक है।

निष्कर्ष- हिन्दू धर्म में बताए आचार अंधविश्वास नहीं, बल्कि शास्त्र हैं। इसमें उच्चकोटि का विज्ञान निहित है। आधुनिक विज्ञान जहां आज मल्टीवर्स थ्योरी (Multiverse theory) अर्थात हमारी एकमात्र ब्रह्मांड के स्थान पर अनगिनत ब्रह्मांड की बात करता है, हिन्दू धर्म ने शताब्दियों पूर्व ही उसका उल्लेख किया है। शास्त्र शाश्वत है। उस पर श्रद्धा रखने से मानव का कल्याण होता है। इसलिए श्राद्ध विषयक अपप्रचार का शिकार न होकर, प्रत्येक को यथाशक्ति श्राद्ध करना चाहिए, 'श्री गुरुदेव दत्त' का नामस्मरण करना चाहिए और साधना द्वारा आत्मकल्याण करना चाहिए।

संपर्क क्रमांक : 7775858387

जायद में मूंगफली

बीजोपचार

बीज को बोने से पूर्व थायरम 2 ग्राम+ कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलो बीजदर से उपचारित कर लें। फफूंदनाशक दवा से उपचार के बाद 1 पैकेट राइजोबियम कल्चर को 10 किग्रा बीज में मिलाकर उपचार करें।

बुवाई की विधि

खेत में पर्याप्त नमी के लिये पलेवा देकर जायद में मूंगफली की बुवाई करें। यदि खेत में नमी उचित नहीं होगी तो मूंगफली का जमाव अच्छा नहीं होगा। गुच्छेदार प्रजातियां खेती के लिये उपयुक्त रहती है। इसलिये बुवाई 25-30 सेमी की दूरी पर देशी हल से खोले गये कूंडों में 8-10 सेमी की दूरी कर करें। बुवाई के बाद खेत में क्रास लगाकर पाटा लगा दें।

बुवाई का समय

5 मार्च से 15 मार्च। देरी से बुवाई करने पर वर्षा प्रारंभ होने की दशा में खुदाई के बाद फलियों की सुखाई में कठिनाई होती है।

खाद एवं सिंचाई

यूरिया 43 किलो, सिंगल सुपरफास्फेट 155 किलो व म्यूरेट ऑफ पोटाश 66 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। मूंगफली में नत्रजन की अधिक मात्रा का उपयोग न करें अन्यथा यह मूंगफली की पकने की अवधि बढ़ा देगा। पलेवा देकर बुवाई के बाद पहली सिंचाई 20 दिन बाद करें। दूसरी सिंचाई 30-35 दिन पर तीसरी सिंचाई 50-55 दिन पर करें।

खुदाई व भण्डारण

खुदाई तभी करें जब मूंगफली के छिलके के ऊपर नसें उभर आयें, भीतरी भाग कत्थई रंग का हो जाये व मूंगफली का दाना गुलाबी रंग का हो जाये। खुदाई के बाद फलियों को छाया में सुखाकर रखें।

आंख में अंगारे, दिल में शोले, एशिया कप से पहले यलगार मोड में भारतीय सूरमा

एजेंसियां। दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप के लिए पूरी तरह से तैयार है. टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया 4 सितंबर को भारत से रवाना हो गई थी. टीम इंडिया का पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के साथ दुबई में है. ऐसे में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम मुकाबले की तैयारी में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ रही है. इसी बीच मैच से पहले भारतीय टीम ने अपनी नई जर्सी के साथ फोटो शूट भी कराई. ऐसे में देखें उसकी एक झलक.

सूर्यकुमार यादव : एशिया कप 2025 में सूर्यकुमार यादव भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे हैं. सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया के लिए शानदार खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं. एशिया कप से पहले कप्तान सर्या ने चेस बोर्ड के सामने बैठ कर एक शानदार फोटो शूट कराई है.

शुभमन गिल : शुभमन गिल एशिया कप में टीम इंडिया के लिए उप कप्तान बने हैं. इससे पहले शुभमन टीम इंडिया के लिए टेस्ट में कप्तानी करते हुए इंग्लैंड में धमाल मचा चुके हैं.

हार्दिक पांड्या : एशिया कप में हार्दिक पांड्या टीम इंडिया के लिए सबसे बड़े एक्स फैक्टर खिलाड़ी साबित हो सकते हैं. हार्दिक नए कलेवर के साथ एशिया कप टी20 में अपनी धूम मचाने के लिए तैयार हैं.

शिवम दुबे: पेस बॉलिंग ऑलराउंडर शिवम दुबे भी एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में शामिल हैं. ऐसे में कप्तान सूर्यकुमार चाहेंगे कि शिवम दुबे को अगर प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है तो वह बैटिंग और बॉलिंग दोनों में अपना कमाल दिखाएं.

जसप्रीत बुमराह : भारतीय क्रिकेट टीम के यॉर्कर किंग जसप्रीत बुमराह भी एशिया कप में धूम मचाने लिए तैयार हैं. बुमराह लंबे समय बाद टीम इंडिया के लिए टी20 फॉर्मेट में अपना जलवा बिखेरेंगे.

संजू सैमसन : एशिया कप में जिस खिलाड़ी पर सबकी नजर रहेगी उनमें से एक संजू सैमसन भी हैं. संजू सैमसन टीम इंडिया के लिए टी20 फॉर्मेट में लगातार शानदार खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं. ऐसे में एशिया कप में उनका बल्ला चला तो फिर भारत को चैंपियन बनने से कोई नहीं रोक पाएगा.

अभिषेक शर्मा : युवा ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी एशिया कप में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं. अभिषेक शर्मा निश्चित रूप से टूर्नामेंट में पारी की शुरुआत करने वाले हैं. ऐसे में विरोधी टीमों के मन में अभी से अभिषेक के लिए खौफ का माहौल बन गया होगा.

हो गई सबसे बड़ी भविष्यवाणी... एशिया कप में किसके नाम होंगे सबसे ज्यादा रन और विकेट?

नयी दिल्ली। एशिया कप 2025 को शुरू होने में सिर्फ एक दिन का समय बाकी है. टीम इंडिया अपने पहले मैच में 10 सितंबर को यूएई का सामना करने वाली है. वहीं टीम इंडिया को 14 सितंबर को हाईवोल्टेज मुकाबले में पाकिस्तान की टीम का सामना करना है. एशिया कप में ये देखना बेहद दिलचस्प रहने वाला है कि सबसे ज्यादा रन और विकेट कौन से खिलाड़ी लेते हैं. अब दिनेश कार्तिक ने बड़ी भविष्यवाणी करते हुए बताया कि उनके हिसाब से कौन सा बल्लेबाज सबसे ज्यादा रन एशिया कप में बना सकता है. पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि शुभमन गिल एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होंगे. उन्होंने युवा बल्लेबाज गिल पर भरोसा जताया है. गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने दोनों टीमों

में सबसे ज्यादा रन बनाए थे. शुभमन गिल की टी20 टीम में एक साल बाद वापसी हुई है. इस पर काफी चर्चा हो रही है. उन्होंने आखिरी मैच जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था. शुभमन गिल ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटन्स का नेतृत्व करते हुए 50 की औसत से 650 रन बनाए थे. दिनेश कार्तिक ने क्रिकबज पर बात करते हुए कहा कि वरुण चक्रवर्ती एशिया कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज होंगे. कार्तिक को पूरा विश्वास है कि भारतीय टीम एशिया कप जीतेगी. भारत ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है. टीम इंडिया ने लगातार पांच द्विपक्षीय टी20 सीरीज जीती हैं और 20 में से 17 मैच जीते हैं. कार्तिक ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर जितेश शर्मा को एशिया कप में देखने लायक सरप्राइज खिलाड़ी बताया है.

एशिया कप में नई जर्सी पहनकर खेलने उतरेगी टीम इंडिया : दुबई। एशिया कप 2025 में हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम यूएई पहुंच गई है. 9 सितंबर से 8 देशों के इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी. इस बार एशिया कप का आयोजन टी20 फॉर्मेट में किया जाएगा. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम पहले बार कोई मल्टीनेशनल टूर्नामेंट खेलेगी. भारत एशिया कप का डिफेंडिंग चैंपियन भी है.

2023 में वनडे फॉर्मेट में हुए टूर्नामेंट को भारत ने अपने नाम किया था. एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम की जर्सी सामने आ गई है. टीम के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने सोशल मीडिया पर जर्सी की फोटो शेयर की है. टीम की जर्सी में कोई बदलाव नहीं किया गया है. जर्सी ब्लू कलर की है तो बाजू पर ऑरेंज कलर है. इसके साथ ही कॉलर पर तिरंगा का कलर है. इसमें सबसे खास बात है कि जर्सी का कोई स्पॉन्सर नहीं है. जर्सी पर सामने सिर्फ इंडिया लिखा हुआ है.

जर्मनी ने उत्तरी आयरलैंड को हराकर पकड़ी जीत की राह

विश्व कप क्वालिफायर

एजेंसियां। बर्लिन

स्लोवाकिया के खिलाफ मिली हार से उबरते हुए जर्मनी ने रविवार को फीफा विश्व कप क्वालिफाइंग ग्रुप-ए के मुकाबले में उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की. पिछले गुरुवार ब्रातिस्लावा में 0-2 की हार के बाद कोच जूलियन नागेल्समैन ने अपनी शुरुआती एकादश में पांच बदलाव किए और इसका फायदा टीम को तुरंत मिला. सातवें मिनट में सर्ज गनाब्री ने निक वोल्टेमाडे के पास पर गोलकीपर बेली पीकॉक-फैरेल के ऊपर से शॉट लगाकर खाता खोला. जर्मनी ने बढ़त बढ़ाने के कई मौके बनाए लेकिन वोल्टेमाडे और डेविड राउम उन्हें भुना नहीं सके. उत्तरी आयरलैंड, जिसने अपने पहले मैच में लक्ज़मबर्ग को हराया था, धीरे-धीरे लय में आया और 34वें मिनट में बराबरी कर ली. जस्टिन डेवेनी के कॉर्नर पर इसाक प्राइस ने शानदार वॉली लगाकर गोल किया. इसके बाद जर्मनी थोड़ा असमंजस में दिखा और हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा.

दूसरे हाफ की शुरुआत में पीकॉक-फैरेल ने पास्कल ग्रॉस और राउम के शॉट रोककर जर्मनी को बढ़त लेने से रोका. हालांकि नागेल्समैन के किए गए बदलाव निर्णायक साबित हुए. 60वें मिनट में उतरे नादियम अमीरी ने 69वें मिनट में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई.

सिर्फ तीन मिनट बाद फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने फ्री-किक पर बेहतरीन गोल करते हुए मुकाबले का सबसे शानदार पल बनाया और जीत पक्की कर दी. अंतिम समय में उत्तरी आयरलैंड ने आक्रामक प्रयास किए लेकिन जर्मनी की जीत को खतरा नहीं पहुंचा सके. इस जीत के साथ जर्मनी का चार मैचों से चला आ रहा बिना जीत का सिलसिला खत्म हुआ. अब वह 10 अक्टूबर को सिन्सहाइम में लक्ज़मबर्ग की मेजबानी करेगा, जबकि उत्तरी आयरलैंड बेलफास्ट में स्लोवाकिया से भिड़ेगा. मैच के बाद कोच नागेल्समैन ने कहा, "हमने शुरुआत अच्छी की और बढ़त भी बनाई, लेकिन बराबरी का गोल मिलने से माहौल थोड़ा बिगड़ गया. आखिरी 30 मिनट में हमारी असली तस्वीर दिखी, उससे पहले खेल थोड़ा अस्थिर था."

महुगढ़ में डे-नाइट कबड्डी टूर्नामेंट में प्रयागराज की टीम रही विजयी

एजेंसियां। मीरजापुर

हलिया विकासखंड के महुगढ़ (समहुती) गांव में रविवार को डे-नाइट कबड्डी टूर्नामेंट का आगाज़ हुआ. प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने भाग लिया, जिनमें डेरवा, छानवे, मऊगंज, लालगंज, घोरावल और राजगढ़ समेत विभिन्न क्षेत्रों की टीमें शामिल रहीं. रोमांचक मुकाबलों के बीच फाइनल मैच प्रयागराज और डेरवा की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें प्रयागराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की. समापन पर परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रयागराज की टीम प्रथम, डेरवा द्वितीय और मऊगंज की टीम तृतीय स्थान पर रही. विजेता टीमों को क्रमशः प्रथम पुरस्कार के रूप में 5100, द्वितीय पुरस्कार 3100 और तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये नकद प्रदान किए गए. रेफरी की भूमिका बबलू अंसारी और पिंटू मौर्य ने निभाई, जबकि आयोजन हाफिज अंसारी द्वारा किया गया. प्रतियोगिता का संचालन बुद्धि रामपाल और जयकुमार ने कॉमेंट्री के माध्यम से किया. इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य दिलीप पटेल, इंडियन मानवाधिकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विजेंद्र पांडे, मोबीन खान, मिठाई लाल, फूलचंद सहित बड़ी संख्या में दर्शक और खिलाड़ी मौजूद रहे.

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप का आगाज आज से

जिन 2 ग्राउंड में होंगे मुकाबले वहां बेहतर है भारत का रिकॉर्ड?

एजेंसियां। दुबई

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और अबू धाबी का शेख जायेद स्टेडियम. ये वो दो वेन्यू हैं, जहां एशिया कप 2025 खेला जाएगा. 9 सितंबर को अबूधाबी में हॉन्ग कॉन्ग और अफगानिस्तान के मुकाबले से टूर्नामेंट का आगाज होगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होना है. एशिया कप में भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, ओमान, हॉन्ग कॉन्ग और यूएई की टीमें खेल रही हैं, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा फोकस भारत और पाकिस्तान पर ही रहेगा. 14 सितंबर को दोनों ही देश दुबई में खेलने उतरेंगे. वैसे संयोग यह भी है कि दोनों ही चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें आपस में 3 बार एशिया कप में भिड़ सकती हैं.

दुबई इंटरनेशनल में टीमों का रिकॉर्ड

दुबई इंटरनेशनल में सबसे अच्छा रिकॉर्ड अफगानिस्तान (64%) और श्रीलंका (62%) का है. भारत और पाकिस्तान का टी20 मैचों में जीत प्रतिशत क्रमशः 55% और 53%) है.

यूएई, ओमान और हॉन्ग कॉन्ग का रिकॉर्ड यहां काफी कमजोर है.

भारत (2021-2022)
मैचः 9, जीतेः 5, हारेः 4, जीत प्रतिशतः 55%

पाकिस्तान (2009-2022)
मैचः 32, जीतेः 17, हारेः 14, टाईः 1 (1 बार सुपर ओवर जीता)
जीत प्रतिशतः 53% (सुपर ओवर जीत सहित 56%)

श्रीलंका (2013-2022)
मैच : 8, जीतेः 5, हारेः 3
जीत प्रतिशतः 62%

बांग्लादेश (2021-2022)
मैच : 4, जीतेः 2, हारेः 2
जीत प्रतिशतः 50%

अफगानिस्तान (2010-2022)
मैच : 11, जीतेः 7, हारेः 4
जीत प्रतिशतः 64%

ओमान (2017-2019)
मैच : 4, जीतेः 1, हारेः 3
जीत प्रतिशतः 25%

हॉन्ग कॉन्ग (2017-2022)
मैच : 3, जीतेः 1, हारेः 2
जीत प्रतिशतः 33%

यूएई (2016-2024)
मैचः 13, जीतेः 3, हारेः 10
जीत प्रतिशतः 23%

शेख जायेद स्टेडियम में देखें टीमों का रिकॉर्ड

अबू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में भारत का जीत प्रतिशत 100%) है, जहां उसने 1 मैच खेला है. वहीं इस मैदान पर सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में टॉप पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान, यूएई हैं.

भारत (2021)
मैचः 1, जीतेः 1, हारेः 0
जीत प्रतिशतः 100%

पाकिस्तान (2010-2021)
मैचः 10, जीतेः 7, हारेः 3
जीत प्रतिशतः 70%

श्रीलंका (2011-2021)
मैचः 6, जीतेः 3, हारेः 3
जीत प्रतिशतः 50%

बांग्लादेश (2021)
मैचः 2, जीतेः 0, हारेः 2
जीत प्रतिशतः 0%

अफगानिस्तान (2010-2023)
मैचः 16, जीतेः 11, हारेः 5
जीत प्रतिशतः 68.75%

ओमान (2015-2019)
मैचः 12, जीतेः 6, हारेः 6
जीत प्रतिशतः 50%

हॉन्ग कॉन्ग (2015-2019)
मैचः 10, जीतेः 3, हारेः 7
जीत प्रतिशतः 30%

संयुक्त अरब अमीरात (2015-2023)
मैचः 14, जीतेः 9, हारेः 5
जीत प्रतिशतः 64.28%

एशिया कप का शेड्यूल

9 सितंबर- अफगानिस्तान बनाम हॉन्ग कॉन्ग, अबू धाबी
10 सितंबर- भारत बनाम यूएई, दुबई
11 सितंबर- बांग्लादेश बनाम हॉन्ग कॉन्ग, अबू धाबी
12 सितंबर- पाकिस्तान बनाम ओमान, दुबई
13 सितंबर- बांग्लादेश बनाम श्रीलंका, अबू धाबी
14 सितंबर- भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई
15 सितंबर- यूएई बनाम ओमान, अबू धाबी
15 सितंबर- श्रीलंका बनाम हॉन्ग कॉन्ग, दुबई
16 सितंबर- बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान, अबू धाबी
17 सितंबर- पाकिस्तान बनाम यूएई, दुबई
18 सितंबर- श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान, अबू धाबी
19 सितंबर- भारत बनाम ओमान, अबू धाबी
20 सितंबर- बी1बनाम बी2, दुबई
21 सितंबर- ए1 बनाम ए2, दुबई

एशिया कप में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला कब

एशिया कप 2025 में भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को दुबई में यूएई के खिलाफ करेगा और फिर 14 सितंबर को अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान का सामना करेगा. भारत का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 18 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ होना है.

एशिया कप के ग्रुप्स

ग्रुप ए : भारत, पाकिस्तान, यूएई, ओमान.
ग्रुप बी : बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान हॉन्ग कॉन्ग.

एशिया कप में भारत-पाक मैच का बहिष्कार नहीं करने पर बीसीसीआई ने तोड़ी चुप्पी

दुबई। एशिया कप 2025 का आयोजन 9 सितंबर से शुरू होगा. भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं, दोनों के बीच 14 सितंबर को मैच होना है. पहले माना जा रहा था कि टीम इंडिया इस मैच का बहिष्कार कर सकती है, लेकिन भारत सरकार के निर्णय के बाद साफ हो गया है कि 14 सितंबर को ये मैच होगा. हालांकि कई लोग इस फैसले के खिलाफ भी हैं. इस पर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया की तरफ से बड़ा बयान आया है. एनडीटीवी के साथ बातचीत में सैकिया ने कहा, रक्रिकेट या किसी भी अन्य खेल में भारतीय टीम के शामिल होने को लेकर केंद्र सरकार के खेल विभाग ने दिशानिर्देश और नीतियां निर्धारित की हैं. नीति बनाते समय, मुझे विश्वास है कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर खेल महासंघों की मदद के लिए दिशानिर्देश तैयार करने में बहुत सावधानी से निर्णय लिया है. इसके अनुसार, हम किसी भी मल्टीटीम टूर्नामेंट में भागीदारी के बारे में निर्णय ले सकते हैं.र देवजीत सैकिया ने बताया कि क्यों खेल जगत में पाकिस्तान का पूर्ण बहिष्कार संभव नहीं है. उन्होंने बताया कि मल्टीटीम टूर्नामेंट में पाकिस्तान के साथ खेलने से मना करने के बाद एशियाई क्रिकेट परिषद या आईसीसी सख्त एक्शन ले सकती है. इसके आलावा उन्हें लगता है कि ये युवा खिलाड़ियों के भविष्य के लिए भी सही नहीं रहेगा. सैकिया ने कहा, रकेंद्र सरकार ने महासंघों के हितों के साथ-साथ प्लेयर्स की चिंताओं के साथ-साथ सभी कारकों को ध्यान में रखा है. यदि कोई मल्टीटीम टूर्नामेंट हो और कोई टीम उसमें भाग नहीं लेती है, तो किसी विशेष महासंघ पर बैन भी लग सकता है. ऐसी स्थिति में युवा खिलाड़ियों और उनका करियर बर्बाद हो जाएगा.

भारत और पाकिस्तान का मुकाबला संभव)

23 सितंबर ए2 बनाम बी1, अबू धाबी
24 सितंबर- ए1 बनाम बी2, दुबई
25 सितंबर- ए2 बनाम बी2, दुबई
26 सितंबर- ए1 बनाम बी1, दुबई
28 सितंबर- फाइनल, दुबई (भारत और पाकिस्तान का मुकाबला संभव)

रांची की सड़कों पर विंटेज रोल्स रॉयल दौड़ाते नज़र आए धौनी

पीछे भागे फैंस, वीडियो वायरल

शुभम संदेश। रांची

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी एक बार फिर चर्चा में हैं. इस बार वजह उनका खेल नहीं बल्कि उनका शानदार कार कलेक्शन बना है. एमएस धौनी हाल ही में झारखंड की राजधानी रांची की सड़कों पर अपनी विंटेज रोल्स-रॉयस कार के साथ नजर आए. जैसे ही उन्होंने यह कार अपने फार्महाउस से बाहर निकाली, लोगों की निगाहें उन पर थम गईं.

धौनी की कार के पीछे भागे उनके कुछ फैंस : धौनी का कार और बाइक प्रेम किसी से छुपा नहीं है. वह समय-समय पर अपनी लग्जरी गाड़ियों को लेकर चर्चा में रहते हैं. इस बार उन्होंने अपनी रोल्स-रॉयस कार को ड्राइव किया, जो देखने में बेहद क्लासिक और शाही अंदाज की लग रही थी. रांची की सड़कों पर जब यह कार चली तो वहां मौजूद फैंस हैरान रह गए और उनकी कार के पीछे भागने लगे. कई लोगों ने मोबाइल निकालकर वीडियो भी बनाए, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं.

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो : धौनी अक्सर अपनी सादगी और अलग अंदाज के लिए पहचाने जाते हैं. करोड़ों की दौलत और नाम कमाने के बावजूद वह अपने शहर रांची से गहरा जुड़ाव रखते हैं. यही वजह है कि वह ज्यादातर समय यहीं बिताते हैं और कई बार आम लोगों के बीच बिना किसी तामझाम के नजर आ जाते हैं. सोशल मीडिया पर फैन्स धौनी की इस झलक को खूब पसंद कर रहे हैं. कुछ लोग उन्हें 'किंग ऑफ स्टाइल' कह रहे हैं तो कुछ उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं कि इतनी बड़ी हस्ती होने के बावजूद वे बिना किसी सुरक्षा घेरे के अपने शहर की सड़कों पर घूमते हैं.

ओपन वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

नयी दिल्ली। ओपन सेक्शन में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की. उन्होंने मिस्र के जीएम बासेम अमीन को पराजित किया. शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अमेरिका के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा ने ड्रा पर रोक दिया. प्रज्ञानानंद के पास एक अतिरिक्त प्यादा था लेकिन मिश्रा ने मजबूत रक्षात्मक चालों से मुकाबला बराबरी पर समाप्त कराया. यह खेल 57 चालों तक चला.विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी के बीच ऑल-इंडियन मुकाबला भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ.

गुकेश के पास हल्का बढ़त का आभास था लेकिन एरिगैसी ने बेहतरीन तैयारी और सही समय पर अदला-बदली करके स्थिति को बराबर कर दिया. खेल 46 चालों के बाद समाप्त हुआ. दुनिया के सबसे मजबूत स्विस टूर्नामेंट में अभी सात दौर शेष हैं. ईरान के परहम मघसूदलू 3.5 अंक लेकर आधे अंक की बढ़त पर हैं. उन्होंने मेजबान खिलाड़ी नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से कड़ा मुकाबला ड्रा खेला. पिछले संस्करण के ओपन चैंपियन विदित गुजराती ने वापसी करते हुए यूक्रेन के दिग्गज वासिल इवानचुक को हराया. विदित, एरिगैसी, गुकेश और प्रज्ञानानंद 3 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं. इनके साथ उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव व नादिरबेक याकुबबोएव, हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट, जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम, स्विट्ज़रलैंड के निकिता वितियोगोव और तुर्की के युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एरडोगमस भी बराबरी पर हैं.

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कुल 8,55,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 7.1 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि दांव पर लगी है. साथ ही, ओपन और महिला वर्ग से दो-दो खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगे.

तारीफ भारतीय हॉकी टीम की एशिया कप फाइनल में जीत पर बोले गौतम गंभीर

बहुत अच्छे, प्यारे लड़कों...शानदार! हम ही विजेता हैं

एजेंसियां। दुबई

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए एशिया कप फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से करारी शिक्स्त दी और चौथी बार यह ट्रॉफी अपने नाम कर ली. इस जीत के साथ भारत एशिया कप में अब दूसरा सबसे सफल देश बन गया है. हार के बाद भी कोरिया पहले नंबर पर है जिसने पांच बार एशिया कप जीता है. भारत ने इससे पहले 2003 (कुआलालंपुर), 2007 (चेन्नई) और 2017 (ढाका) में यह खिताब अपने नाम किया था. इस ऐतिहासिक जीत पर भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर भी खुश नजर आए. उन्होंने ट्विटर पर लिखा, "बहुत अच्छे, प्यारे लड़कों! शानदार! हम विजेता हैं." गौरतलब है कि गंभीर इस समय भारतीय क्रिकेट टीम के साथ दुबई में मौजूद हैं. भारतीय क्रिकेट टीम का एशिया कप भी 10 सितंबर को शुरू होने जा रहा है. भारत का पहला मुकाबला यूएई के खिलाफ होगा और 14 सितंबर को भारतीय टीम पाकिस्तान से भिड़ेगी.

फाइनल मैच का हाल : राजगीर में खेले गए मैच में भारत ने खेल का नियंत्रण शुरू से ही अपने हाथ में रखा. भारत के सुखजीत सिंह ने पहले ही मिनट में शानदार गोल किया इसके बाद दिलप्रीत ने मैच के 28वें और 45वें मिनट में गोल दागते हुए भारत की बढ़त को मजबूत किया. अंतिम पेनल्टी कार्नर को अमित रोहिदास ने 50वें मिनट में गोल में बदलकर भारत की जीत सुनिश्चित की. दक्षिण कोरिया की ओर से डेन सोन 51वें मिनट में एक गोल करने में सफल रहे.

वर्ल्ड कप की राह आसान : कोरिया पर मिली यह जीत भारत को अगले साल होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में सीधे प्रवेश दिलाती है. वर्ल्ड कप का आयोजन 14 से 30 अगस्त के बीच में किया जाएगा. टूर्नामेंट इस बार बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा. इस जीत के साथ भारत की टीम की विश्व स्तर पर स्थिति और मजबूत हुई है और यह टीम वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जगाती है. भारत की हॉकी टीम का यह सफर न केवल खेल की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आने वाले वर्ल्ड कप में भारत की मजबूत पकड़ का संकेत भी देता है. टीम अब पूरी तैयारी के साथ अगले विश्व मंच पर देश का नाम रोशन करने के लिए जुटेगी.

फिडे ग्रां प्री स्विस 2025 : महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर, गुकेश-एरिगैसी की बाजी ड्रॉ

एजेंसियां। नयी दिल्ली

उज़्बेकिस्तान के समरकंद में चल रहे फिडे ग्रां प्री स्विस शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली महिला वर्ग में संयुक्त रूप से शीर्ष पर बनी हुई हैं. जर्मनी की डिनारा वैगनर के खिलाफ ड्रा खेलने के बाद वैशाली के साथ अब रूस की कैटेरिना लाग्नो भी अंकों में बराबरी पर आ गईं.

लाग्नो ने चीन की युक्सिन सॉन्ग को सफेद मोहरों से हराकर संयुक्त बढ़त हासिल की. अब पांचवें दौर में वैशाली और लाग्नो के बीच अहम भिड़ंत होगी, जिसमें वैशाली सफेद मोहरों से खेलेंगी. डिनारा के खिलाफ खेल में वैशाली ने काले मोहरों से ग्रुनफेल्ड डिफेंस अपनाया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी की सटीक तैयारी और शुरुआती दौर में किए गए त्याग (रूक के बदले ऊँट) ने बाजी संतुलित कर दी. मध्य खेल में क्वीन अदला-बदली के बाद वैशाली के पास जीत का कोई ठोस मौका नहीं बचा और मुकाबला ड्रा हो गया.

ब्रीफ न्यूज

9 मवेशी बरामद, 4 पशु तस्कर गिरफ्तार

कटिहार। बिहार में कटिहार जिले के कुर्सेला थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 01 पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक परिवहन किए जा रहे 09 मवेशियों को बरामद कर 04 पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई बीते रात्रि को की गई, जब कुर्सेला थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन पर पशुधन का अवैध परिवहन किया जा रहा है. सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए कुर्सेला चेक एनएच-81 के पास वाहन चेकिंग शुरू की गई. इस दौरान एक पिकअप वाहन पुलिस बल को देखकर भागने लगा.

एनआईए की छापेमारी इकबाल हिरासत में

कटिहार। जिले के सुखासन गांव में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की. इस दौरान एनआईए की टीम ने ग्रामीण इकबाल को उनके घर से हिरासत में लिया और उनके परिवार को लिखित नोटिस सौंपा है. इकबाल के भाई वसीक ने बताया कि छापेमारी सर्च वारंट के आधार पर की गई थी. स्थानीय लोगों ने बताया कि एनआईए की टीम ने गांव में करीब आधा दर्जन अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी की. इस कार्रवाई से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीण चिंतित हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने ऐसी छापेमारी पहले कभी नहीं देखी.

आकाशीय बिजली गिरने पूर्व सरपंच की मौत

पश्चिम चंपारण। बगहा पुलिस जिला बगहा के चिउटांहा थाना क्षेत्र के जिमरी नौतनवा के निवासी एवं उक्त पंचायत के पूर्व सरपंच रहे कैलाश राम की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई. पूर्व सरपंच 10 + 2 नौतनवा विद्यालय के रात्रि प्रहरी के रूप में तैनात थे. पंचायत के मुखिया खूब लाल बड़घरिया ने बताया कि राम अपने कार्यकाल के दौरान अच्छे कार्यों के लिए जाने जाते थे उनके मृत्यु से पूरे पंचायत एवं परिवार में शोकाकुल की लहर है. राम अपना भरा पड़ा पूरा परिवार छोड़ दुनिया से चल बसे.सूचना अनुसार उनके दो पुत्र एवं दो पुत्रियां हैं.

बिहार में महिलाओं के लिए शुरू हुई पिंक बस सेवा, ई-टिकट प्रणाली की भी शुरुआत हुई

सीएम नीतीश कुमार ने दिखाई हरी झंडी

शुभम संदेश। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को महिलाओं की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एक नई परिवहन सेवा की शुरुआत की. मुख्यमंत्री आवास से आयोजित कार्यक्रम में नीतीश कुमार ने विशेष रूप से महिलाओं के लिए तैयार की गई 80 पिंक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इन बसों का संचालन राज्य के विभिन्न जिलों में महिलाओं की सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक यात्रा के उद्देश्य से किया जाएगा. इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, परिवहन मंत्री सहित कई अन्य मंत्रीगण भी मौजूद रहे. मुख्यमंत्री ने इस दौरान राज्यभर में चल रही 1065 बसों में ई-टिकट प्रणाली की भी शुरुआत की, जिससे टिकटिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और डिजिटल हो सकेगी. पिंक बसों की खासियत यह है कि इनमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए तीन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी सीधे कंट्रोल रूम से की जाएगी. इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सीटों और सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई है. सरकार की मंशा है कि इन बसों में अधिक से अधिक महिला चालक और परिचालकों की नियुक्ति की जाए, ताकि महिलाओं को यात्रा के दौरान अधिक सुरक्षा और विश्वास का अनुभव हो. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यह पहल राज्य में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सार्वजनिक परिवहन में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. बिहार में पहली बार महिलाओं के लिए समर्पित इस प्रकार की बस सेवा शुरू की गई है, जिससे उन्हें स्वतंत्र और सुरक्षित यात्रा का अवसर मिलेगा.

आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी कर दिया है. इसकी जानकारी खुद नीतीश कुमार ने सोमवार को सोशल साइट एक्स पर दी. मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा,₹ राज्य में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार करने में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है. उनकी इसी भूमिका का सम्मान करते हुये हमलोगों ने उनके मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है. अब आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7,000 रूपये से बढ़ाकर 9,000 रूपये तथा आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4,000 रूपये बढ़ाकर 4,500 रूपये करने के लिए विभाग को निदेशित किया गया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोगों ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण तथा स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिये बड़े पैमाने पर काम किया है तथा इसके लिये 'समेकित बाल विकास परियोजना' के माध्यम से छह (06) प्रकार की सेवायें प्रदान की जा रही हैं.

न्यूज अपडेट

पदाधिकारियों ने मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति का लिया जायजा

कटिहार। जिले के बाबा गोरखनाथ न्यास समिति के सदस्यगणों ने सोमवार को बाबा गोरखनाथ मंदिर प्रांगण में पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया. इस दौरान समिति के पदाधिकारियों और उपस्थित गणमान्य लोगों ने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और पारदर्शिता की बारीकी से समीक्षा की. समिति के सदस्य अक्षय सिंह ने बताया कि मंदिर प्रांगण में हो रहे इस कार्य से आने वाले समय में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएँ प्राप्त होंगी और यह स्थल धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित होगा. समिति ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

सुखासन में एनआईए की छापेमारी इकबाल को लिया हिरासत में

कटिहार। जिले के सुखासन गांव में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की. इस दौरान एनआईए की टीम ने ग्रामीण इकबाल को उनके घर से हिरासत में लिया और उनके परिवार को लिखित नोटिस सौंपा है. इकबाल के भाई वसीक ने बताया कि छापेमारी सर्च वारंट के आधार पर की गई थी. स्थानीय लोगों ने बताया कि एनआईए की टीम ने गांव में करीब आधा दर्जन अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी की. इस कार्रवाई से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीण चिंतित हैं.

15 लाख की साइबर ठगी का खुलासा, दो अपराधी गिरफ्तार

दरभंगा। पुलिस ने 15 लाख 76 हजार रुपये की ठगी का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. यह मामला 20 जुलाई का है, जब संजीव कुमार झा नामक व्यक्ति ने दरभंगा साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में उन्होंने बताया कि उनका मोबाइल फोन खो गया था और कुछ ही दिनों बाद उनके बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से 15.76 लाख रुपये की ठगी कर ली गई. शिकायत के आधार पर दरभंगा पुलिस ने एक विशेष जांच दल का गठन किया. तकनीकी साक्ष्यों और साइबर ट्रैकिंग की मदद से जांच को आगे बढ़ाया गया.

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने की बैठक

अररिया। प्रधानमंत्री 15 सितम्बर को पूर्णिया आ रहे हैं. जहां पूर्णिया एयरपोर्ट के साथ नवनिर्मित अररिया गलगलिया रेल लाइन का उद्घाटन और कई ट्रेनों के परिचालन की शुभारंभ की साथ कई सौगात देंगे. प्रधानमंत्री को कार्यक्रम को लेकर राजग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्णिया के कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने रविवार देर शाम अररिया सर्किट हाउस पहुंचे. जहां उन्होंने भाजपा संगठन के पदाधिकारियों,विधायकों और समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. सर्किट हाउस पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत बुके से किया. जिला अतिथिगृह में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में पूर्णिया में प्रधानमंत्री के आगमन के संदर्भ में तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई.

अशोक स्तंभ विवादः सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर बोला हमला, कहा

कांग्रेस व राजद को राष्ट्रीय प्रतीकों की चिंता नहीं

शुभम संदेश। पटना

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज होती जा रही है. चुनावी बयानबाजी के दौर में एक ओर जहां महागठबंधन प्रचार में जुटा है, वहीं भाजपा ने कांग्रेस और राजद पर तीखे हमले तेज कर दिए हैं. इसी कड़ी में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा. चौधरी ने जम्मू-कश्मीर में अशोक स्तंभ के कथित अपमान को लेकर कांग्रेस और राजद पर हमला बोलते हुए कहा कि महागठबंधन इस गंभीर मुद्दे को मामूली बताकर राष्ट्रीय प्रतीक का मजाक उड़ा रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद को न राष्ट्रीय प्रतीकों की चिंता है और न ही राष्ट्र के गौरव की. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिन्ह का अपमान सीधे तौर पर राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है, लेकिन विपक्ष चुप्पी साधे बैठा है. कांग्रेस सांसद तारिक अनवर के बिहार में बाढ़ निरीक्षण पर भी उपमुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा 'गोद' में चलती है. राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए चौधरी ने कहा कि "55 साल का बच्चा बिहार की सड़कों पर घूमकर मलेशिया चला गया", जो कांग्रेस की गैर-जिम्मेदार राजनीति का प्रमाण है. राजद को 'कुकुरमुत्ता' पार्टी बताते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि ऐसी पार्टियां आती-जाती रहती हैं, लेकिन जनता को गुमराह करने की कोशिश हमेशा नाकाम रहती है. लालू यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो नेता सड़क को 'हीरोइन के गाल' जैसा बनाने की बात करते थे, उन्होंने कभी कोई सड़क नहीं बनवाई. लालू परिवार ने जनता से किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया. महिलाओं की योजनाओं को लेकर राजद द्वारा फॉर्म भरवाने की खबर पर चौधरी ने कहा कि इसमें राजद का कोई योगदान नहीं है और इस मामले की जांच पुलिस करेगी. उन्होंने आरोप लगाया कि लालू यादव खुद पंजीकृत अपराधी हैं और उनके घर पर उपराष्ट्रपति उम्मीदवार या सुप्रीम कोर्ट के जजों का जाना लोकतंत्र का अपमान है. जगदेव प्रसाद के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि उनकी हत्या कांग्रेस ने करवाई थी, और आज राजद उसी कांग्रेस के साथ गठबंधन में है, जो उनकी असली सोच को दर्शाता है. वहीं, तेजस्वी यादव द्वारा खुद को 'ओरिजनल सीएम' कहे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, "बच्चा है, उसे खिलौना दे दो, अगर इससे वो खुश हैं तो खुश रहने दीजिए." बिहार की राजनीति में इस बयानबाजी ने माहौल को और गरमा दिया है. चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, नेताओं के शब्दबाण और तीखे होते जा रहे हैं.

सहायता राशि को लेकर बाढ़ प्रभावित लोगों ने किया सड़क जाम

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के बाढ़ प्रभावित लोगों ने मुआवजा राशि नहीं मिलने के कारण सोमवार को गनगनिया पंचायत के दुर्गा स्थान के समीप मुख्य मार्ग जाम कर दिया. इस दौरान जाम कर रहे लोगों ने सरकार के वालों में जमकर नारे लगाए. उधर जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतार लग गई. गनगनिया पंचायत के वार्ड चार के बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि सरकार के द्वारा दिये गए सहायता राशि हम लोगों को नहीं दिया जा रहा गया है. सरकार के द्वारा बाढ़ प्रभावित मुआवजा राशि देने में वार्ड सदस्य एवं सीओ रवि कुमार दो दो हजार रुपए की मांग कर रहे हैं. तभी बाढ़ प्रभावित लोगों को मुआवजा राशि देने की बात कही गई है. बताया जा हम लोगों का घर पानी में डुबा हुआ है. ऐसे में हमलोग दो दो हजार रुपए कहां से दे पाएंगे. इसी कारण हमलोगों ने सड़क जाम किया है. वहीं सड़क जाम में फंसे लोगों ने बताया कि तीन घंटा बीत जाने के बाबजूद कोई भी पदाधिकारी सुध लेने नहीं पहुंचे हैं. भीषण गर्मी के कारण हमलोगों की हालत खराब हो रही है. उधर जाम की सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर जाम हटाया.

कारोबार

परिधान निर्यात में 6-9% गिरावट की आशंका

नयी दिल्ली। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी टैरिफ के असर से वित्त वर्ष 2026 (एफवाई 26) में भारत के परिधान निर्यात में 6 से 9 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है. रिपोर्ट में भारत के परिधान निर्यात परिदृश्य को 'स्थिर' से घटाकर 'नकारात्मक' कर दिया गया है. इक्रा का कहना है कि अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भरता और नए टैरिफ के प्रभाव से निर्यातकों के लिए कीमत निर्धारण में दबाव बढ़ेगा, जिससे अनुबंध निर्माण उद्योग का परिचालन मार्जिन 200-300 आधार अंक तक घट सकता है.

एफपीआई ने निकाले 80,000 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। बीएफएसआई और आईटी सेक्टर पर सबसे ज्यादा असर साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए अब तक निराशाजनक साबित हो रहा है. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से लगातार बिकवाली से बाजार में गिरावट जारी है. अगस्त माह में ही एफपीआई ने कुल 36,260 करोड़ रुपये की निकासी की है. अगस्त के पहले पखवाड़े में 13,471 करोड़ रुपये और दूसरे पखवाड़े में 22,789 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए. जुलाई को मिलाकर पिछले दो महीनों में कुल बिकवाली 80,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है.

हुंडई, टाटा व निसान ने घटाए गाड़ियों के दाम

नयी दिल्ली। सरकार द्वारा ऑटोमोबाइल सेक्टर में जीएसटी दरों में की गई कटौती का असर दिखने लगा है. प्रमुख ऑटो कंपनियों हुंडई मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स और निसान ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में बड़ी कटौती की घोषणा की है. हुंडई ने अपनी सभी गाड़ियों के दाम 2.4 लाख रुपये तक कम कर दिए हैं, जबकि टाटा मोटर्स ने अपनी कमर्शियल गाड़ियों की कीमतों में 30,000 रुपये से लेकर 4.65 लाख रुपये तक की कटौती की है. हुंडई ने बताया कि नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी, जब जीएसटी की संशोधित दरें प्रभावी होंगी.

टैरिफ वॉर के बीच भारत-ईयू व्यापार समझौता

अमेरिका को खटक सकता है नया गठजोड़

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर गहमागहमी तेज हो गई है. आज से इस समझौते की 13वीं दौर की बातचीत शुरू हो रही है, जिससे इस डील का काउंटडाउन भी शुरू हो गया है. दोनों पक्ष इस वर्ष के अंत तक इस समझौते को अंतिम रूप देना चाहते हैं. इस समझौते की अहमियत इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि अमेरिका, भारत पर ज्यादा टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा है और ईयू से भी ऐसा ही करने का दबाव बना रहा है. ऐसे में भारत-ईयू व्यापार साझेदारी अमेरिका के लिए कूटनीतिक रूप से असहज स्थिति पैदा कर सकती है. भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते में कुल 23 विषयों पर बातचीत होनी है, जिनमें से अब तक 11 मुद्दों पर सहमति बन चुकी है. इनमें बौद्धिक संपदा, सीमा शुल्क, व्यापार में पारदर्शिता, छोटे व्यवसाय, खाद्य सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा, डिजिटल ट्रेड, सब्सिडी, विवाद निपटारा और धोखाधड़ी जैसे अहम क्षेत्र शामिल हैं. पूंजी के लेनदेन से जुड़े एक अध्याय पर भी जल्द सहमति की उम्मीद की जा रही है. 14वें दौर की बातचीत 8 अक्टूबर से ब्रुसेल्स में होगी. इन दौरों में तकनीकी अड़चनें, स्वास्थ्य और सुरक्षा मानक, बाजार पहुंच, उत्पाद उत्पत्ति के नियम और सरकारी खरीद जैसे मुद्दों पर फोकस किया जाएगा. अमेरिका की आक्रामक टैरिफ नीतियों के कारण वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बढ़ी है. ऐसे में भारत और ईयू के अधिकारी इस समझौते को एक स्थिर व्यापारिक रास्ता मानते हैं.

सस्ती हुई थाली शाकाहारी 7% और मांसाहारी 8% सस्ती

नयी दिल्ली। क्रिसिल इंटेलिजेंस की ताजा रोटी राइस रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2025 में घर पर पकाई गई शाकाहारी और मांसाहारी थालियों की लागत में क्रमशः 7% और 8% की सालाना गिरावट दर्ज की गई है. शाकाहारी थाली की लागत में यह गिरावट मुख्य रूप से प्याज, आलू और दालों की कीमतों में आई भारी कमी के चलते हुई. रिपोर्ट के मुताबिक, आलू की कीमतें 31% और प्याज की कीमतें 37% तक घटी हैं. पिछले वर्ष आलू की फसल में ब्लाइट संक्रमण और मौसम के बदलाव के कारण 5-7% गिरावट आई थी, जिससे कीमतें बढ़ी थीं. इस साल उत्पादन में 3-5% वृद्धि का अनुमान है. वहीं प्याज का उत्पादन 18-20% बढ़ने से कीमतों में तेज गिरावट आई है. दालों की कीमतों में भी 14% की सालाना गिरावट देखी गई, जिसका कारण बेहतर उत्पादन और अधिक स्टॉक रहा. हालांकि, वनस्पति तेल की कीमतों में 24% और एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 6% की वृद्धि हुई है, जिससे थालियों की लागत में गिरावट कुछ हद तक सीमित रही.

अंबर ग्रुप की सहायक कंपनी आईएलजेआईएन इलेक्ट्रॉनिक्स को मिला 1,200 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश, निवेशकों का बढ़ा उत्साह

नयी दिल्ली। अंबर ग्रुप की सहायक कंपनी आईएलजेआईएन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को अपनी विस्तार योजनाओं के लिए 1,200 करोड़ रुपये की फंडिंग मिली है. इस निवेश का नेतृत्व निजी इक्विटी फर्म क्रिस कैपिटल कर रही है, जो 1,100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. वहीं, इनक्रेड ग्रोथ पार्टनर्स फंड I द्वारा 100 करोड़ रुपये लगाए जाएंगे. यह निवेश इक्विटी शेयरों और अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय वरीयता शेयरों के रूप में होगा, जो भविष्य में इक्विटी में बदल

जाएंगे. यह आईएलजेआईएन इलेक्ट्रॉनिक्स में किसी बाहरी संस्था का पहला बड़ा निवेश है. कंपनी का कहना है कि इस फंडिंग से उन्हें मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाने, कामकाज के विस्तार, और अन्य कंपनियों के अधिग्रहण में मदद मिलेगी. आईएलजेआईएन इलेक्ट्रॉनिक्स, एम्बर एंटरप्राइजेज का हिस्सा है, जो बेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और असेंबली के निर्माण में माहिर है. इसके प्रोडक्ट्स का उपयोग कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटोमोटिव, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, रिन्यूएबल एनर्जी, एयरोस्पेस और डिफेंस जैसे क्षेत्रों में होता है. कंपनी स्मार्ट वॉच, राउटर, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, ईवी चार्जर, सोलर इन्वर्टर और यूपीएस सिस्टम्स के लिए बॉक्स-बिल्ड सॉल्यूशंस भी प्रदान करती है.

जीएसटी दरों में कटौती से त्योहारी सीजन में खर्च बढ़ा, ऑनलाइन शॉपिंग में जबरदस्त उछाल

नयी दिल्ली। जीएसटी दरों में कटौती, अच्छी बारिश और आर्थिक स्थिति में सुधार के चलते इस साल शहरी भारतीय परिवारों का खर्च बढ़ने जा रहा है. लोकल सर्कल्स की एक ताज़ा स्टडी के अनुसार, 2025 के त्योहारी सीजन में 10 में से 6 लोग 5,000 रुपये से ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं. अनुमान है कि इस सीजन में कुल खर्च 2.19 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो 2024 के मुकाबले करीब 18% अधिक है. खास बात यह है कि इस बार 28% लोग ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए खरीदारी करेंगे, जो पिछले साल की तुलना में 115% की बढ़ोतरी दर्शाता है. ऑनलाइन शॉपिंग को लेकर उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है, जिसमें प्रोडक्ट क्वॉलिटी, कीमत और आसान रिटर्न पॉलिसी को अहम फैक्टर माना गया है. इस सीजन में स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, और होम रेनोवेशन प्रोडक्ट्स पर सबसे ज्यादा खर्च किया जाएगा. इसके अलावा राशन, फैशन और ब्यूटी प्रोडक्ट्स की भी खूब मांग रहेगी. 89% शहरी परिवार ऑनलाइन शॉपिंग को प्राथमिकता देंगे, जिससे यह त्योहार डिजिटल मार्केट के लिए भी बड़ा मौका बन गया है.

भारत व इजरायल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और इजरायल ने सोमवार को आर्थिक सहयोग को मजबूती देने के लिए एक द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं. समझौते से दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी. वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा, भारत और इजरायल सरकार ने नई दिल्ली में आज एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं.

अडानी पावर के शेयर में उछाल भूटान डील से बाजार में बढ़ी हलचल

नयी दिल्ली। सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत हरे निशान के साथ हुई और दोपहर तक तेजी बनी रही. दोपहर 1:18 बजे सेंसेक्स 410 अंकों की बढ़त के साथ 81,121.50 पर ट्रेड कर रहा था. इस तेजी में अडानी पावर के शेयरों ने खास ध्यान खींचा, जो भूटान के साथ हुई डील के बाद 5% तक उछले. अडानी पावर का शेयर 4.43% की तेजी के साथ 636.70 रुपये पर पहुंच गया. गौतम अडानी की कंपनी ने भूटान की सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ 570 मेगावाट की वांगछू जल विद्युत परियोजना के लिए समझौता किया है. इस प्रोजेक्ट में अडानी ग्रुप करीब 6,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा. इसके अलावा, भूटान सरकार के साथ कंसेशन एग्रीमेंट भी साइन किया गया है. भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे ने इस साझेदारी को ऐतिहासिक बताया. वहीं, डीजीपीसी के एमडी ने बताया कि 2040 तक भूटान 15,000 मेगावाट हाइड्रोपावर और 5,000 मेगावाट सोलर पावर क्षमता का लक्ष्य रखता है. मई 2025 में दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते के तहत भविष्य में 5,000 मेगावाट क्षमता के और प्रोजेक्ट भी प्रस्तावित हैं.

कुटनीति भारत व चीन पर अमेरिकी ट्रेजरी सचिव का निशाना

रूस से व्यापार पर प्रतिबंधों की हो रही मांग

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमेरिका और पश्चिमी देशों की ओर से भारत और चीन पर रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर आलोचना का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है. अब अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट ने भारत और चीन पर रूस की मदद करने का आरोप लगाया है. उन्होंने दावा किया कि ये देश यूक्रेन युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं, और रूस से तेल खरीदकर उसकी अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहे हैं. स्कॉट बेसेन्ट ने मीट द प्रेस कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका और यूरोपीय यूनियन को रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर सेकेंडरी टैरिफ लगाने चाहिए. उन्होंने कहा कि इस तरह के सख्त आर्थिक प्रतिबंधों से रूसी अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा सकती है, जिससे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता के लिए विवश किया जा सकता है. उन्होंने साफ तौर पर कहा, ₹अगर अमेरिका और यूरोप मिलकर रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाएंगे, तो यह रूस की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह झुका देगा.₹ बेसेन्ट ने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन रूस पर दबाव बनाने के लिए तैयार है. भारत और चीन को लेकर बेसेन्ट की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में एक उच्च स्तरीय बैठक हो चुकी है. हालांकि, उस बैठक में यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने को लेकर कोई ठोस समझौता नहीं हो सका. यह युद्ध अब अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इसे 1945 के बाद यूरोप का सबसे घातक संघर्ष माना जा रहा है.

भारत ने बेसेन्ट के आरोपों को खारिज करते हुए पश्चिमी देशों की पाखंडी नीति पर सवाल उठाया है. भारत का कहना है कि कई यूरोपीय देश अब भी रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा खरीद रहे हैं, लेकिन उन पर इस तरह के प्रतिबंध नहीं लगाए जाते. भारत ने दोहराया कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए स्वतंत्र और तटस्थ नीति अपनाता है. इस बीच, बेसेन्ट ने यह भी कहा कि अमेरिका को अपने यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर एक साझा रणनीति अपनानी चाहिए. ताकि यह रेस बन जाए कि यूक्रेनी सेना और रूसी अर्थव्यवस्था में से कौन पहले टूटता है.

ग्लास वॉल सिस्टम्स ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली। मुंबई स्थित ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है. पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 2 रुपये के अंकित मूल्य वाले इस प्रस्ताव में 60 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने और प्रमोटरों के 40.23 मिलियन इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है. डीआरएचपी के अनुसार जवाहर हरिराम हेमराजानी, ईशान जवाहर हेमराजानी, अमित जवाहर हेमराजानी और विन्ने जवाहर हेमराजानी प्रमोटर बेचने वाले शेयरधारक हैं. शेयर बेचने वाले अन्य निवेशक इंडिया बिजनेस एक्सीलेंस फंड आईआईए और विस्तारा आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड हैं. कंपनी इसके 60 करोड़ रुपये के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग 50 करोड़ रुपये की लागत से विले भागड़, महाराष्ट्र स्थित सुविधा में नियोजित बैकवर्ड इंटीग्रेशन के हिस्से के रूप में ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की स्थापना हेतु पूंजीगत व्यय की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी.

देश-विदेश

नेपाल में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की फायरिंग, 18 की मौत, 100 घायल

काठमांडू । नेपाल में सोशल मीडिया बैन किए जाने से लेकर भ्रष्टाचार तक के विरोध में युवाओं ने सोमवार से प्रदर्शन शुरू किया है .प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के खिकाफ युवाओं ने नारेबाजी की और संसद में घुस गए . इसके बाद इंटरनेट बंद करके काठमांडू में कर्फ्यू लगा दिया गया है . वहीं पुलिस से झड़प में 18 लोगों की मौत हो गयी है जबकि कम से कम 100 से अधिक लोग घायल हो गए हैं . प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन पर भी किया हमला .

न्यूज अपडेट

अमेरिका में तूफान 'कीको' कमजोर पड़ा तेज हवाओं- बारिश का खतरा कम हुआ

वाशिंगटन । अमेरिका में तूफान 'कीको' के कमजोर पड़ने की खबर है. मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक आने वाले दिनों में कीको हवाई द्वीप के उत्तरी भाग से गुजरेगा, ऐसी संभावना है. इस कारण तेज हवाओं और भारी वर्षा का खतरा घट गया है. हालांकि, समुद्र में खतरनाक और ऊंची लहरों का खतरा बरकरार रहेगा. रविवार को (अमेरिकी समयानुसार) कीको बिग आइलैंड के हीलो से लगभग 1,025 किमी पूर्व में था. मंगलवार-बुधवार तक ये तूफान उत्तर से गुजरेगा. रविवार को हवा की अधिकतम रफ्तार 175 किमी/घंटा दर्ज की गई, जो पहले दर्ज की गई गति 195 किमी/घंटा से काफी कम है. इस तूफान के असर के कारण समुद्र में 10-15 फीट ऊंची लहरों की चेतावनी जारी की गई है.

कैनसस सिटी में 50 साल के कैदी की मौत को कोर्ट ने हत्या माना

कैनसस सिटी । अमेरिका के कैनसस सिटी में वायंडॉट काउंटी जेल में इसी साल 5 जुलाई को हिरासत में लिए गए 50 वर्षीय कैदी चार्ल्स अडेर की मौत हो गई थी. कोर्ट ने इसे हत्या करार दिया है. खबरों के मुताबिक उसे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था. पोस्टमार्टम में मौत का कारण 'मैकेनिकल एस्फिक्सिया' यानी सांस रुकना पाया गया. मृतक हृदय रोग और शराबजनित लीवर सिरोसिस ने भी पीड़ित था. रिपोर्ट के अनुसार, जेल में स्टाफ से संघर्ष के बाद उसे सेल में लिटाया गया, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद वह बेहोश पाया गया, जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया. अब यह मामला अभियोजक कार्यालय के अधीन है.

जेलों में भुखमरी पर इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की

नयी दिल्ली । पश्चिम एशिया में बीते 23 माह से अधिक समय से हिंसक संघर्ष हो रहा है. गाजा पट्टी में रहने वाले लोग भुखमरी और अभूतपूर्व मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं. भारी गोलाबारी के बीच फलस्तीनी जनता तक राहत सामग्री पहुंचाने में भी चुनौतियां सामने आ रही हैं. ताजा घटनाक्रम में इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक अहम फैसले में कड़ी टिप्पणी की. अदालत ने कहा कि देश की सरकार ने फलस्तीनी कैदियों को 'जीवन-निर्वाह करने के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं कराया.' कोर्ट ने पोषण की स्थिति में तत्काल सुधार लाने का आदेश दिया. सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लगभग दो साल से चल रहे युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार की कार्यप्रणाली में दुर्लभ हस्तक्षेप की तरह देखा जा रहा है.

लड़की के कपड़े पहनकर टिकटॉक वीडियो बनाया, पाक युवक गिरफ्तार

नयी दिल्ली । पाकिस्तान में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है. उस पर आरोप है कि वह लड़कियों के कपड़े पहनकर टिकटॉक पर वीडियो पोस्ट करता था. घटना पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की है, जहां के स्वाबी जिले में रहने वाला एक युवक महिलाओं के कपड़े पहनकर वीडियो शूट करता था और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करता था. युवक की पहचान अब्दुल मुगीज के रूप में हुई है. आरोप है कि अब्दुल टिकटॉक वीडियो में महिलाओं के कपड़े पहनकर आपत्तिजनक हरकतें करता था, जिसे लेकर लोगों में भारी गुस्सा था. शिकायतें मिलने के बाद पुलिस ने कई जगह छापेमारी की और अब जाकर आरोपी को पकड़ सकी.

चीन के शिनजियांग प्रांत में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.2 रही

शिनजियांग । चीन के शिनजियांग प्रांत में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 रही. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन के भीतर 50 किलोमीटर नीचे था. इससे पहले रविवार को भी शिनजियांग में 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए और भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर नीचे था. हालांकि इन भूकंप के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है. चीन दो विशाल सीस्मिक बेल्ट के मध्य स्थित है, जिसके चलते चीन भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है. 20वीं सदी में चीन में 800 से ज्यादा बार भूकंप के झटके लगे, जिनमें साढ़े पांच लाख लोगों की मौत हुई.

तुर्किए में पुलिस थाने पर हमला दो पुलिस अधिकारियों की मौत

तुर्किये । सोमवार को पश्चिमी तुर्किये के एक पुलिस स्टेशन पर नकाबपोश हमलावर ने हमला कर दिया. इस हमले में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई, साथ ही छह अन्य लोग घायल हो गए. हमलावर एक 16 साल का किशोर है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया. घटना बालकोवा जिले के इजमिर इलाके की है. यह तुर्किये का तीसरा सबसे बड़ा शहर है. हमलावर से पूछताछ कर हमले की वजह का पता लगाया जा रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर कुछ दिन पहले ही पुलिस हिरासत से छूटा था और माना जा रहा है कि पुलिस द्वारा हिरासत में किए गए कथित उत्पीड़न के बदले के लिए किशोर ने हमले को अंजाम दिया.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ले सकते हैं बड़ा फैसला

यूक्रेन पर रूस के ताजा हमले से अमेरिका में बढ़ रही है हलचल

एजेंसी ।कीव / वाशिंगटन

रूस के यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले से वाशिंगटन में हलचल तेज हो गई है. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि वे रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं. हालांकि उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी. ट्रंप से व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों ने सवाल किया-अब मॉस्को के प्रति क्या इरादा है? ट्रंप ने कहा कि वह बड़ा फैसला लेंगे. यूक्रेन के अखबार कीव पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, हम अब इस प्रतिस्पर्धा में हैं कि यूक्रेनी सेना कितने समय तक टिक सकती है, बनाम रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक टिक सकती है? बेसेंट ने कहा कि यही नहीं, अब अमेरिका रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए यूरोपीय देशों के साथ साझेदारी करने को तैयार है. उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ आगे आकर रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर और प्रतिबंध और अतिरिक्त टैरिफ लगाएं तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी और मजबूर होकर राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत के लिए आगे आना पड़ेगा. बेसेंट ने कहा कि हमले के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन से चर्चा की है. उन्होंने कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यूरोपीय संघ और अमेरिका दोनों मिलकर क्या कर सकते हैं. हम रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों को भी साथ लाने की ज़रूरत है.

अमेरिकी दूतावास ने हमले की निंदा की : इस हमले पर कीव स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान जारी कर हमले में एक मां और एक शिशु की बेवजह हत्या और अभूतपूर्व पैमाने पर विनाश की निंदा की है. यूक्रेन के लिए ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग ने भी सोशल मीडिया पर लिखाः किसी भी युद्ध में खतरा तनाव का बढ़ना होता है. ऐसा लगता है कि रूस युद्ध को और बढ़ा रहा है. इस युद्ध का सबसे बड़ा हमला कीव स्थित कैबिनेट के कार्यालय पर हुआ है. केलॉग ने इसके लिए रूस को चेताया भी है.

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट बोले-कार्रवाई का वक्त आ गया : इस हमले पर कैपिटल हिल में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है. रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस (आर-एनसी) ने सोशल मीडिया पर लिखाः ₹राष्ट्रपति ट्रंप तीन हफ्ते पहले पुतिन से मिले थे. तब से, पुतिन अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने के लिए अपने साथी सत्तावादियों से मिले हैं. फिर वह अपने अवैध आक्रमण की शुरुआत के बाद से यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले को मंजूरी देने के लिए मॉस्को लौट आए. अब इस झूठे और हत्यारे को रोकने का समय आ गया है. सीनेटर जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन-टेक्सास) ने भी इसी भावना को दोहराया. विदेश नीति पर अग्रणी डेमोक्रेट सीनेटर जीन शाहीन (डेमोक्रेट-न्यू हैम्पशायर) ने रूस तुरंत प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है.

उन्होंने जोर देकर कहाः पुतिन ने निर्दोष यूक्रेनियों पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है. जब तक ट्रंप कार्रवाई नहीं करते, ये हमले जारी रहेंगे. अब और समय सीमा नहीं बढ़नी चाहिए. रिपब्लिकन कांग्रेसी ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक (रिपब्लिकन-पेंसिल्वेनिया) ने इस हमले को आतंकवादी कृत्य₹ बताया. उन्होंने कहा, यह सैन्य रणनीति नहीं है. यह आतंक है. जानबूझकर और सोची-समझी रणनीति. यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने रविवार को रूस के देश पर अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद कैबिनेट भवन के अंदर हुई तबाही दिखाई. इस हवाई हमले में कीव के मध्य भाग में चार लोग मारे गए हैं. स्विरीडेंको ने कहा, पूर्ण आक्रमण की शुरुआत के बाद पहली बार रूसियों ने कैबिनेट भवन पर हमला किया, जहां हमारी पूरी टीम काम करती है.सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ. आग बुझा दी गई है.

स्विरीडेंको ने कहा-रूस शांति नहीं चाहता : यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, रात भर चले हमलों में 44 से अधिक लोग घायल हुए हैं. कीव में ऊंची आवासीय इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है. स्विरीडेंको ने कहा कि इस हमले से मॉस्को के असली इरादे जाहिर हो गए हैं. उन्होंने कहा, यह साफ है कि रूस शांति नहीं चाहता. उन्होंने यूक्रेन के सहयोगियों से समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया और सर्दियों से पहले और और ज्यादा वायु रक्षा प्रणालियां मुहैया कराने और रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा, अब कार्रवाई का समय आ गया है. यूक्रेन को अपने आकाश और ऊर्जा ढांचे की रक्षा के लिए और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों की आवश्यकता है.

जेलेंस्की ने कहा-युद्ध लंबा खिंचेगा : यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह हमला युद्ध को और लंबा खींच देगा. मॉस्को अब पूर्ण युद्ध के अपने चौथे वर्ष में है. अमेरिका के शांति स्थापित करने के प्रयासों के बावजूद लड़ाई समाप्त करने के लिए कठोर शर्तों पर जोर दे रहा है.

यरुशलम में फलस्तीनी हमलावरों ने किया हमला

बस पर चलाईं अंधाधुंध गोलियां छह की मौत,कई अन्य घायल

एजेंसी ।यरुशलम

उत्तरी यरुशलम में भीड़भाड़ वाले एक चौराहे पर आतंकी हमला हुआ है. हमले के दौरान मौके पर उस वक्त अफरातफरी मच गई जब अचानक गोलियां चलने लगीं. गोलीबारी में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है. फायरिंग में 15 अन्य लोग घायल भी हुए हैं जिनमें से 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है. पुलिस ने कहा कि गोलीबारी शुरू होने के तुरंत बाद 2 हमलावरों को ढेर कर दिया गया. पुलिस की ओर से हमलावरों को लेकर विस्तार से कुछ भी नहीं बताया गया है.

घायल और बेहोश पड़े थे लोग : गोलीबारी यरुशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी यरुशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित है. इजरायली मीडिया के अनुसार, 2 हमलावर एक बस में सवार हुए और गोलीबारी शुरू कर दी. हमले के फुटेज में सुबह के व्यस्त समय में भीड़भाड़ वाले चौराहे पर स्थित एक बस स्टॉप से कई लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं. घटनास्थल पर पहुंचे चिकित्सकों ने बताया कि इलाके में अफरातफरी मची हुई थी और टूटे हुए शीशे बिखरे पड़े थे, सड़क पर और बस स्टॉप के पास फुटपाथ पर लोग घायल और बेहोश पड़े थे.

इजरायल में हुए छिटपुट हमले : फलस्तीनी आतंकी समूहों की ओर से हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है. गाजा में युद्ध ने इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक और इजरायल दोनों में हिंसा में वृद्धि की है.

अमेरिकी पुलिस ने दिखाई वीरता

चाकू घोंप भाग रहे हमलावर को बीच सड़क पर गोलियों से भूना

एजेंसी ।न्यूयॉर्क

अमेरिका पुलिस ने एक महिला पुलिस अधिकारी को चाकू घोंपकर भाग रहे हमलावर को बीच सड़क गोलियों से भून दिया. यह घटना रविवार तड़के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन बरो के ब्राउन्सविले सेक्शन में 73वें प्रीसिंक्ट स्टेशन हाउस के पास हुई. पुलिस अधिकारियों ने हमलावर की आयु 35 वर्ष बताई है, लेकिन उसकी पहचान का खुलासा नहीं किया. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार न्यूयॉर्क पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी फिलिप रिवेरा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महिला पुलिस अधिकारी पर हमला सुबह लगभग 5:24 बजे हुआ. हमलावर चाकू के साथ पुलिस स्टेशन के गोपनीय द्वार से दाखिल हुआ. रिवेरा ने बताया कि महिला अधिकारी ने उसे पूछताछ के लिए बुलाया, तो उसने 14 इंच के चाकू से हमलाकर दिया और इसके बाद थाने से निकलकर भाग गया. रिवेरा के अनुसार कई पुलिस अधिकारियों ने सड़क पर संदिग्ध का पीछा किया और उसे बार-बार ललकारा. एक समय ऐसा आया जब संदिग्ध ने एक अधिकारी पर चाकू तान दिया. यह देखकर अधिकारियों ने गोलियों की बौछार कर दी. रिवेरा के अनुसार संदिग्ध को ब्रुकलिन के ब्रुकडेल अस्पताल मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. पुलिस बेनेवोलेंट एसोसिएशन यूनियन के अध्यक्ष पैट्रिक हेंड्री ने बयान में कहा कि शुक्र है कि हमारी बहन अब ठीक हो रही है, लेकिन यह न्यूयॉर्क शहर के पुलिस अधिकारियों पर एक स्पष्ट लक्षित हमला था.

जापान | प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद एलडीपी में नेतृत्व की होड़ हुई शुरू

इशिबा के इस्तीफे के बाद तोशिमित्सु ने की सबसे पहले दावेदारी

एजेंसी।टोक्यो

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के अचानक इस्तीफे के बाद सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) में नए नेतृत्व की तलाश तेज हो गई है. पार्टी में अब अगला अध्यक्ष और देश का नया प्रधानमंत्री कौन होगा, इसको लेकर जोरदार सरगर्मी देखी जा रही है. एलडीपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व महासचिव तोशिमित्सु मोटेगी ने सोमवार को सबसे पहले अपनी उम्मीदवारी का ऐलान किया है. वहीं, मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी, पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची और कृषि मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी को भी संभावित दावेदारों के रूप में देखा जा रहा है. 'द जापान टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए तोशिमित्सु मोटेगी ने कहा कि पार्टी वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रही है और इस संकट से बाहर निकालने के लिए उन्हें नेतृत्व देना चाहिए. उन्होंने कहा, "मैं पार्टी और सरकार में अपने अनुभव के आधार पर देश की सेवा पूरी निष्ठा और क्षमता से करना चाहता हूं." पार्टी के अंदरूनी समीकरणों में मजबूत पकड़ रखने वाले मोटेगी को एक भरोसेमंद चेहरा माना जाता है. प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने यह फैसला अमेरिका के साथ चल रही टैरिफ वार्ता के

महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचने के कारण लिया है. उन्होंने कहा, मैंने महसूस किया कि अगली पीढ़ी को नेतृत्व देने का यह उपयुक्त समय है. इसी सोच के तहत पद छोड़ने का निर्णय लिया है. इशिबा ने जुलाई में हुए उच्च सदन के चुनाव में पार्टी की करारी हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की बात कही है. एलडीपी में अब पार्टी अध्यक्ष पद के लिए समय से पहले चुनाव कराने की मांग तेज हो गई है. पार्टी के सांसद और प्रांतीय नेता मुख्यालय में ज्ञापन सौंपने की तैयारी कर रहे हैं. पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर अधिकांश सांसद और प्रांतीय प्रमुख चुनाव के पक्ष में होते हैं, तो पार्टी को यह चुनाव समय से पहले कराना होगा.

इशिबा का इस्तीफा ऐसे समय पर आया है जब पार्टी के भीतर गुटबाजी और असंतोष चरम पर है. शनिवार शाम उन्होंने कृषि मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी और एलडीपी के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा से मुलाकात की थी. माना जा रहा है कि इन नेताओं ने उनसे इस्तीफा देने का आग्रह किया था. इशिबा का कार्यकाल 11 महीने का रहा, जो पहली अक्टूबर 2024 से 7 सितंबर 2025 तक चला. विपक्षी पार्टियों ने एलडीपी पर राष्ट्रीय प्रशासन में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया है. मुख्य विपक्षी पार्टी कॉन्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख योशीहिको नोडा ने कहा, राजनीतिक शून्यता लगातार जारी है. एलडीपी के अंदर टकराव अब सहन की सीमा पार कर चुका है." पिछले पांच वर्षों में जापान में राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति बनी रही है. कोई भी प्रधानमंत्री लगातार तीन साल तक सत्ता में नहीं टिक पाया. फुमियो किशिदा, जो इशिबा के पहले प्रधानमंत्री थे, का कार्यकाल भी दो बार में बंटा रहा और अपेक्षाकृत छोटा ही रहा.

उत्तराखंड : आपदा से नुकसान का आकलन करने पहुंची केंद्रीय टीम

देहरादून। उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं से हुई क्षति का आकलन करने के लिए एक अंतर मंत्रालय की केंद्रीय टीम आपदा प्रभावित क्षेत्रों की ओर सोमवार को रवाना हुई. यह टीम उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी, बागेश्वर व नैनीताल का भ्रमण कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी. केन्द्रीय गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर. प्रसना के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम में अनु सचिव शेर बहादुर, अधीक्षण अभियंता सुधीर कुमार, उप निदेशक विकास सचान, मुख्य अभियंता पंकज सिंह और निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह शामिल हैं. अंतर मंत्रालय केंद्रीय टीम आज विभिन्न जनपदों में आपदा से हुई क्षति का आकलन व जायजा लेने के लिए देहरादून से प्रस्थान कर गई है. इससे पहले सुबह राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में बैठक की गयी थी.

उपराष्ट्रपति चुनावः ओडिशा की बीजेडी मतदान से रहेगी दूर

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजेडी) ने सोमवार को घोषणा की कि वह 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूर रहेगी. इस निर्णय की पुष्टि बीजेडी के राज्यसभा सांसद सस्मित पात्र ने की. पात्र ने दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में कहा, "बीजेडी ने कल होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूर रहने का फैसला किया है. हमारी पार्टी एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों से समान दूरी बनाए हुए है. हम ओडिशा और इसकी 4.5 करोड़ जनता के विकास और कल्याण पर केंद्रित रहेंगे." उल्लेखनीय है कि नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजेडी फिलहाल ओडिशा की प्रमुख विपक्षी पार्टी है. उसके पास राज्यसभा में सात सांसद हैं, जबकि लोकसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है.

पंजाब ने बाढ़ पीड़ितों के लिए केंद्र से मांगे 25 हजार करोड़ रुपये

चंडीगढ़। पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने सोमवार को प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उदारता दिखाने की अपील की है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बाढ़ से हुए नुकसान के मुआवजे के रूप में कम से कम 25 हज़ार करोड़ रुपये तत्काल जारी करने की घोषणा करें. इसके अलावा केंद्र सरकार के पास पहले से बकाया 60 हज़ार करोड़ रुपये भी तुरंत जारी किए जाएं. उन्होंने कहा कि निसंदेह प्रधानमंत्री बाढ़ आने के 25 दिन बाद पंजाब का दौरा करने वाले हैं, लेकिन इस संबंध में अब तक उन्होंने एक भी शब्द नहीं कहा. पत्रकारों से गोयल ने बाढ़ की स्थिति के मद्देनज़र प्रारंभिक आकलनों के अनुसार लगभग 4 लाख एकड़ की फ़सलें पूरी तरह से तबाह हो गई हैं.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.